www.navpradesh.com

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक

# नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, सोमवार, 21 सितंबर 2026 | शुक्ल पक्ष-दसमी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 159 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

# एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा, हॉकी-क्रिकेट और राइफल शूटिंग में दर्ज की जीत

## ओपनिंग मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन, उज्बेकिस्तान को 19-0 से रौंदा

**नई दिल्ली/ए.।** एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने अभियान की बेहद शानदार और ऐतिहासिक शुरुआत की है। पूल-बी के अपने पहले मुकाबले में भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 के विशाल अंतर से करारी शिकस्त दी। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच का अंतर साफ नजर आ रहा था, जहां उज्बेकिस्तान की रक्षापंक्ति भारतीय खिलाड़ियों के लगातार हमलों के आगे पूरी तरह लाचार नजर आई।

इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी दीपिका सहरावत ने व्यक्तिगत रूप से एक मैच में सर्वाधिक 8 गोल दागकर एशियाई खेलों के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। प्रतियोगिता में दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली भारतीय ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### दीपिका का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

मैच की पहली सीटी से ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना दबदबा कायम कर लिया था। भारत के लिए गोलों के इस सिलसिले की शुरुआत लालरेमसियामी ने मैच के 7वें मिनट में मैदानी गोल करके की। इसके महज एक मिनट बाद, यानी 8वें मिनट में दीपिका सहरावत ने भी अपना खाता खोल लिया। दीपिका ने मुकाबले के दौरान 8वें, 22वें, 25वें, 33वें, 36वें, 38वें, 41वें और 54वें मिनट में गोल दागे।

## भारत की बेटियों ने रचा इतिहास, पहले ही दिन दो सिल्वर मेडल पर जमाया कब्जा

**- एलावेनिल, सोनम और विदर्शा की तिकड़ी ने दिलाया सिल्वर**

**नई दिल्ली/ए.।** भारत ने एशियन गेम्स के पहले दिन 10 मीटर राइफल शूटिंग में दो रजत पदक हासिल किए। व्यक्तिगत स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन ने 252.4 अंक के साथ सिल्वर मेडल जीता। इससे पहले महिला टीम इवेंट में एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदारसा विनोद की भारतीय टीम ने 1898 अंक जुटाए। टीम को दूसरे स्थान के साथ रजत पदक मिला।

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भारतीय महिला टीम ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्शा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### भारत ने खोला पदकों का खाता

इस सिल्वर मेडल के साथ भारत ने एशियन गेम्स 2026 में अपने पदकों का खाता खोल दिया है। भारतीय निशानेबाजों की यह उपलब्धि प्रतियोगिता की शुरुआत में ही देश के लिए अहम रही। एशियन गेम्स का उद्घाटन समारोह 19 सितंबर को हुआ था और प्रतियोगिताओं का आयोजन जापान के आइची-नागोया क्षेत्र में किया जा रहा है। 2026 एशियन गेम्स में शूटिंग प्रतियोगिताएं 19 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आयोजित होनी हैं।

## भारत ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया, फाइनल में श्रीलंका से भिड़ंत

**नई दिल्ली/ए.।** एशियन गेम्स के दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 114 रनों से हरा दिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया ने फाइनल में प्रवेश कर लिया। मंगलवार 22 सितंबर को श्रीलंका से टीम इंडिया की खिताबी भिड़ंत होगी।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में बांग्लादेश 94 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम 20 ओवर भी नहीं खेल पाई। भारत की तरफ से शैफाली वर्मा ने शतक लगाया तो दीप्ति शर्मा और नंदिनी शर्मा ने गेंदबाजी ने बांग्लादेश को ढेर कर दिया। दोनों ने 3-3 विकेट लेकर भारत की जीत आश्वस्त कर दी। श्री चरनी को 2 और क्रांति गौड़ ने एक विकेट लिया। इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### भारत के लिए शानदार जीत

भारत के लिए यह एक आसान और शानदार जीत रही। टीम इंडिया इस मैच के लिए फेवरेट थी और उन्होंने वैसा ही खेल भी दिखाया। खेल की शुरुआत में शैफाली ने अपने शतक से भारत की जीत का आधार रखा। इसके बाद क्रांति गौड़ और नंदिनी ने नई गेंद से शुरुआती विकेट चटकाए और जब स्पिनरों ने दबाव बनाया तो बांग्लादेश के लिए रन बनाना बहुत मुश्किल हो गया।

### आज बेबाक

राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव में बेशक सत्तारूढ़ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और इस जीत का जश्न भी मना रही है लेकिन सच तो यह है कि उसे कांग्रेस ने नाकों चने चबवाए हैं। यहां तक कि निर्दलीयों ने भी जीत का नया कीर्तिमान रचा है। भाजपा जोड़ -तोड़ से अधिकांश निकायों में अपना मेयर बनाने में सफल हो सकती है लेकिन उसे इन नतीजों से सबक लेने की जरूरत है। भाजपा के वोटबैंक सवर्णों ने भाजपा को आईना दिखाया है। यह तो सिर्फझांकी है। अभी उत्तर प्रदेश सहित आधा दर्जन राज्यों के विधानसभा चुनाव बाकी हैं।

**कार्रवाई:** 3 गाड़ियों में पहुंची 12 सदस्यों की टीम, 2 मशीनें और 30 बोरा गुटखा जब्त

# कुम्हारी में अवैध गुटखा फैक्ट्री पर सेंट्रल जीएसटी का छापा

**दुर्ग/नवप्रदेश।** दुर्ग जिले के कुम्हारी में रविवार को सेंट्रल जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। स्टेशन चौक इलाके में एक गोदाम में कथित तौर पर सितार कंपनी का गुटखा तैयार किए जाने की सूचना पर अधिकारियों ने दबिश दी। करीब 10 से 12 सदस्यों की टीम तीन वाहनों से मौके पर पहुंची और कई घंटे तक गोदाम में मौजूद सामान और दस्तावेजों की जांच की।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने गुटखा निर्माण में इस्तेमाल होने वाली दो मशीनों को जब्त किया। इसके अलावा मौके से करीब 30 बोरा तैयार गुटखा भी बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है। जब्त किए गए सामान को टीम अपने साथ लेकर रायपुर रवाना हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जब्त सामग्री ■ शेष पृष्ठ 8 पर

**सुरेश गुप्ता का बताया जा रहा गोदाम**

प्रारंभिक जानकारी में गोदाम के मालिक का नाम सुरेश गुप्ता बताया जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में भी सेंट्रल जीएसटी विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कार्रवाई पूरी करने के बाद टीम जब्त मशीनों और गुटखे को लेकर रायपुर रवाना हो गई। अब जब्त सामग्री और दस्तावेजों की विस्तृत जांच के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### टैक्स नियमों और कारोबार की भी जांच

बताया जा रहा है कि जीएसटी इंटेलिजेंस की जांच केवल गुटखा निर्माण तक सीमित नहीं है। अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि निर्माण और बिक्री से जुड़े कारोबार में जीएसटी समेत अन्य टैक्स नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं। टीम ने गोदाम में रखे अन्य सामान के साथ-साथ वहां उपलब्ध दस्तावेजों और कारोबार से संबंधित रिकॉर्ड को भी जांच के दायरे में लिया है। दस्तावेजों के मिलान के बाद ही टैक्स से जुड़े मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

# अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को भेजा अलर्ट

**■ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे, दावा-अमेरिकी विमान ब्रिटिश एयरबेस से रवाना हुए**

**वॉशिंगटन डीसी/तेहरान/ए.।** मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है।

इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रम्प की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बी-1बी लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### 9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह

अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें।

## मॉस्को पर 1,000 से ज्यादा ड्रोन हमलों का दावा, तेल रिफाइनरी को नुकसान, 2 की मौत

**नई दिल्ली/ए.।** रूस ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना ने रातभर देश के अलग-अलग हिस्सों में 1,000 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, इनमें सैकड़ों ड्रोन मॉस्को की ओर भेजे गए थे। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने इसे राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया। उनके अनुसार, हमले में मॉस्को ऑयल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत को नुकसान

पहुंचा है। वहीं, मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दो लोगों की मौत और 20 लोगों के घायल होने की जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, उसकी सेना ने देशभर में, क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र समेत, 1,100 ■ शेष पृष्ठ 8 पर

## घर पर लगाया कैमरा, आईएसआई को भेजी लाइव फीड, गिरफ्तार

**श्रीनगर/ए.।** जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 24 साल के ट्रक ड्राइवर को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में अरेस्ट किया गया। आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई है। अमन ने अपने घर के बाहर सिम इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरा लगाया था। कैमरे का रुख उस सड़क की ओर था, जिसका इस्तेमाल सुरक्षा बल अक्सर करते हैं। वहां से फुटेज आईएसआई हैंडलर्स को लाइव भेजी जाती थी।

### गरमा-गरम

## पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा लाहौर से गिरफ्तार

**■ रिहाई के लिए प्रदर्शन करने जा रही थीं, एक दिन पहले जेल में हुआ था पूर्व पीएम का मेडिकल**

**इस्लामाबाद/ए.।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

एक दिन पहले ही अडियाला जेल में इमरान खान का मेडिकल चेकअप किया गया था। अलीमा की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब पीटीआई 27 सितंबर को इमरान की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन की तैयारी कर रही है। जियो ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### पीटीआई कार्यकर्ताओं की भी गिरफ्तारी

अलीमा खानुम की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस चार पीटीआई कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले चुकी है। डॉन के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन पर दंगा करने, सरकारी काम में रुकावट डालने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने जैसे आरोप लगाए हैं।

## शराबबंदी करके क्या मिला: सुप्रीम कोर्ट

**■ गुजरात ड्राई स्टेट, फिर भी जहरीली शराब से 600 से ज्यादा मौतें**

**नई दिल्ली/ए.।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शराबबंदी से शराब की लत और जहरीली शराब से होने वाली मौतें खत्म नहीं होतीं। कोर्ट ने कहा कि जबरन शराबबंदी, शराब की समस्या का समाधान नहीं है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि गुजरात में दशकों से शराबबंदी लागू है, लेकिन जहरीली शराब से हो रही मौतें नहीं रुकीं। मेथनॉल मिली शराब से 10 बड़े हादसों में 600 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। सुप्रीम कोर्ट 18 सितंबर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### सख्ती से शराब का कारोबार अंडरग्राउंड होता है

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शराब पर पूरी तरह रोक लगाने से शराब का कारोबार अंडरग्राउंड हो जाता है। इससे जहरीली शराब का चलन बढ़ता है। फैसले में कहा गया, 'भावनगर, गुजरात और सागर, मध्य प्रदेश में हाल में हुई जहरीली शराब की घटनाएं अधिकारियों को फिर से जागने और कार्रवाई करने की याद दिलाती हैं।

### महाराष्ट्र के नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र पॉइजन्स रूल्स के नियम 18ए और 18बी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन नियमों के तहत मेथनॉल खरीदने पर रोक लगाई गई थी। गैर-दवा निर्माता को मेथनॉल बेचने से पहले उसमें कड़वा पदार्थ और रंग मिलाना भी जरूरी किया गया था। ये नियम 1991 में मुंबई के छाया बार से खरीदी गई नकली शराब पीने के बाद हुई मौतों के बाद लागू किए गए थे। कुल 250 लोगों ने यह शराब पी थी, जिनमें से 93 की मौत हो गई थी। बाद में पता चला था कि इन लोगों ने मेथनॉल पीया था।

## बिश्नोई गैंग के नाम से ढेबर परिवार को धमकी, जांच शुरू

**■ 50 करोड़ रुपये मांगे, अनवर-एजाज का नाम लेकर धमकाया, पुलिस ने दर्ज की शिकायत**

**रायपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ रायपुर में ढेबर परिवार को बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले ने अनवर ढेबर और एजाज ढेबर का नाम लेकर धमकाया। फिर 50 करोड़ रुपए की मांग की है। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबकि ढेबर परिवार के एक कर्मचारी को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### रंजिश या किसी दूसरे विवाद की भी जांच

व्यक्तिगत रंजिश या किसी दूसरे विवाद की संभावना को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी जांच के आधार पर धमकी देने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सबूत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

" ढेबर परिवार के सदस्यों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। कॉल बिश्नोई गैंग से आया था या किसी ने उस गैंग का नाम लेकर धमकी दी है, इसकी जांच भी की जा रही है।

- डॉ. संजीव शुक्ला, पुलिस कमिश्नर, रायपुर

## चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने से टाटा ट्रस्ट नाराज

**■ बहुमत काफी नहीं, डायरेक्टर्स की सहमति जरूरी, 3 दिन पहले बढ़ा था टाटा संस चेयरमैन का कार्यकाल**

**नई दिल्ली/ए.।** टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल 5 साल बढ़ाने को टाटा ट्रस्ट ने गलत बताया है। टाटा ट्रस्ट का कहना है कि सिर्फ बोर्ड में बहुमत से वोट मिलने से चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति नहीं हो सकती। कंपनी के नियमों में उनके द्वारा नामित डायरेक्टर्स की सहमति भी जरूरी है।

टाटा संस के बोर्ड ने 17 सितंबर को चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

### 2 नॉमिनी डायरेक्टर्स में बहुमत के लिए 2 वोटों की जरूरत, 1 की नहीं

टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन यानी कंपनी के कानून के मुताबिक, किसी भी बड़े फैसले या प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नोमिनेटेड डायरेक्टर्स के बहुमत का समर्थन अनिवार्य है।

## एअर इंडिया फ्लाइट तकनीकी खराबी के बाद वापस दिल्ली लौटी

**नई दिल्ली/ए.।** एअर इंडिया की दिल्ली से काठमांडू जा रही फ्लाइट एआई 219 शनिवार को तकनीकी खराबी की आशंका के बाद वापस दिल्ली लौट गई। काठमांडू एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक, फ्लाइट नेपाली एयरस्पेस में प्रवेश करने वाली थी। तभी पायलट ने तकनीकी समस्या की जानकारी दी। फ्लाइट को लखनऊ के ऊपर से दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। अभी यह साफ नहीं है कि तकनीकी खराबी क्या थी। वापस दिल्ली लौटने के बाद सभी 150 यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से काठमांडू भेजा गया। विमान एयरबस ए320-214 मॉडल का था।

**मुलाकात :** दोनों सीएम के बीच छत्तीसगढ़-ओडिशा के आपसी सहयोग, विकास और जनकल्याण पर हुई चर्चा

# महानदी जल विवाद का जल्द निकलेगा समाधान: साय

**रायपुर/नवप्रदेश।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को ओडिशा प्रवास के दौरान भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।मुलाकात के बाद श्री साय ने कहा कि महानदी जल विवाद का अब कोई मामला नहीं है। दोनों प्रदेशों के साथ केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है इसलिए विवाद की स्थिति नहीं है। बहुत जल्द इसका निपटारा होने वाला है ।

मुख्यमंत्री श्री माझी ने श्री साय का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा के

आपसी सहयोग, विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा पड़ोसी राज्य होने के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच भी आत्मीय संबंध हैं। विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से नागरिकों को लाभ मिलने के साथ ही पूरे क्षेत्र की प्रगति को भी नई गति मिलेगी। सीएम श्री साय ने कहा कि अभी दिल्ली विवि छात्र संघ के चुनाव परिणाम भी हमारे सामने है। इस चुनाव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की है, जबकि एनएसयूआई एक भी पद नहीं जीत सकी।

### जहां राहुल गए वहां कांग्रेस को नुकसान ही हुआ: साय

राहुल गांधी के अलग-अलग राज्यों में राजनीतिक दौरों को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तंज कसा है। ओडिशा रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में सीएम साय ने राहुल गांधी के पूर्व दौरों का जिक्र करते हुए दावा किया कि जिन-जिन जगहों पर राहुल गांधी गए, वहां कांग्रेस को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने राहुल गांधी के मध्यप्रदेश दौरे को लेकर भी इसी तरह की टिप्पणी की।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राहुल गांधी के पिछले दौरों का रिकॉर्ड देखा जाए तो जिन स्थानों पर उन्होंने दौरा किया, वहां कांग्रेस को नुकसान हुआ है। सीएम साय ने इसी आधार पर राहुल गांधी के मध्यप्रदेश दौरे को लेकर भी तंज कसा। साय के मुताबिक, राहुल गांधी के मध्यप्रदेश आने का असर भी देखने को मिलेगा।

# बनिया तालाब में 120 फीट रास्ते पर विराजे 'तरिया के गणेश', अनोखा पंडाल देखने उमड़ रहे श्रद्धालु

**धमतरी/नवप्रदेश।** धर्म की नगरी धमतरी में गणेशोत्सव की धूम है। शहर के आमापारा स्थित बनिया तालाब में इस वर्ष भी 'तरिया के गणेश' का अनोखा दरबार सजा है। तालाब के गहरे पानी के बीच करीब 120 फीट लंबा रास्ता तैयार कर भव्य पंडाल बनाया गया है, जहां भगवान श्रीगणेश की सुंदर प्रतिमा विराजमान है। इस अनूठी प्रस्तुति को देखने और भगवान के दर्शन के लिए धमतरी सहित आसपास के शहरों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

आमापारा के सत्यम गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित यह गणेशोत्सव का 18वां वर्ष है। समिति के कार्यकर्ताओं जीवेश साहू, पंकज नाग, योगेश साहू और उमेश यादव ने बताया कि 'तरिया के गणेश' के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। उनका कहना है कि बनिया तालाब में पहले वर्ष-दर-वर्ष जनहानि की घटनाएं होती थीं, लेकिन समिति द्वारा यहां गणेशोत्सव शुरू किए जाने के बाद अब तक किसी अनहोनी की घटना नहीं हुई है। इसे समिति के सदस्य भगवान श्रीगणेश का आशीर्वाद मानते हैं।

### हर साल अलग होती है झांकी

सत्यम गणेश उत्सव समिति द्वारा बनिया तालाब में हर साल अलग और आकर्षक झांकियां तैयार की जाती हैं। इससे पहले समुद्र मंथन, श्रीराम सेतु और कालिया दमन जैसी झांकियां लोगों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र रही हैं।

वहीं धमतरी शहर की ज्वलंत ट्रैफिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए तालाब में बाईपास सड़क की झांकी भी तैयार की गई थी, जिसकी लोगों ने सराहना की थी।

इस वर्ष तालाब के गहरे पानी में तैयार की गई 120 फीट की राह और उसके आगे सजे गणेश पंडाल को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। रायपुर, दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव सहित विभिन्न शहरों से पहुंचे श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन कर समिति की इस अनोखी प्रस्तुति की सराहना कर रहे हैं।

इस भव्य आयोजन को तैयार करने में सत्यम गणेश उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं विकास साहू, भूपेंद्र नाग, रूपेश साहू, आशीष यादव, भोलू नाग, मोनू यादव, विनीत यादव, कुलदीप साहू, भूपेश पटेल, सुभाष यादव, पुनाराम देवांगन, जय पटेल, गोपी पटेल, गोपी यादव, गोलू यादव, गोविंद यादव, देवेंद्र ढीमर, बबलू नेताम, रोशन यादव, रवि पटेल, प्रवीण तारक, भावेश सिन्हा, युगल नाग, योगेश साहू, पप्पू साहू, जीतू यादव, कौशल यादव, पिंटू ध्रुव, रिंकू ध्रुव, आशू यादव, अमरचंद पटेल, लक्ष्मण ढीमर, भवानी यादव, संजू यादव, प्रीतम यादव, जितेश पटेल, नमन ध्रुव, दीपक ढीमर, गजेंद्र ढीमर, पोषण साहू, प्रकाश सिन्हा, बिट्टू पटेल, भुवन पटेल, मनीष पटेल, हर्ष यादव, सोनू, पंकज और लकी आदि का सहयोग रहा।

### श्री वृन्दावन धाम की झांकी से झूम उठा आमापारा

**धमतरी।** बालकला मंदिर गणेशोत्सव समिति, आमापारा चौक, धमतरी द्वारा पिछले 68 वर्षों से लगातार स्वयं निर्मित भव्य झांकियों का निर्माण किया जा रहा है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष गणेशोत्सव 2026 में समिति द्वारा श्री वृन्दावन धाम की मनोरम झांकी का निर्माण किया गया है।

इस झांकी में श्रद्धालुओं को श्री बांके बिहारी लाल जी, श्री राधा रमण जी, श्री राधा वल्लभ जी, श्री गोपेश्वर महादेव जी, श्री लाडू गोपाल जी, श्री हरि विट्ठल जी, श्री काली देह जी, निधिवन एवं पूज्य श्री प्रेमानंद जी महाराज के दिव्य दर्शन करवाए जा रहे हैं। समिति के प्रमुख बिशेषर पटेल एवं प्रकाश शर्मा ने बताया कि बालकला मंदिर की भव्यता हमारे द्वारा निर्मित झांकी में दिखती है। पूर्व में भी हमारे समिति के द्वारा एक से बढ़कर एक स्थल झांकी बनाई गई है जिसमे अमरनाथ धाम, केदारनाथ धाम, बद्रीनाथ धाम, रामेश्वर धाम, अयोध्या धाम, श्रीश्याम खाटू धाम आदि बनाई गई और वर्षों पुरानी इस परंपरा को हम आज भी निभा रहे हैं। समाज के हर वर्ग, चाहे वह संपन्न हो या दीन-हीन, जो किसी कारणवश तीर्थ धाम नहीं जा पाता, उनके लिए बालकला मंदिर सदैव इसी प्रकार तीर्थ धामों की झांकी बनाता रहेगा।

# डोंगरगढ़ ठेठवार पारा में हर साल अनोखा गणपति

### ■ बरगद की जड़ से बनी गणेश प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

**डोंगरगढ़/नवप्रदेश।** सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति ठेठवार पारा में गणेश उत्सव की वर्षों पुरानी परंपरा अब डोंगरगढ़ की एक खास पहचान बन चुकी है। यहां प्रतिवर्ष भगवान गणेश की प्रतिमा को अलग-अलग और आकर्षक स्वरूप में स्थापित किया जाता है। गणेश प्रतिमा के विराजमान होने से पहले ही समिति के इस साल के स्वरूप को लेकर शहर में चर्चा शुरू हो जाती है।

समिति द्वारा गणपति की प्रतिमा के स्वरूप को अंतिम समय तक गोपनीय रखा जाता है। यही उत्सुकता श्रद्धालुओं और लोगों के आकर्षण का बड़ा कारण बनती है। गणेश उत्सव के दौरान डोंगरगढ़ शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग ठेठवार पारा पहुंचकर गणपति के अद्भुत स्वरूप के दर्शन करते हैं। उत्सव के दौरान यहां का माहौल किसी मिनी मेले जैसा नजर आता है। बताया जाता है कि वर्ष 2014 से 2026 तक समिति द्वारा गणपति की प्रतिमाओं को हर वर्ष अलग-अलग थीम और स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है। इस वर्ष 2026 में बरगद की जड़ से गणपति की प्रतिमा तैयार की गई है, जो अपने प्राकृतिक और अनोखे स्वरूप के कारण लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति ठेठवार पारा की यह परंपरा धार्मिक आस्था के साथ-साथ रचनात्मकता और कला का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है। हर वर्ष कुछ नया देखने की उम्मीद में श्रद्धालु गणपति के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं।

## कामेपुर में तीन भालुओं के झुंड ने 48 वर्षीय व्यक्ति को बनाया शिकार

# छुरा क्षेत्र में भालुओं का आतंक, दो अलग-अलग हमलों में दो बुजुर्ग घायल

### ■ रसेला में 65 वर्षीय बुजुर्ग के चेहरे पर हमला

**गरियाबंद/नवप्रदेश।** जिले के छुरा वन क्षेत्र में भालू के हमले की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। दोनों घटनाओं में खेत में काम करने गए दो बुजुर्ग घायल हो गए। एक बुजुर्ग को गंभीर चोटें आने पर बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है, जबकि दूसरे का उपचार गरियाबंद जिला अस्पताल में जारी है। घटनाओं के बाद क्षेत्र में भालुओं को लेकर दहशत का माहौल है।

पहली घटना छुरा क्षेत्र के रसेला गांव की बताई जा रही है। यहां 65 वर्षीय बुजुर्ग सुबह करीब 7 बजे खेत में दवा डालने के लिए गया था। इसी दौरान जंगल की ओर से निकले भालू ने अचानक उस पर हमला कर दिया। भालू ने बुजुर्ग के चेहरे पर बुरी तरह हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान उसके साथ मौजूद साथी ने अपनी जान की परवाह किए बिना भालू से भिड़कर बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया। साथी ने लकड़ी के सहारे भालू को जंगल की ओर खदेड़ा, जिसके बाद घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए गरियाबंद जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

वहीं दूसरी घटना छुरा क्षेत्र के कामेपुर गांव में हुई। यहां सुबह खेत में काम करने गए 48 वर्षीय व्यक्ति का सामना अचानक तीन भालुओं के झुंड से हो गया। जान बचाने के लिए बुजुर्ग पेड़ पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान भालुओं ने उस पर हमला कर दिया। हमले में उसके पैर और कूल्हे में गंभीर चोटें आई हैं।

दोनों घटनाओं के बाद घायलों को उपचार के लिए गरियाबंद जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। रसेला की घटना में घायल बुजुर्ग की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया है, जबकि दूसरे घायल का उपचार गरियाबंद में जारी है। लगातार सामने आई इन घटनाओं से छुरा क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग जंगल व खेतों की ओर जाने में सावधानी बरत रहे हैं।

# गणेश उत्सव के पावन पर्व पर 21 को होगा विशाल रक्तदान शिविर

### ■ वीर क्लब सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति की पहल

**डोंगरगढ़/नवप्रदेश।** गणेश उत्सव के अवसर पर धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सामाजिक सेवा की मिसाल पेश करने की पहल की जा रही है। वीर क्लब सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति, शुक्रवार पारा, डोंगरगढ़ द्वारा श्री गणेश जी के विराजमान होने के पावन पर्व पर सोमवार 21 सितंबर 2026 को विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

समिति की ओर से जारी अपील में नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान करने का आह्वान किया गया है। आयोजन का संदेश है कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।

**धार्मिक उत्सव के साथ सामाजिक सरोकार :** गणेश उत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वीर क्लब सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति ने उत्सव को सामाजिक सेवा से जोड़ते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया है। समिति द्वारा लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की जा रही है।

**युवाओं से विशेष रूप से आगे आने की अपील :** रक्तदान शिविर को लेकर समिति ने विशेष रूप से युवाओं और स्वस्थ नागरिकों से सहभागिता की अपील की है। समिति का कहना है कि एक यूनिट रक्त जरूरत के समय किसी व्यक्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

# आयुर्वेदिक गांव बेलगांव में सरस्वती शिशु मंदिर के सामने कचरे का ढेर

### स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल

**डोंगरगढ़/नवप्रदेश।** डोंगरगढ़ से करीब 6 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बेलगांव, जिसे आयुर्वेदिक गांव के नाम से भी जाना जाता है, में सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के सामने कचरे का ढेर दिखाई देने से स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्कूल में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चे इसी आसपास खेलते हैं, जबकि कचरे से दुर्गंध और गंदगी की स्थिति बनी हुई है।

बच्चों से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि आसपास के कुछ घरों से लोग यहां कचरा लाकर फेंकते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कचरे की नियमित सफाई नहीं होने की बात भी सामने आई है। बताया गया कि करीब दो महीने में एक बार यहां कचरा साफकिया जाता है। सरस्वती शिशु मंदिर के सामने ही बाजार चौक है, जहां सब्जी मंडी भी लगती है। मौके पर कचरे के साथ शराब की खाली बोतलें, बीयर की बोतलें और अन्य गंदा सामान पड़े होने की बात सामने आई है। स्कूल के पास इस तरह की स्थिति होने से बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण को लेकर चिंता बढ़ रही है। खुले में जमा कचरे से दुर्गंध और मच्छरों की समस्या बढ़ सकती है।

इस संबंध में बेलगांव सरपंच से बात करने पर उन्होंने बताया कि वे निजी काम से डोंगरगढ़ जा रहे हैं और फिलहाल इस विषय में बात नहीं कर पाएंगे। वहीं, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल प्रबंधन की ओर से पंचायत में इस समस्या को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है या नहीं, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आयुर्वेदिक गांव के नाम से पहचान रखने वाले बेलगांव में स्कूल और बाजार चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर नियमित सफाई व्यवस्था होना जरूरी है। ग्रामीणों ने पंचायत से मांग की है कि स्कूल के सामने जमा कचरे को तत्काल हटाया जाए और खुले में कचरा फेंकने पर रोक लगाने के साथ नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था की जाए।

अब देखना होगा कि ग्राम पंचायत बेलगांव के सरपंच और सचिव इस समस्या को लेकर कब तक ठोस कदम उठाते हैं।

# ग्राम कोलिहा में फसल रखवारी के लिए पुरानी परंपरा आज भी कायम

**कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश।** आधुनिक दौर में खेती-किसानी के तौर-तरीकों में काफी बदलाव आया है, लेकिन ग्रामीण अंचलों में आज भी कई पुरानी परंपराएं जीवंत हैं। ग्राम कोलिहा के किस हितेंद्र कुमार वर्मा लोमश वर्मा रूद्र शंकर वर्मा रामचंद्र वर्मा रामसनेही वर्मा महेश वर्मा रामप्रकाश वर्मा द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया किग्राम कोलिहा में फसल की रखवारी के लिए ग्रामीणों द्वारा अपनाई जा रही पारंपरिक व्यवस्था इसका उदाहरण है। खेतों में खड़ी फसल को मवेशियों एवं अन्य नुकसान से बचाने के लिए किसान बारी-बारी से प्रतिदिन लगभग 10 युवाओं की टोली पूरे गांव का भ्रमण करता है एवं घुमंतू पशुओं को गांव की सरहद से बाहर किया जाता है रात-दिन खेतों की निगरानी करते हैं।

खरीफ सीजन में धान सहित अन्य फसलों की बुवाई के बाद जैसे-जैसे फसल बढ़ने लगती है, किसानों की चिंता भी बढ़ जाती है। गांव के आसपास खुले में विचरण करने वाले मवेशियों से फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में ग्रामीण लाठी लेकर खेतों की रखवारी करते हैं। कई किसान खेत के आसपास अस्थायी मचान बनाकर भी निगरानी करते हैं।

ग्राम कोलिहा में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक इस पारंपरिक व्यवस्था में अपनी भूमिका निभाते दिखाई देते हैं। हाथ में लाठी लेकर खेतों और गांव की सड़कों के आसपास निगरानी करना ग्रामीण जीवन की पुरानी संस्कृति का हिस्सा रहा है।

# मकई चौक में नहीं लगेगा मंच-पंडाल, गांधी मैदान में होगा डीजे, धरना और पुतला दहन

### ■ त्योहारों पर सदर बाजार में लागू होगी एकतरफा यातायात व्यवस्था

**धमतरी/नवप्रदेश।** आगामी त्योहारों और महत्वपूर्ण आयोजनों को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक में त्योहारों के दौरान यातायात, ध्वनि प्रदूषण, सार्वजनिक स्थानों के उपयोग और आयोजनों की अनुमति को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिले में कोई भी बड़ा आयोजन सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना आयोजित नहीं किया जाएगा। मकई चौक में मंच एवं पंडाल नहीं लगाए जाएंगे। वहीं धरना तथा पुतला दहन जैसे कार्यक्रमों के लिए गांधी मैदान निर्धारित करने पर सहमति बनी।

त्योहारों एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर शहर में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए सदर बाजार में एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू करने का भी निर्णय लिया गया, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। बैठक में महापौर श्री रोहरा ने दशहरा तथा अगले वर्ष जन्माष्टमी के आयोजन परेड ग्राउंड में कराने की बात कही, जिस पर सभी ने अपनी सहमति दी, जिससे प्रमुख आयोजनों को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

अधिकारियों ने सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से आयोजन के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की। विशेष रूप से कोलाहल अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्धारित समय और सीमा के भीतर उपयोग करने पर जोर दिया गया।बैठक में महापौर रामू रोहरा, अपर कलेक्टर इंदिरा देवहरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पटेल, एसडीएम पीयूष तिवारी सहित सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत 72 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा वितरण किया

**सिमगा/नवप्रदेश।** सिमगा नवप्रदेश कृष्णा कुंजाम:सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से जरूरतमंद शहरी परिवारों को पक्के आवास का संबल देने की दिशा में छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के साथ आवासों को समय पर पूरा करने और लंबित प्रकरणों के समाधान पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले अभियान में क्क्च्ख्- 2.0 के आवेदन व पात्रता सत्यापन, लंबित आवासों की ष्टश्चद्वश्चद्यद्गह्लद्बश्ठ्ठ, शिकायतों के त्वरित निराकरण और प्रधानमंत्री आवास मेले एवं लाभार्थी संवाद जैसी गतिविधियों के माध्यम से आवास से जुड़ी सेवाओं को और प्रभावी बनाया जा रहा है सेवा संकल्प अभियान के तहत आवास योजना का शिविर दिनांक 19/09/2026 को लगाया गया।

नगर पालिका परिषद सिमगा क्षेत्रान्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत 72 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा वितरण किया गया जिसके मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष हरदीप सिंह राजू भाटिया विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद सिमगा के उपाध्यक्ष विकास सोनकर एवं पार्षदगण एल्डरमैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी. (सीएमओ) (ष्ट रुज्ञ ष्ट) निकाय के समस्त अधिकारी कर्मचारी हितग्राही उपस्थित रहे। हितग्राहीयो को आवास को जल्द से जल्द प्रारंभ करने व 18 माह मे पूर्ण करने पर मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि 32850/- के बारे में हितग्राहियों को अवगत कराया गया। जिसमे सिमगा के सभी वार्ड नगर के महिलाएं एवं पुरुष बहुत संख्या में उपस्थित रहे।

## भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क बदहाल, ग्रामीणों ने तत्काल मरम्मत और स्थायी सड़क निर्माण की मांग की

# मोहदी में खुले कोयला यार्ड से खराब सड़क को लेकर ग्रामीणों का विरोध

**धरसींवा/नवप्रदेश।** धरसींवा खंड के ग्राम मोहदी में स्वास्तिक कंपनी द्वारा संचालित खुले कोयला यार्ड के कारण खराब हुई सड़क और लगातार बढ़ती आवागमन की समस्या को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। शुक्रवार को प्रभावित ग्रामीणों के साथ छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, धरसींवा खंड के पदाधिकारी एवं सेनानी मौके पर पहुंचे और कंपनी प्रबंधन के समक्ष ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा।

ग्रामीणों का कहना है कि खुले कोयला यार्ड में होने वाले कार्य के कारण क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ी है। भारी वाहनों के आवागमन से सड़क की स्थिति खराब होती जा रही है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे, धूल और कीचड़ के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### स्कूली बच्चों और आम राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी

खराब सड़क का सीधा असर गांव के आम नागरिकों, मोटरसाइकिल चालकों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों के आवागमन पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़क पर कीचड़ और गड्ढों के कारण आवागमन और भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही के बीच सड़क की खराब स्थिति दुर्घटना की आशंका को भी बढ़ा रही है। ऐसे में कंपनी प्रबंधन को केवल कोयला यार्ड के संचालन पर ध्यान देने के बजाय क्षेत्र की जनता की सुरक्षा और आवागमन की समस्या पर भी गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

ग्रामीणों ने कहा कि यदि क्षेत्र में लगातार भारी वाहनों का संचालन होना है तो सड़क भी उसी के अनुरूप मजबूत होनी चाहिए, ताकि गांव के लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना न करना पड़े।

### ग्रामीणों ने रखी तत्काल सड़क मरम्मत की मांग

ग्रामीणों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने कंपनी प्रबंधन के सामने मांग रखी कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए। साथ ही केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय भारी वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए मजबूत, सुरक्षित एवं स्थायी सड़क का निर्माण कराया जाए।

### संगठन ने कहा—समस्या का स्थायी समाधान जरूरी

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, धरसींवा खंड के पदाधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से सड़क की समस्या झेल रही है। ग्रामीणों की मूलभूत सुविधा और सुरक्षित आवागमन से जुड़े इस विषय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

संगठन ने कंपनी प्रबंधन से मांग की कि ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराई जाए और स्थायी सड़क निर्माण के लिए ठोस पहल की जाए।

### कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन

संगठन एवं ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत और समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई, तो ग्रामीणों के हित में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

# शिक्षा, अनुसंधान और ग्रामीण विकास में कृषि महाविद्यालय ने बनाई विशिष्ट पहचान

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर का 25वां स्थापना दिवस समारोह उल्लास, गरिमा और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में रजत जयंती वर्ष की उपलब्धियों, संस्थान की गौरवशाली यात्रा और भविष्य की संभावनाओं को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। वर्ष 2001 में शिक्षा एवं कृषि विज्ञान का जो बीज रोपा गया था, वह आज 25 वर्षों की सतत यात्रा में एक सशक्त एवं फलदायी वृक्ष का रूप ले चुका है, जिसकी छाया में विद्यार्थी, किसान, वैज्ञानिक और ग्रामीण समाज लाभान्वित हो रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एन.के. चौरे एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा तथा महाविद्यालय के प्रेरणास्रोत बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ ही परिसर ज्ञान, अनुसंधान, सेवा और कृषि विकास के संकल्प से आलोकित हो उठा। इस अवसर पर उपस्थित महाविद्यालय परिवार ने मां सरस्वती से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति तथा किसानों और ग्रामीण समाज की सेवा के लिए संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रार्थना की। स्वागत उद्बोधन में डॉ. एन.के. चौरे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने महाविद्यालय की 25 वर्षों की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि वहां से निकलने वाले ज्ञान, शोध, संस्कार और समाजोपयोगी कार्यों से होती है। उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि संस्थान ने विगत वर्षों में कृषि शिक्षा को सुदृढ़ करने के साथ-साथ अनुसंधान और किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों के हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महाविद्यालय ने बदलती कृषि परिस्थितियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, टिकाऊ कृषि, पर्यावरणीय चुनौतियों तथा ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर कार्य करते हुए अपनी उपयोगिता को निरंतर विस्तार दिया है।

उन्होंने कहा कि 25 वर्षों की यह यात्रा केवल एक संस्थान की यात्रा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, किसानों और समाज के सामूहिक योगदान की कहानी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

### विद्यार्थियों से ज्ञान को समाज की सेवा से जोड़ने का आह्वान

समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. एस.एल. स्वामी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, लोरमी-मुंगेली ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह किसानों और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे कक्षा में अर्जित ज्ञान को खेत और गांव तक पहुंचाने का प्रयास करें तथा कृषि क्षेत्र में आने वाली नई चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए नवाचार एवं अनुसंधान की भावना विकसित करें।

## न्यूज गैलरी

### संध्या आरती में शामिल हुए पार्षद

करगीरोड/कोटा/नवप्रदेश। एकता युवा मंच गणेश उत्सव समिति डाक-बंगला रोड में एक दिवसीय संध्या आरती में समिति के सदस्यों ने कोटा नगर पालिका वार्ड नं 9 के पार्षद वेंकट अग्रवाल को आमंत्रित किया मंगल आरती में शामिल होकर नगर की सुख समृद्धि की कामना की वहीं एकता युवा मंच समिति सदस्यों के पंडाल में उपस्थित रहे।

### मूल निवासी संघ का एसपी कार्यालय का घेराव 29 को

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** मूल निवासी संघ छत्तीसगढ़ भारत जिला बिलासपुर की बैठक शनिवार को सामुदायिक भवन तिफरा में आयोजित की गई। बैठक में बिलासपुर दंगे के मुख्य आरोपी बताए जा रहे राम सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी नहीं होने पर 29 सितंबर को एसपी कार्यालय का घेराव करने का निर्णय लिया गया। संघ ने चेतावनी दी कि पूर्व में दिए गए अल्टीमेटम के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने के कारण अब आंदोलन किया जाएगा। बैठक प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत पटेल के मुख्य आतिथ्य और प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बिलासपुर प्रभारी श्याम मूरत कौशिक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान समाज सुधारक ई. रामास्वामी पेरियार की जयंती भी मनाई गई। 11 सितंबर को एसपी बिलासपुर को ज्ञापन सौंपकर राम सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था। संघ का कहना है कि निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसे लेकर सदस्यों ने 29 सितंबर को एसपी कार्यालय का घेराव कर गिरफ्तारी की मांग करने का निर्णय लिया। बैठक में जिलाध्यक्ष डॉ. रघु साहू, उपाध्यक्ष मन्ना पटेल, शहर अध्यक्ष देवकुमार सोनी, मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता अन्नपूर्णा ध्रुव, कोषाध्यक्ष मधु सोनी, मोहम्मद आसिफ भाभा, अखलाख, सहसचिव माधुरी विश्वकर्मा, परस कश्यप, एडवोकेट ज्ञानेंद्र महिलांग, शेख बख्शीश अहमद, नदीम खान, अकल जिसान, एडवोकेट रमेश कुमार, एडवोकेट दिलेश्वर पटेल, एडवोकेट प्रेम गाड़ा सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

### स्मार्ट फोन बना पढ़ाई का स्मार्ट साथी

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए सही तकनीकी साधन उनकी पढ़ाई और दैनिक जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिलासपुर जिले के तिफरा निवासी कक्षा 10वीं के छात्र आशीष पाटले के जीवन में केंद्र सरकार की एडीप योजना के तहत मिले स्मार्ट फोन और स्मार्ट केन ऐसे ही उपयोगी साधन बने हैं।

### बिल्हा विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने दो दिन में मांगा जवाब

# ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में ड्यूटी नहीं करने वाले 21 शिक्षक , कर्मियों को नोटिस

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** बिल्हा क्षेत्र में सरकारी ड्यूटी में लापरवाही का मामला सामने आया है। ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में जिम्मेदारी तय होने के बावजूद 21 शिक्षक-कर्मचारी ड्यूटी से नदारद मिले।

कार्यक्रम स्थल अमेरीकापा में निरीक्षण के दौरान सामने आई गैरहाजिरी को शिक्षा विभाग ने गंभीरता से लिया है। बीईओ बिल्हा ने सभी 21 संबंधितों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने साफ कर दिया है कि जवाब नहीं देने या स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम को लेकर अमेरीकापा में शिक्षकों और कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई थी। कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था संभालने के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को अपने निर्धारित स्थल पर उपस्थित रहना था। इसी दौरान किए गए निरीक्षण में 21 शिक्षक और कर्मचारी अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित मिले। कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में जिम्मेदारी से गायब रहने का मामला सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए बिल्हा के विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने सभी 21 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नोटिस में संबंधितों से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने का कारण पूछा गया है। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। विभाग ने मौखिक जवाब के बजाय संबंधितों की व्यक्तिगत उपस्थिति और स्पष्टीकरण को अनिवार्य किया है। नोटिस में संबंधित शिक्षकों-कर्मचारियों को दो दिन का समय दिया गया है। इस अवधि में उन्हें अपनी अनुपस्थिति के संबंध में संतोषजनक जवाब देना होगा। निर्धारित समय में जवाब नहीं देने पर विभाग इसे गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्रवाई कर सकता है। वहीं, जवाब प्रस्तुत करने के बावजूद यदि विभाग को स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं लगता है तो संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से सरकारी कार्यक्रमों में ड्यूटी को लेकर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति है। विभाग ने कार्रवाई के जरिए यह संकेत दिया है कि निर्धारित जिम्मेदारी से अनुपस्थित रहने को सामान्य मामला नहीं माना जाएगा।

खासकर ऐसे कार्यक्रम, जिनमें अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी पहले से तय की जाती है, उनमें ड्यूटी से गैरहाजिरी पर जवाबदेही तय की जाएगी। अब 21 शिक्षक-कर्मचारियों के स्पष्टीकरण पर विभाग की अगली कार्रवाई निर्भर करेगी। यदि दिए गए जवाब विभाग के स्तर पर स्वीकार्य नहीं पाए जाते हैं तो संबंधितों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। फिलहाल नोटिस जारी होने के बाद सभी संबंधितों को दो दिन के भीतर बीईओ कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना होगा।

### अमेरीकापा में नदारद रहे

बिल्हा क्षेत्र के अमेरीकापा में आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में ड्यूटी से अनुपस्थित मिले 21 शिक्षक-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कार्यक्रम के दौरान निरीक्षण में संबंधित कर्मचारी अपनी निर्धारित ड्यूटी पर मौजूद नहीं मिले। शिक्षा विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है। बिल्हा विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने सभी संबंधितों को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अनुपस्थिति का कारण बताते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में जवाब नहीं देने या प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के लिए पहले से ही शिक्षकों और कर्मचारियों की जिम्मेदारियां तय की गई थीं। इसके बावजूद ड्यूटी से गैरहाजिरी सामने आने पर विभाग ने जवाबदेही तय करते हुए नोटिस जारी किया है। अब संबंधितों के स्पष्टीकरण के आधार पर विभाग आगे की कार्रवाई तय करेगा। सरकारी आयोजन में ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्ती का संकेत दिया है।

## प्रेस क्लब में लायंस क्लब वसुंधरा की महिलाओं ने की गणपति आरती

***विधि-विधान से पूजा-अर्चना, सुधा परिहार की ओर से प्रसाद वितरण**

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** राघवेंद्र राव सभा भवन परिसर स्थित बिलासपुर प्रेस क्लब में विराजित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की पूजा-अर्चना में शनिवार को लायंस क्लब वसुंधरा की पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुईं। क्लब की महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सामूहिक आरती की और सुख-समृद्धि की कामना की। लायंस क्लब वसुंधरा बिलासपुर की रीजन चेयरपर्सन अर्चना तिवारी के नेतृत्व में क्लब की महिलाओं ने गणपति आरती में सहभागिता की। इस अवसर पर लायंस क्लब वसुंधरा की डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन सुधा परिहार की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। आरती के दौरान प्रेस क्लब परिसर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष संजना मिश्रा, सचिव मंजू मिश्रा, कोषाध्यक्ष गायत्री कश्यप, सदस्य अणिमा मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बिलासपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष अजित मिश्रा, उपाध्यक्ष विजय क्रांति तिवारी, पूर्व अध्यक्ष तिलकराज सलूजा एवं वीरेंद्र गहवई, वरिष्ठ पत्रकार गणेश विश्वकर्मा, शिव कुमार तिवारी, जितेंद्र रात्रे, अनिरूद्ध सिंह ठाकुर, अमित पवार, शशि मिश्रा, जय कुमार पोपटानी, सरफराज अली, आदिवासी मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

## मंगला में सुबह तालाब में दिखा शव, सिविल लाइन पुलिस जांच में जुटी

**पटवारी तालाब में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव**

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** मंगला वार्ड क्रमांक 13 स्थित पटवारी तालाब में रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। तालाब के आसपास मौजूद लोगों ने पानी में शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने के प्रयास में जुटी है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ा रही है। मृतक की पहचान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के साथ शव को बाहर निकालने की कार्रवाई की। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के अन्य तथ्यों का इंतजार कर रही है।

## संकल्प चक्र और नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

### माय भारत स्वयंसेवकों ने ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ के तहत ली शपथ

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** सीएमडी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के ‘माय भारत’ अभियान के अंतर्गत ‘100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान’ के तहत ‘राष्ट्रीय संकल्प समारोह’ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं और माय भारत स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशा मुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान उपस्थित स्वयंसेवकों ने आकर्षक ‘संकल्प चक्र’ का निर्माण किया और सभी को जीवन में कभी भी नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ दिलाई। युवाओं ने एक सशक्त नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे से परिवारों और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाया और नशा मुक्ति का कड़ा संदेश दिया। इसके साथ ही एक

‘सिग्नेचर वॉल’ स्थापित की गई, जिस पर अतिथियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने हस्ताक्षर कर नशा मुक्त अभियान के प्रति अपना समर्थन दर्ज किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माय भारत के उप निदेशक नितिन कुमार शर्मा ने कहा, ‘एक सशक्त और विकसित भारत की नींव केवल स्वस्थ और जागरूक युवा पीढ़ी पर ही रखी जा सकती है। नशा न केवल व्यक्ति की ऊर्जा और प्रतिभा को नष्ट करता है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति को भी रोकता है। आज के युवाओं को अपनी ऊर्जा खेल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। जब युवा नशा मुक्त होंगे, तभी भारत वास्तव में विकसित भारत बनेगा। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के. के. शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा, ‘शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में उच्च नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों का संचार करना भी है। सीएमडी कॉलेज हमेशा समाज सुधार से जुड़े ऐसे अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। युवाओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक और संकल्प चक्र का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।’ इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी रोहित लहरे, मोहनलाल सोनी, डॉ किरण प्रसाद ,दीपक सेठ, नमन तथा माय भारत एंबेसडर लोकेश ओगरे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में माय भारत स्वयंसेवक नारायण रात्रे, जिया वारे, चंचल, जितेन्द्र, तनु, आर्यन, पुष्पराज, सिमरन, कुनाल, आयुष, पुष्पा, कशिश, लवली, मनजीत, राम, विपिन, विनीत, निशा, प्राची, सोनिया, कृष लहरे, अजय सिंह एवं खगेश दर्शन का सराहनीय योगदान रहा। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

### आंदोलन : हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने फैसले का विरोध किया

# बिलासपुर-कोलकाता उड़ान बंद, समिति ने उठाए सवाल

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** बिलासपुर एयरपोर्ट से कोलकाता के बीच संचालित उड़ान सेवा बंद किए जाने के फैसले का हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने विरोध किया है। समिति का कहना है कि उड़ान का समय बदलने और बिलासपुर-कोलकाता सेवा को अंबिकापुर से जोड़ने के बाद यात्रियों की संख्या में गिरावट आई। इसके बाद कम यात्री संख्या का हवाला देकर उड़ान बंद करने का निर्णय लिया गया है। समिति ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और केंद्रीय मंत्री तोखन साहू से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। समिति द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के

अनुसार दिसंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच बिलासपुर-कोलकाता के बीच 33 उड़ानें संचालित हुईं और इनमें 1336 यात्रियों ने सफर किया। दिसंबर में आठ उड़ानों में 340, जनवरी में नौ उड़ानों में 337, फरवरी में आठ उड़ानों में 349 और मार्च में आठ उड़ानों में 310 यात्री दर्ज किए गए। इसके बाद अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान 42 उड़ानों में 896 यात्रियों ने सफर किया। अप्रैल में नौ उड़ानों में 325 यात्री रहे। मई में नौ उड़ानों में 204, जून में सात उड़ानों में 119, जुलाई में नौ उड़ानों में 131 और अगस्त में आठ उड़ानों में 117 यात्रियों ने यात्रा की। इस तरह दिसंबर-मार्च की अवधि की तुलना में अप्रैल-अगस्त में यात्रियों की संख्या 1336 से घटकर 896 रह गई। यानी 440 यात्रियों की कमी दर्ज हुई। हालांकि इस अवधि में उड़ानों की संख्या 33 से बढ़कर 42 रही। समिति का कहना है कि उड़ान के समय और रूट में बदलाव के बाद यात्री संख्या में गिरावट आई है। समिति के अनुसार पहले बिलासपुर से कोलकाता की सीधी उड़ान सुबह के समय संचालित होती थी। बाद में समय में बदलाव कर इसे अंबिकापुर के रास्ते संचालित किया गया। समिति का दावा है कि इससे बिलासपुर से कोलकाता जाने वाले यात्रियों के लिए यात्रा का समय बढ़ा और सीधी उड़ान की सुविधा प्रभावित हुई। समिति ने कहा कि बिलासपुर को देश के चारों दिशाओं में कम से कम एक-एक महानगर से सीधी हवाई सेवा से जोड़ा जाना चाहिए। कोलकाता उड़ान को बंद करने के बजाय इसे पहले की तरह सीधे और सुबह के समय संचालित करने की मांग की गई है।

## सेवा संकल्प अभियान की गतिविधि सोशल मीडिया पर होगी अपलोड

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले एवं जनपद क्षेत्र में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की सोशल मीडिया के जरिए व्यापक जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। जिला पंचायत ने अभियान के दौरान होने वाले कार्यक्रमों के स्वच्छ एवं स्पष्ट फोटो-वीडियो, सेल्फी और महत्वपूर्ण संदेशों को आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर दी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला पंचायत की ओर से जारी आदेश में सोशल मीडिया गतिविधियों के लिए नोडल अधिकारी आदर्श श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर (एक्स) पर जनपदवार गतिविधियों की जानकारी अपलोड की जाएगी। फेसबुक पर बिल्हा और मस्तूरी जनपद की गतिविधियों के लिए पवन ध्रुव, जबकि कोटा और तखतपुर के लिए करुणा एक्का को जनपद स्तरीय नोडल बनाया गया है। इसी तरह इंस्टाग्राम पर बिल्हा-मस्तूरी के लिए अंजलि पैकरा तथा कोटा-तखतपुर के लिए बिलिता कुजूर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ट्विटर (एक्स) पर बिल्हा-मस्तूरी की गतिविधियों को दिलीप कुमार कौशले तथा कोटा-तखतपुर की गतिविधियों को घनश्याम कैवर्त्य अपलोड करेंगे।

## सुविचार

आत्मीय संबंध उसी व्यक्ति से जुड़ता है जिससे पूर्व जन्म में कोई रिश्ता रहा होता है वरना दुनिया की भीड़ में कौन किसी को जानता है।

## ममता बनर्जी को झटके पर झटका

बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को झटके पर झटका लग रहा है। चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी को नया नाम और नया चुनाव चिन्ह दे दिया है। वहीं बागी गुट को भी नया नाम और नया चुनाव चिन्ह आबंटित किया गया है। इस तरह पिछले 28 साल से ममता बनर्जी ने जिस तृणमूल कांग्रेस को संभालकर रखा था वह टूट गई है। और मूल से तृण उखड़ गया है। टीएमसी अब दो नाम और दो निशान में बट गई है। इसमें भी बागी गुट ज्यादा ताकतवर है। ममता बनर्जी के खेमे में अब गिनती के ही विधायक और सांसद रह गये हैं। ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका उस समय लगा जब नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में ममता बनर्जी द्वारा खड़ी की गई प्रत्याशी संचिता प्रधान ने अपना नाम ही वापस ले लिया। गौरतलब है कि पहले यह अटकलें लगाई जा रही थी कि नंदीग्राम से खुद ममता बनर्जी चुनाव लड़ सकती हैं लेकिन ममता बनर्जी चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाई और उन्होंने जिसे अपना प्रत्याशी बनाया उसने भी उन्हें अपना नाम वापस लेकर झटका दे दिया। अब ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को अपना समर्थन देने की घोषणा की है लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को भी पुलिस ने हत्या के एक पुराने मामले में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। कुल मिलाकर ममता बनर्जी के साथ बहुत बड़ा खेला हो गया। उन्होंने एक बार फिर भाजपा पर तीखा हमला बोला है और कहा है कि वे भाजपा के आगे नहीं झुकेंगी। अपनी पार्टी के दो फाड़ होने के लिए भी उन्होंने भाजपा को ही जिम्मेदार ठहराया है और चुनाव आयोग के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा है कि आज का दिन काला दिवस है। यह वही ममता बनर्जी है जो डेढ़ दशक तक सत्ता में थी तब उन्होंने अपनी मनमर्जी चलाई थी। इंडी गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद वे बंगाल में अकेले चुनाव लड़ा करती थी। कांग्रेस के साथ कभी भी उन्होंने बंगाल में गठबंधन नहीं किया था अब जबकि उनकी तृणमूल कांग्रेस टूट गई है तब उन्हें इंडी गठबंधन और कांग्रेस से रिश्ता सुधारने की जरूरत महसूस हो रही है। ममता बनर्जी के इन बयानों का समर्थन करते हुए कांग्रेस ने भाजपा पर पार्टियों को तोड़ने का आरोप लगाया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा ने पहले शिवसेना को तोड़ा फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तोड़ा और अब उसने तृणमूल कांग्रेस को भी तोड़ दिया है। राहुल गांधी के इस बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा है कि राहुल गांधी को कांग्रेस पार्टी का इतिहास याद करना चाहिए। उन्हें शायद पता नहीं है कि कांग्रेस से टूटकर ही तृणमूल कांग्रेस बनी थी और इसी तरह कांग्रेस से अलग होकर ही राष्ट्रवादी कांग्रेस अस्तित्व में आई थी इसके पहले भी कांग्रेस ने कई पार्टियों को तोड़ा था और वे विपक्षी पार्टियों की सरकार को गिराने का काम किया था। बहरहाल अब ममता बनर्जी के सामने अपना अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती है।

## लाडली बहन योजना के खिलाफ याचिका

मध्यप्रदेश की एक पूर्व कांग्रेसी पार्षद ने लाडली बहन योजना के खिलाफ हाईकोर्ट में एक याचिका दायर करके इस पर रोक लगाने की मांग कर नया विवाद छेड़ दिया है। उक्त याचिका को स्वीकार्य करते हुए हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि मध्यप्रदेश की लगभग सवा करोड़ महिलाओं को हर माह लाडली बहन योजना के अंतर्गत डेढ़ हजार रूपये दिये जाते हैं जो सीधे सीधे महिला मदताओं को प्रलोभन परोसने के समान है। इस तरह की मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर रोक लगनी चाहिए। हाईकोर्ट में याचिका दायर होने के बाद जहां भाजपा के नेता कांग्रेस की उक्त पूर्व महिला पार्षद पर आरोप लगा रहे हैं कि उसने इस तरह की याचिका लगाकर महिलाओं को मिलने वाली सम्मान निधि को रोकने का कुत्सित प्रयास किया है क्योंकि कांग्रेस हमेशा से महिला सशक्तिकरण की विरोधी रही है। वहीं दूसरी ओर बहुत से लोग इस याचिका का समर्थन कर रहे हैं जिनका कहना है कि इस तरह की कितनी भी मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने वाली योजनाएं चलाई जा रही हैं उन सब पर रोक लगनी चाहिए। इसकी जगह उक्त राशि से महिलाओं के हित में कोई रोजगार परक योजना क्रियान्वित की जानी चाहिए ताकि जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार सुलभ हो। उल्लेखनीय है कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने भी इन मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी और कहा था कि फ्री रेवड़ी कल्चर देश के हित में नहीं है इस पर रोक लगाने सरकार को विचार करना चाहिए किन्तु आज तक इस पर रोक नहीं लगी है सभी राजनीति पार्टियां वोट कबाड़ने के लिए फ्री रेवड़ी कल्चर को अपना रही हैं अब इस याचिका के बाद इस मुद्दे पर फिर से नई बहस शुरू हो गई है देखना होगा कि लाडली बहन योजना के खिलाफ दायर की गई याचिका पर हाईकोर्ट क्या फैसला देता है।

# एनजीओ के नाम पर विदेशी फंडिंग पर कड़े अंकुश की तैयारी

आलोक मेहता

**मोदी सरकार ने 2020 में विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम यानी एफसीआरए 2010 में संशोधन करके गैर-सरकारी संगठनों के लिए नियमों को अधिक सख्त और पारदर्शी बनाया। एनजीओ के एफसीआरए प्रमाण पत्र की वैधता की जांच और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नवीनीकरण नियमों को कड़ा किया गया। अब 2026 में सरकार ने इस कानून में संशोधन का विधेयक पेश किया। संसद में विरोध होने पर विधेयक संयुक्त संसदीय समिति की समीक्षा के लिए भेजा गया, ताकि शीतकालीन सत्र में इसे पेश किया जा सके। नए प्रस्तावित कानून के अनुसार पंजीकरण रद्द होने पर एनजीओ की बची संपत्ति और फंड के प्रबंधन के लिए 'नामित प्राधिकारी' का प्रावधान है।**

साथ ही एनजीओ को अपने सोशल मीडिया खातों और गतिविधियों के भौगोलिक दायरे की जानकारी देना अनिवार्य किया गया। इसका उद्देश्य विदेशी फंड के दुरुपयोग को रोकना और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना है।

इस सप्ताह 18 सितंबर को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम यानी एफसीआरए संशोधन विधेयक पर विचार कर रही 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति की पहली बैठक हुई। समिति के अध्यक्ष के रूप में संजय जायसवाल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की बैठक में उपस्थिति और समिति को शीतकालीन सत्र से पहले रिपोर्ट देने की संभावना है 7गृह मंत्रालय द्वारा एफसीआरए को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर प्रस्तुत किए जाने का दावा भी है।

बताया जाता है कि भारत में विदेशी चंदा लेने वाले एनजीओ की संख्या लगभग 29,000 से घटकर 14,000 रह गई है। गृह मंत्रालय की प्रस्तुति में विदेशी योगदान 17,832 करोड़ से बढ़कर 22,974 करोड़ होने का दावा किया गया है।

देश में गैर-सरकारी संगठनों यानी एनजीओ की भूमिका महत्वपूर्ण है। ये संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, आदिवासी विकास, महिला सशक्तीकरण, बाल कल्याण, पर्यावरण, गरीबी उन्मूलन और मानवाधिकार जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। दूसरी ओर, जब इन्हीं संस्थाओं को विदेशों से बड़ी मात्रा में धन मिलता है और वे

सरकार की नीतियों, बड़े विकास-परियोजनाओं या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर सक्रिय भूमिका निभाते हैं, तो विदेशी धन के स्रोत, उद्देश्य, उपयोग और निगरानी पर सवाल उठते हैं।

2010 में लगभग 29,700 संगठनों के पास एफसीआरए पंजीकरण होने का आंकड़ा एक रिपोर्ट में दिया गया था। 2017 तक सरकार ने संसद में बड़ी संख्या में एफसीआरए पंजीकरण रद्द किए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, रद्दीकरण के कारण अलग-अलग थे। कुछ मामलों में वार्षिक रिटर्न न देना, कुछ में नवीनीकरण के लिए आवेदन न करना और कुछ में कथित उल्लंघन शामिल थे। 2017 में लगभग 11,319 एनजीओ के पंजीकरण समाप्त होने की बात सामने आई।

2026 में लगभग 14,449 सक्रिय एफसीआरए पंजीकरण होने का दावा किया गया। 2010 के बाद एफसीआरए पंजीकृत संगठनों की संख्या में बड़ी कमी आई। यदि 17,832 करोड़ से 22,974 करोड़ की तुलना आधिकारिक गृह मंत्रालय के आंकड़ों से प्रमाणित होती है, तो इससे यह संकेत मिलता है कि कम संख्या में संगठन अपेक्षाकृत अधिक विदेशी धन प्राप्त कर रहे हैं। विदेशी अनुदान से चलने वाले अनेक संगठन अस्पताल, स्कूल, राहत कार्य, ग्रामीण विकास, विकलांगता सहायता, महिला एवं बाल कल्याण तथा आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं।समस्या तब पैदा होती है जब धन के वास्तविक स्रोत को छिपाया जाए; धन का उपयोग घोषित उद्देश्य के बजाय किसी अन्य उद्देश्य में हो; एनजीओ विदेशी संस्था के राजनीतिक या रणनीतिक एजेंडे का माध्यम बन जाए; विदेशी धन का उपयोग हिंसक या गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए हो;धन का इस्तेमाल कानून-विरुद्ध धार्मिक गतिविधियों में हो; या संगठन घोषित सामाजिक कार्य की आड़ में प्रतिबंधित गतिविधियों में शामिल हो।

एफसीआरए मूल रूप से 1976 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य विदेशी योगदान और विदेशी आतिथ्य को नियंत्रित करना था, ताकि विदेशी धन भारतीय राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन को अनुचित रूप से प्रभावित न करे। 2010 में नया एफसीआरए कानून लागू हुआ। इसके तहत विदेशी योगदान प्राप्त करने वाले पात्र संगठनों को पंजीकरण, नवीनीकरण, बैंकिंग, लेखांकन और वार्षिक रिपोर्टिंग से जुड़े नियमों का पालन करना पड़ता है। 2020 में कानून में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। इनमें विदेशी योगदान के लिए निर्दिष्ट बैंक खाते की व्यवस्था, प्रशासनिक खर्च पर सीमा और विदेशी योगदान के हस्तांतरण पर प्रतिबंध शामिल थे।सरकार का तर्क रहा है कि विदेश से आने वाले धन का स्रोत और उपयोग स्पष्ट होना चाहिए। ।सरकार के अनुसार उद्देश्य इन संगठनों को समाप्त करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी धन भारतीय कानूनों के अनुरूप खर्च हो।

सरकार की ओर से आरोप लगाया गया कि कुछ विदेशी-वित्तपोषित गतिविधियां भारत के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। 18 सितंबर 2026 को गृह मंत्रालय द्वारा संयुक्त संसदीय समिति के सामने कुडनकुलम परमाणु संयंत्र और सरदार सरोवर बाँध से जुड़े विरोधों का उल्लेख हुआ। सरकार की चिंता यह हो सकती है कि यदि विदेशी धन प्राप्त करने वाला संगठन भारत की ऊर्जा या इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रभावित करने के उद्देश्य से अभियान चलाता है, तो उसकी फंडिंग और गतिविधियों की जांच की जाए।यदि जांच में प्रमाणित हो कि कोई संस्था विदेशी धन छिपाकर प्रतिबंधित गतिविधि में लगा रही है, हिंसा को वित्त दे रही है, विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप का माध्यम बन रही है या एफसीआरए के उद्देश्य के विरुद्ध धन का उपयोग कर रही है, तो सरकार के पास कानून के अनुसार कार्रवाई का आधार हो सकता है। बहस का एक हिस्सा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित है। धार्मिक संगठन भी अन्य संगठनों की तरह एफसीआरए के वित्तीय और प्रशासनिक नियमों के अधीन हैं। विदेशी धन और धार्मिक गतिविधियों के बीच संबंध होने मात्र से उल्लंघन सिद्ध नहीं होता।

संसद में महत्वपूर्ण क़ानूनी परिवर्तन से सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छता और स्वयंसेवी का चोला पहनकर राष्ट्र विरोधी गतिविधियां चलाने वाले कुछ संगठनों पर नियंत्रण पर हंगामा होता है। गरीबों, विकास, मानव अधिकार के नाम पर विदेशी मुद्रा में करोड़ों रुपया लेकर आलीशान बंगलों, कारों, होटलों में एश करने और सम्मेलन, संगोष्ठी के बहाने विदेशों की सैर करने वालों को अब अपना धंधा बंद करना पद रहा है। सचमुच समाज की सेवा के लिए समर्पित संस्थाओं को अधिक गरिमा और विश्वसनीयता से काम करने की सुविधा होगी। माओवादियों और आतंकवादी समूहों को संदिग्ध एन जी ओ से पर्दे के पीछे मिलने वाली मदद पर अंकुश लग सकेगा।

# पत्रकारिता की साख, प्रशासनिक दायित्व और आपसी अंतर्विरोध की जटिल परतें

खेमेश्वर पुरी गोस्वामी

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की शक्ति केवल सूचनाओं के संप्रेषण में नहीं, बल्कि उसकी नैतिक शुचिता, निष्पक्षता और सत्ता तंत्र के सम्मुख बिना किसी दबाव के सच प्रस्तुत करने के साहस में निहित होती है। हाल के दिनों में मुंगेली जिले से उभरे प्रशासनिक व पत्रकारिता परिदृश्य ने इस बुनियादी सिद्धांत पर एक गंभीर और विचारणीय प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। एक ओर जनसंपर्क विभाग के पदस्थ अधिकारी के स्थानांतरण व कार्यप्रणाली को लेकर उपजे असंतोष और कथित मर्यादाहीन टिप्पणियों का विषय सामने आया, तो वहीं दूसरी ओर इस पूरे घटनाक्रम ने जिले के पत्रकार बिरादरी के भीतर ही आपसी खींचतान, संस्थागत टकराव और पूर्वाग्रह से प्रेरित आरोपों-प्रत्यारोपों का एक दुर्भाग्यपूर्ण रूप ले लिया है।

प्रारंभिक समाचार में यह स्पष्ट उल्लेख था कि सहायक संचालक (डीपीआरओ) के स्थानांतरण और कार्यमुक्त होने के उपरांत भी पद पर बने रहने और कथित तौर पर मीडिया जगत के प्रति अमर्यादित भाषा के उपयोग को लेकर उच्च स्तर पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जब किसी जनसंपर्क अधिकारी पर ही पत्रकारों की साख, मर्यादा और स्वतंत्रता को लेकर अनुचित टिप्पणी करने का आरोप लगे, तो स्वाभाविक रूप से मीडिया बिरादरी की पहली प्राथमिकता संस्थागत गरिमा की रक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग होनी चाहिए थी। परंतु इसके विपरीत, घटनाक्रम ने अचानक एक नया मोड़ ले लिया जब स्थानीय प्रेस क्लब मुंगेली नामक संस्था द्वारा पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर खबर प्रकाशित करने वाले पोर्टल और उससे जुड़े पत्रकारों को ही कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया गया।

इस शिकायत की अंतर्निहित बनावट और नामोल्लेख पर नजर डालें तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। जब किसी पत्रकार या संस्थान का नाम बिना किसी पुख्ता दस्तावेजी सत्यापन अथवा संगठनात्मक संबंध के सीधे तौर पर आपराधिक शिकायतों में घसीटा जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि यह विवाद केवल

पत्रकारिता के पेशेवर मानकों का नहीं, बल्कि सामाजिक व वैचारिक पूर्वाग्रहों की आड़ में रची गई गहरी घेराबंदी का परिणाम है। आरोप है कि डिजिटल मीडिया से जुड़े खेमेश्वर पुरी गोस्वामी (शैव सम्प्रदाय से आते हैं जिस संप्रदाय से प्रेस क्लब के सदस्य नफरत करते हैं) का संबंधित पोर्टल 'नवा बिहान 24' से औपचारिक सरोकार न होने के बावजूद उन्हें इस मामले में लक्षित किया गया। वहीं दूसरी ओर,पोर्टल संचालन से जुड़े सतनामी समाज (उत्तम बंजारा) के प्रतिनिधित्व को लेकर जिस प्रकार की असहजता व दूरी बनाई गई,वह संगठित संस्थाओं की उस मानसिकता को उजागर करती है जहाँ समाज के वंचित और हाशिए से आने वाले सतनामी समाज की आवाजों को दबाने अथवा उन्हें साजिशन हाशिए पर धकेलने का चलन बना लिया गया है।

किसी भी संस्थागत मंच द्वारा समाज के किसी विशेष वर्ग या संप्रदाय के प्रति दुराग्रह रखना न केवल सामाजिक समरसता को खंडित करता है, बल्कि यह स्वतंत्र अभिव्यक्ति की उस आत्मा पर भी कुठाराघात है जिसकी रक्षा के लिए प्रेस क्लब जैसी संस्थाओं का गठन हुआ था। जब वास्तविक मुद्दे–यानी प्रशासनिक अधिकारी के आचरण और भ्रष्टाचार के आरोपों–से ध्यान भटकाकर उसे आपसी कलह, फर्जी आरोपों और पुलिसिया कार्रवाई का रंग दे दिया जाए,तो आम जनता के बीच मीडिया की विश्वसनीयता का क्षरण होना स्वाभाविक है। क्या यह मान लिया जाए कि एक अधिकारी को बचाने के लिए संस्थागत प्रभाव का दुरुपयोग कर उन सतनामी,शैव सम्प्रदायी पत्रकारों को प्रताड़ित किया जा रहा है जिन्होंने सवाल उठाने का साहस दिखाया?

पत्रकारिता कोई बंद गिरोहबंदी नहीं है, न ही यह किसी विशेष समूह की जागीर हो सकती है। इसमें विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि,समुदायों और विचारों के पत्रकारों का योगदान ही इसे वास्तविक जनसरोकार से जोड़ता है। यदि किसी अधिकारी के कथित अपमानजनक बयानों के विरोध में खड़े होने के बजाय,अपने ही सहकर्मियों के विरुद्ध आधारहीन आरोप मढ़े जाएं और वैचारिक व सामाजिक पूर्वाग्रहों के चलते उन्हें कानूनी पचड़ों में फंसाने की साजिशें रची जाएं, तो इसे किसी भी दृष्टि से स्वस्थ पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता।

समय की मांग है कि पुलिस और प्रशासन इस पूरे मामले में किसी भी संस्थागत दबाव या दुर्भावनापूर्ण शिकायती पत्रों से प्रभावित हुए बिना, तथ्यात्मक और पारदर्शी जांच करे। इसके साथ ही मीडिया जगत के जागरूक घटकों को भी आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे सत्ता और प्रशासन के सामने आमजन व पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए खड़े हैं, या फिर आंतरिक नफरत, सामाजिक पूर्वाग्रह और संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति के लिए अपने ही सहयोगियों के दमन का जरिया बन रहे हैं। सच को दबाने के लिए बुने गए षड्यंत्र अंततः निष्पक्षता की कसौटी पर कभी टिक नहीं सकते।

## पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आशना हो, दिलरुबा हो, बावफ़ा हो आप-सा काश मेरी ज़िन्दगी में, रहनुमा हो आप- सा ये बहुत मुश्किल है कोई, पारसा हो आप-सा आदमी के भेष में इक, देवता हो आप- सा मुस्कुराये खिलखिलाएगा ये मेरा अक्स भी सामने मेरे अगर इक आईना हो आप- सा मंज़िलों की फ़िक्र हो क्यूँ ख़ौफ़ हो तूफ़ान का साथ मेरे हमसफ़र जो, बावफ़ा हो आप- सा और भी होंगे जहां में बेनज़ीर-ओ -बेमिसाल ग़ैर-मुमकिन है कोई भी दूसरा हो आप- सा।

**– अजय अज्ञात**

अब छोड़ जगत के सपने , खुद ही में राह बना , कहीं न जा ..अंतर्मन की खोज करे अब , प्रभु से नेह लगा , कहीं न जा .. बीत गया सो रीत रहा क्यूँ , मन से गर्द हटा , कहीं न जा.. मत व्याकुल कर खुद को अब, खुद ही खुद का हो जा ,कहीं न जा..जब आन पड़े विपदा तब ही , औरों से छुप ही जा , कहीं न जा। - **मधुलिका शुक्ला**

शाब्दिक रूप से स्त्री होना ही स्त्री का हो जाना नहीं है खाल का आकर्षण और बदन की कामुकतानजर आनी चाहिए काश! कि इसके इतर भी स्त्री बहुत कुछ है वह जान पाती कभी मान पाती। – **सपना चन्द्रा**

उसकी आस और थी मेरी आस और हर आस पूरी होने पे कहती खास और।। पहले ही हसीन था इन्तजार तुम्हारा उसपे भी पहना दिया गजल का लिबास और ।। आ गयी रूह मेरी तेरे आ जाने से सांसे कह रही है सदा और पास और।। समझ नही आता कैसे तारीफ करूँ चाँद सी सूरत पे जुबां की मिठास और ।। अब तक नजरों से पिया हाथों से पिला दे अभिज्ञ इक घूंट पीके बढ न जाए प्यास और । – **अजय मिश्रा अभिज्ञ**

कभी-कभी प्रार्थना में शब्दों की ज़रूरत नहीं होती बस सामने बैठे बप्पा को देखो, और मन अपने आप कह उठता है– ÷अब जो होगा, अच्छा ही होगा÷ ?? क्योंकि गणपति का होना सिर्फ उत्सव नहीं, उस भरोसे का नाम है जो टूटते हुए मन को भी फिर से संभाल लेता है। बप्पा, मेरे हिस्से की खुशियाँ मत देना बस इतना करना, मेरे हिस्से के दुःख में मेरा हाथ थामे रखना।

**– उपासना दीक्षित**

क्या "जी पे"(G Pay) ट्रांजेक्शन चार्ज ले रहा है कब से ले रहा है यदि वे रहा है तो लोगों ने नजर अंदाज किया या उसका समर्थन वर्तमान समय में युपीआइ के ट्रांजेक्शनपर शुल्क जोकि एक निश्चित रकम पर लगाया जाएगा पर हाय तौबा क्यों क्या आपने G Pay के ट्रांजेक्शन शुल्क का विरोध किया। – **नवीन शंकर शर्मा**

दिल ही दिल में तुमसे मुलाकात कर ली एक उदास शाम मैंने हशीन कर ली रहो पास या दूर तुम मुझसे अपनी मुहब्बत तो तेरे नाम कर दी है रात अंधेरी और बिखरी हुई तन्हाई भी पर तेरे ख्यालों ने उजाला पूरा आसमान कर दी लोग कहते हैं इश्क की उम्र बढ़ती है दर्द की गहराई से महसूस किया है मैंने भी तेरी जुदाई में मेरी नजरों में रहती तस्वीर तुम्हारी मेरी साँसे कहती बस कहानी तुम्हारी।

**– बबली सिन्हा वान्या**

## आज का इतिहास

**नई दिल्ली(वार्ता)।** 1784 - अमेरिका का पहली बार दैनिक अखबार (पेनसिलवेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइजर) छपा। 1790 - पालघाट ने जनरल मेडोव के नेतृत्व में ब्रिटिश टुकड़ी के समक्ष 60 बंदूकों के साथ आत्मसमर्पण किया। 1815 - किंग विलियम प्रथम ने ब्रूसेल्स में शपथ ली। 1857 - बहादुर शाह द्वितीय ने अंग्रेजों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। 1885 - नीदरलैंड के लोगों ने चुनावों में मतदान के अधिकार के लिये प्रदर्शन किया। 1905 - 'अटलांटा लाइफइंश्योरेंस' कंपनी गठित हुई। 1928 -' माय विकली रीडर' मैगज़ीन की शुरुआत। 1938 - चक्रवाती तूफान(183 मील प्रति घंटे की रफ्तार) से न्यू इंगलैंड में 700 लोगों की मौत। 1942 - नाज़ियों ने यूक्रेन, डुनेवट्सी में 2588 यहूदियों की हत्या की। 1942 - बोइंग बी-29 सुपरफोर्ट्रेस ने अपनी पहली उड़ान भरी। 1964 - माल्टा ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता हासिल की। 1966 - मिहीर सेन ने बासफोरस चैनल तैरकर पार किया। 1999 - मध्य ताइवान में ची-ची भूकंप से 2400 लोगों की मृत्यु। 2013 - नैरोबी के वेस्टगेट शापिंग मॉल में आतंकवादी संगठन अल शबाब के हमले में 67 लोगों की मौत। 1979 - मध्य अफ़्रीकी गणराज्य के तथाकथित सम्राट बोकासा सैनिक क्रान्ति में अपदस्थ।
1998 - अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और मोनिका लेविंस्की के प्रेम प्रकरण से संबंधित वीडियो टेप जारी।

## राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

**मेष राशि** : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप तरक्की की नई ऊंचाइयों को छुएंगे और दुनिया भर में आपका नाम होगा।

**वृष राशि** : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यापारिक मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशविरा कर सकते हैं।

**मिथुन राशि** : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज का दिन आप अपने तरीके से बिताने की कोशिश करेंगे और आज आपका काम में भी मन लगेगा।

**कर्क राशि** : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में आगे बढ़ने के बेहतरीन मौके मिलेंगे और आपकी आय में इजाफा होगा।

**सिंह राशि** : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको तमाम उलझनों से मुक्ति मिलेगी और आज आपके परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना भी बन सकती है।

**कन्या राशि** : आज का दिन आपके लिए उत्तम साबित होगा। आज आप सबसे पहले पेंडिंग कार्यों को पूरा करेंगे , उसके बाद ही किसी अन्य कार्य की योजना बनायेंगे। आज आपको ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है।

**तुला राशि** : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमायेंगे और आपकी भौतिक सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

**वृश्चिक राशि** :आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरुआत करने से पहले उसकी पूरी जानकारी इकट्ठा कर लें।

**धनु राशि** : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप आपको धन लाभ कमाने के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, जिनका लाभ लेकर आप अपने जीवन में तरक्की कर सकते हैं।

**मकर राशि** : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप मन लगाकर काम करेंगे , जिसके आपको अच्छे रिजल्ट्स मिलेंगे। आज आप जीवन साथी के साथ शॉपिंग करने का प्लान बनायेंगे।

**कुंभ राशि** : आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज आप व्यापार के लंबित मामलों को किसी करीबी की मदद से सुलझाने में सक्षम रहेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

**मीन राशि** : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगें , समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

## QUIZ TIME

1. राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2025-26 में प्रथम पुरस्कार किस विभाग को मिला?
2. हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट ने किस नई पहल की शुरूआत की?
3. तिरूक्कुरल में कुल कितने कुरल (दोहों) का संग्रह है?
4. 1730 के खेजड़ली बलिदान आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?
5. पद्मभूषण गुरू डॉ. सरोजा वैद्यनाथन एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026 किसे प्रदान किया जाएगा?

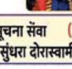

**उत्तरमाला-** (1) वित्तीय सेवा विभाग (2) जन सूचना सेंवा (3) 1330 (4) अमृता देवी बिश्नोई (5) डॉ. वसुंधरा दोरास्वामी

RamaQuiz

## पहेली

**शब्द सामर्थ्य -166**

# वीबी-जीरामजी से अब होंगे 375 प्रकार के अनुमेय कार्य : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

■ **जल संरक्षण से लेकर सड़क, स्कूल, पंचायत भवन, आजीविका, कृषि, पशुपालन और आपदा प्रबंधन के कार्य शामिल**

**रायपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास को रोजगार, आजीविका और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ने की दिशा में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की संख्या अब 318 से बढ़ाकर 375 कर दी गई है।

उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने अनुमेय कार्यों की संख्या में वृद्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की संख्या 318 से बढ़कर 375 होने से विकास कार्यों को गति प्राप्त होगी और ग्रामीण विकास सुदृढ होगा।

छत्तीसगढ़ शासन ने मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 4 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान का लाभ केवल मजदूरी भुगतान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से गांवों में ऐसी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा, जो आने वाले वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करेंगी।

श्री शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए वीबी-जीरामजी के तहत 3,354.85 करोड़ रुपये का अंतरिम आवंटन प्रदान किया गया है। मिशन के अंतर्गत अकुशल श्रमिकों की मजदूरी दर 261 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन की गई है। रोजगार के दिनों में वृद्धि, मजदूरी दर में सुधार और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण का यह समन्वय ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा तथा गांवों के समग्र विकास को नई गति देगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत/2047 की परिकल्पना में गांवों को विकास की केंद्रीय इकाई के रूप में महत्व दिया है। वीबी-जीरामजी के माध्यम से रोजगार, आजीविका, जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अधोसंरचना को एक साथ जोड़ने का प्रयास इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली है।

### हर गांव में मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय की दिशा में आगे बढ़ रहा राज्य

ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सामुदायिक अधोसंरचना के विस्तार के लिए राज्य सरकार द्वारा हर गांव में मुक्तिधाम निर्माण का संकल्प लिया गया है। 6,524 गांवों में प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। वीबी-जीरामजी में श्मशान घाट तथा अन्य सामुदायिक अधोसंरचना से संबंधित निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को भी अनुमेय बनाया गया है। इसके अतिरिक्त जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए राज्य के 10 हजार से अधिक बंद अथवा डिफंक्ट बोरवेलों में सैंड फिल्टर एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा।

### जल सुरक्षा से लेकर भूजल पुनर्भरण तक

अनुमेय कार्यों की पहली मुख्य श्रेणी में जल संरक्षण और जल सुरक्षा से जुड़े कार्य शामिल हैं। इनमें नहर, बाढ़ नियंत्रण चौनल, चेकडैम, गली प्लग, भूमिगत डाइक, तालाबों का पुनर्जीवन, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज पिट और रिचार्ज शाफ्ट, इंजेक्शन वेल, सिंचाई कुएं, माइक्रो एवं ड्रिप सिंचाई चौनल, वाटरशेड भूमि का पुनरुद्धार, वनीकरण एवं पौधरोपण, मृदा-नमी संरक्षण तथा रूफटॉप वर्षाजल संचयन जैसे कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से गांवों में जल संचयन क्षमता बढ़ाने, भूजल पुनर्भरण, सिंचाई सुविधा के विस्तार और कृषि भूमि की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तरों पर जल संरक्षण से जुड़ी संरचनाओं के निर्माण एवं रखरखाव को भी इसमें स्थान दिया गया है।

## न्यूज गैलरी

### चोरी, मारपीट और नशीली दवाओं के मामले में पांच एफआईआर

**रायपुर/नवप्रदेश।** राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, मारपीट, छेड़छाड़ और नशीली दवाओं से जुड़े पांच मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है।

**देवपुरी में 1.09 लाख की ई-स्कूटी चोरी**-टिकरापारा थाना क्षेत्र में कमल जवाहर गुरुद्वारा के सामने देवपुरी से एक लाख नौ हजार रुपये कीमत की ई-स्कूटी चोरी हो गई। शिकायतकर्ता सुरेंद्र पाल ने पुलिस को बताया कि 17 सितंबर की रात करीब 11 बजे अज्ञात चोर वाहन ले गया। पुलिस ने 19 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 के तहत मामला कायम किया है।

**पुरानी बात को लेकर युवक से मारपीट**-कोतवाली थाना क्षेत्र के बैरन बाजार कुंदरापारा में पुरानी बात को लेकर विवाद के बाद युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता खुशी नायक के अनुसार आयुष सितका और उसके तीन अन्य साथियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

**शराब के लिए पैसे नहीं देने पर हमला**-आजाद चौक थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए पैसे मांगने और इनकार करने पर मारपीट का मामला दर्ज हुआ है। वासुदेवपारा निवासी मोहम्मद साबीर ने शिकायत में बताया कि रामू वासुदेव और मनराखन वासुदेव ने पैसे मांगने के बाद गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया।

**महिला का हाथ पकड़ने पर आबकारी एक्ट में केस**-उरला थाना क्षेत्र के कमा चौक के पास महिला को कथित रूप से बेइज्जत करने की नीयत से हाथ-बांह पकड़ने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मनोहरण दुबे के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36(च) के तहत अपराध दर्ज किया है।

**नाइट्राजेपाम की 10 पट्टियां जब्त, आरोपी गिरफ्तार**-आजाद चौक थाना पुलिस ने सत्तांछी मंदिर के सामने खाली प्लॉट से नशीली दवाओं के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से नाइट्राजेपाम टैबलेट और नाइट्रोसेन की कुल 10 पट्टियां बरामद हुईं। मामले में नारकोटिक्स अधिनियम की धारा 22(ख) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

000

### लखपति दीदी बनाने में मददगार बन रही छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना

**रायपुर/नवप्रदेश।** महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की मासिक राशि छत्तीसगढ़ की लाखों महिलाओं के लिए घर-गृहस्थी में मदद से कहीं ज्यादा साबित हो रही है। यह राशि कर्ज, स्वयं सहायता समूहों और आजीविका के अवसरों के साथ मिलकर महिलाओं की आय का स्थायी जरिया बन रही है। महतारी वंदन योजना राज्य की सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है, जिसमें लगभग 68 लाख महिला लाभार्थी शामिल हैं। इस योजना के तहत लाभार्थियों को अब तक 31 किस्तों में 20,075.38 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस साल राज्य के बजट में इस योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी योजना की पूरक 'महतारी शक्ति ऋण योजना' के तहत नवंबर 2024 से अब तक लगभग 41,124 लाभार्थियों ने 102.38 करोड़ रुपये के बिना गारंटी वाले स्वरोजगार ऋण का लाभ उठाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, ष्इस योजना के तहत मिलने वाले लोन से सब्जी बेचने, कारीगरी और दूसरे छोटे-मोटे काम करने वाली महिलाओं को अपना कारोबार बढ़ाने और घर की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिलती है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्लखपति दीदीश् के विजन को साकार करने में भी मदद मिल रही है।ष

**इनकी कहानियां बनीं मिसाल**-रानू कैवर्त, आंदी गांव, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही : सिलाई, कपड़े और किराने के कारोबार के साथ-साथ बटेर और देसी मुर्गी पालन एवं हैचरी का काम करके सालाना 3 लाख रुपये की आमदनी।

सीता मरावी, गुडुमदेवारी : किराने की दुकान के लिए बैंक से 25 हजार और मुर्गी पालन के लिए स्वयं सहायता समूह से 50 हजार रुपये का लोन लेकर सालाना कमाई 2.5 लाख रुपये तक पहुंचाई।

सुमन लता वाकरे, गुडुमदेवारी :स्वयं सहायता समूह से 15 हजार रुपये लेकर किराने की दुकान शुरू की, बाद में बैंक लोन से विस्तार किया। अब सालाना 1 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई।

केजू बाई सलामे, रामगढ़, मोहला-मानपुर- अंबागढ़ चौकीः महतारी वंदन के हर महीने मिलने वाले 1,000 रुपये का इस्तेमाल किराने के सामान का स्टॉक भरने में करती हैं, जिससे बिक्री बढ़ी और वे लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

### मुर्गी पालन ने बदली रजनी की राह, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

**रायपुर।** जब अवसर और सहयोग साथ मिले तो मेहनत को नई दिशा मिलती है। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम पाराघाटी की श्रीमती रजनी केरकेट्टा की कहानी इसकी मिसाल है। कभी परिवार की आर्थिक जरूरतों में सीमित भूमिका निभाने वाली रजनी ने मुर्गी पालन को आजीविका का साधन बनाया और धीरे-धीरे अपने परिवार की आय बढ़ाने में सहभागी बन गईं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्व-सहायता समूह ने उन्हें आर्थिक सहयोग के साथ वह आत्मविश्वास भी दिया, जिसके सहारे वे अब अपनी आजीविका गतिविधि से जुड़े निर्णय स्वयं ले रही हैं।

## छत्तीसगढ़ में भविष्य के हिसाब से सड़क सिंचाई व डिजिटल नेटवर्क का प्लान

■ **प्रदेश के लिए छत्तीसगढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत दीर्घकालिक समग्र कार्ययोजना बनाने की तैयारी शुरू**

**रायपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ में अब सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई और डिजिटल कनेक्टिविटी की योजनाएं अलग-अलग नहीं, बल्कि अगले 20 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर एकीकृत तरीके से तैयार की जाएंगी।

राज्य सरकार ने प्रदेश के लिए छत्तीसगढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत दीर्घकालिक समग्र कार्ययोजना बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश के रोड नेटवर्क का 20 साल का मास्टर प्लान तैयार होगा। इसमें वर्तमान स्थिति के साथ भविष्य में बनने वाले विकास क्षेत्रों और उनकी कनेक्टिविटी की जरूरतों का भी आकलन किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग को मिशन का नोडल विभाग बनाया गया है। रोड नेटवर्क के मास्टर प्लान में यह स्पष्ट होगा कि अगले दो दशक में कहां नई सड़कें बनेंगी, किन मार्गों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है और किन क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ना होगा। इसके आधार पर परियोजनाओं की प्राथमिकता तय की जाएगी।

### लॉजिस्टिक्स हब की संभावनाएं तलाशेंगे

राज्य में इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स हब विकसित करने की संभावनाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। सड़क और रेल समेत अलग-अलग परिवहन माध्यमों को जोड़कर माल परिवहन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जरूरी परियोजनाएं चिन्हित होंगी।

इसी तरह छत्तीसगढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत सड़क के साथ ऊर्जा, ट्रांसमिशन, जल, सिंचाई, संचार और फाइबर नेटवर्क के लिए भी एक साथ योजना बनाई जाएगी। यानी किसी क्षेत्र में बड़ी सड़क या अन्य कनेक्टिविटी परियोजना प्रस्तावित होने पर वहां भविष्य में बिजली, पानी और डिजिटल नेटवर्क की जरूरतों का भी आकलन किया जाएगा।

### हर साल का अलग एक्शन प्लान

20 साल के मास्टर प्लान के साथ हर वर्ष का एक्शन प्लान भी बनेगा। इसमें उस साल होने वाले काम, प्राथमिकता, संसाधन और समय-सीमा तय होगी। बड़ी परियोजनाओं के लिए निजी और सार्वजनिक निवेश समेत नए फंडिंग मॉडल की संभावनाओं पर भी विचार होगा। इसी तरह दूसरे राज्यों की आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का भी अध्ययन किया जाएगा।

### छत्तीसगढ़ के लिए क्यों महत्वपूर्ण

देश के मध्य हिस्से में स्थित होने के कारण छत्तीसगढ़ से उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम के बड़े बाजारों तक सड़क और रेल के जरिए कनेक्टिविटी बनाई जा सकती है। ऐसे में राज्य में रणनीतिक स्थान पर लॉजिस्टिक्स हब विकसित होने से छत्तीसगढ़ सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण जंक्शन बन सकता है।

### लॉजिस्टिक्स हब महत्वपूर्ण क्यों

लॉजिस्टिक्स हब एक ऐसा बड़ा केंद्र होता है, जहां सामान के भंडारण, पैकेजिंग, छंटाई, लोडिंग-अनलोडिंग और परिवहन से जुड़ी कई सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होती हैं। यहां सड़क, रेल और जरूरत के अनुसार हवाई या जल परिवहन जैसे अलग-अलग माध्यमों को आपस में जोड़ा जाता है। इससे सामान को एक माध्यम से दूसरे माध्यम में आसानी से ट्रांसफर किया जा सकता है और उसकी आवाजाही तेज होती है।

## सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर साय सरकार की त्वरित कार्रवाई

**रायपुर/नवप्रदेश।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील प्रशासन को प्राथमिकता देते हुए आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सीएम हेल्पलाइन एवं ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों पर खनिज विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कोलबिर्रा क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते हुए 5 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है।

**शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंची खनिज विभाग की टीम-**

जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार निगरानी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोलबिर्रा क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की शिकायत प्राप्त होने पर विभागीय टीम ने तत्काल कार्रवाई की। जांच के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए गए 5 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर लिया गया।जब्त सभी वाहनों को कोटमी चौकी में सुरक्षित रखा गया है। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

### शिकायतों के निराकरण में प्रशासन की तत्परता

-कलेक्टर विजय दयाराम के. ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गंभीरता एवं गुणवत्तापूर्ण जांच करते हुए समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों के अनुरूप जिले में नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन से संबंधित शिकायतों पर विशेष निगरानी रखते हुए नियमित जांच की जा रही है। इससे एक ओर जहां खनिज संपदा के अवैध दोहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिल रही है। वहीं दूसरी ओर शासन की व्यवस्था के प्रति आम नागरिकों का विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

## महापौर मीनल चौबे ने ली नगर निगम अधिकारियों की बैठक

**रायपुर/नवप्रदेश।** महापौर मीनल चौबे ने निगम अधिकारियों से पूछा कि क्या जनता सिर्फ टैक्स देने के लिए है, उसे बेहतर सुविधाएं कौन मुहैया कराएगा। राजस्व अधिकारी पहले स्वयं अधिनियम जान ले, इसके बाद टैक्स की प्रक्रिया तय करें। महापौर यह कहते हुए भड़क गईं कि यूजर चार्ज में किस नियम के तहत ब्याज वसूला जा रहा है। इस दौरान अधिकारी हक्का-बक्का रह गए।

निगम मुख्यालय में कल राजस्व विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने बकाया राजस्व, पार्ट-पेमेंट, भवन पूर्णता प्रमाणपत्र, विभिन्न कॉलोनियों में कर वसूली तथा निगम की लीज संपत्तियों से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा की।

**जल कर और यूजर चार्ज पर नहीं लगेगा ब्याज**-महापौर ने स्पष्ट किया कि जल कर एवं यूजर चार्ज पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लगाया जाएगा। साथ ही बकाया राशि के पार्ट-पेमेंट की व्यवस्था को सरल एवं पारदर्शी बनाने तथा ऑनलाइन भुगतान पोर्टल पर पार्ट-पेमेंट की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निगम का राजस्व बढ़ाना है, लेकिन गलत तरीके से नहीं।

**लीज अवधि समाप्त संपत्तियों का पहले होगा नवीनीकरण**-महापौर ने नगर निगम की लीज पर दी गई उन संपत्तियों की भी समीक्षा की, जिनकी लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। उन्होंने ऐसे प्रकरणों में पहले नियमानुसार लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी करने कहा, इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाए।

**कॉलोनियों के हैंडओवर और कर वसूली की फाइलवार जांच**-महापौर ने ऐसी कॉलोनियों की फाइलवार जांच के निर्देश दिए, जिनका नगर निगम को विधिवत हैंडओवर हुआ है अथवा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हैंडओवर की स्थिति, निगम द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा कर निर्धारण एवं वसूली के आधार को स्पष्ट किया जाए।

## 'वसुंधरा' परियोजना से सुशासन और पारदर्शी राजस्व सेवाओं का नया दौर

**रायपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के नागरिकों को सुगम, त्वरित और पारदर्शी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 'सेवा के संकल्प' के साथ एक ऐतिहासिक डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रही है। राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग द्वारा शुरू की गई 'वसुंधरा' परियोजना के माध्यम से प्रदेश भर के पुराने और वर्तमान राजस्व अभिलेखों का संपूर्ण डिजिटलीकरण, संरक्षण तथा प्रमाणीकरण किया जा रहा है, जिससे आम जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से हमेशा के लिए मुक्ति मिलेगी।

**सफलता का आधार: दंतेवाड़ा का क्रांतिकारी मॉडल-** इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता की मजबूत नींव दंतेवाड़ा जिले के क्रांतिकारी मॉडल पर आधारित है। दंतेवाड़ा में पिछले एक वर्ष के दौरान 12 हजार से अधिक नागरिकों ने कियोस्क सेवाओं का लाभ उठाया और 15 हजार से अधिक जाति प्रमाण-पत्र मात्र एक से दो दिनों में जारी किए गए। इसके साथ ही सैकड़ों विवादित मामलों का त्वरित निराकरण संभव हुआ और अभिलेखों में छेड़छाड़ का एक भी मामला सामने नहीं आया।

### विस्तृत खाका: 12.89 करोड़ पृष्ठों का डिजिटलीकरण

दंतेवाड़ा के इसी सफल प्रयोग से प्रेरणा लेते हुए अब पूरे राज्य में लगभग 12 करोड़ 89 लाख पृष्ठों के विभिन्न राजस्व अभिलेखों को डिजिटाइज़ करने का विस्तृत खाका तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत 22.72 करोड़ रुपए की लागत से 5.68 करोड़ पृष्ठ खसरा पांचसाला, 11.77 करोड़ रुपए की लागत से 2.94 करोड़ पृष्ठ क्र-1 रिकॉर्ड, 9.98 करोड़ रुपए की लागत से 2.49 करोड़ पृष्ठ नामांतरण व संशोधन पंजी, 2.13 करोड़ रुपए की लागत से 53.16 लाख पृष्ठ मिसल पंजी और 1.89 करोड़ रुपए की लागत से 47.29 लाख पृष्ठ अधिकार अभिलेख शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त निस्तार पत्रक, वाजिब-उल-अर्ज, रीनंबरिंग सूची, साधारण खसरा, नजूल शीट एवं व्यवर्तन पंजी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी डिजिटल रूप से सुरक्षित किया जाएगा।

## संस्कृति विभाग ने राज्य सम्मान 2026 के लिए आमंत्रित की प्रविष्टियां

■ **साहित्य, लोककला, संगीत, नृत्य, सिनेमा और रंगकर्म सहित 13 क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान, 5 अक्टूबर तक पंजीकृत डाक से भेज सकेंगे आवेदन**

**रायपुर/नवप्रदेश।** संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न कला, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को प्रदान किए जाने वाले राज्य सम्मान 2026 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। विभाग द्वारा स्थापित 12 राज्य स्तरीय सम्मान एवं 1 राष्ट्रीय सम्मान के लिए निर्धारित प्रारूप में 5 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। चयनित प्रतिभाओं को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'राज्योत्सव 2026' के राज्य अलंकरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

राज्य सम्मान के लिए इच्छुक पात्र व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन में आवेदक का नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि एवं आयु के साथ प्रस्तावक का विवरण तथा आवेदक की उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्यौरा देना होगा। आवेदक द्वारा पूर्व में प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कारों की जानकारी भी निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करनी होगी। इसमें अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर पर प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कारों का विवरण शामिल किया जाना है।

शासकीय सेवा में कार्यरत आवेदकों को सामान्य प्रशासन विभाग से अनुमति पत्र संलग्न करने का प्रावधान भी रखा गया है। सम्मान की नियमावली एवं आवेदन का निर्धारित प्रारूप विभागीय वेबसाइट www.cgculture.in पर उपलब्ध है।

### 13 प्रमुख क्षेत्रों में मिलेगा सम्मान

संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 2026 के लिए विभिन्न विधाओं और क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया जाएगा। पं. सुन्दरलाल शर्मा सम्मान हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में, दाऊ मंदराजी सम्मान लोक नाट्य एवं लोक शिल्प के क्षेत्र में तथा चक्रधर सम्मान शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के क्षेत्र में प्रदान किया जाएगा।

देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार लोक नृत्य के क्षेत्र में तथा लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार आंचलिक साहित्य एवं लोक कविता के क्षेत्र में दिया जाएगा। हबीब तनवीर सम्मान समकालीन रंगकर्म के लिए प्रदान किया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ी, हिन्दी एवं अन्य भाषाओं के नाटक शामिल हैं।

इसी क्रम में देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार पंथी नृत्य के क्षेत्र में, लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान छत्तीसगढ़ी लोकगीत के क्षेत्र में और खुमान साव सम्मान छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के क्षेत्र में प्रदान किया जाएगा।

## 22 से 25 सितंबर के बीच प्रदेश के 17 जिलों में बारिश के आसार

### राजधानी में सुबह से बादलों का साया, हो सकती है बारिश

**रायपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ में मानसून की विदाई का दौर शुरू हो गया है, लेकिन इसी बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए प्रदेश में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। बताया जा रहा है कि बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम पूरे छत्तीसगढ़ में एक बार फिर बारिश करवा सकता है। ऐसे में अब लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक 22 से 25 सितंबर के बीच प्रदेश के कई स्थानों में बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं रविवार को भी राज्य के अधिकांश जिलों में झमाझम बारिश की संभावना बनती दिख रही है।

### इन जिलों में अलर्ट मौसम

विभाग के मुताबिक, 22 से 25 सितंबर के बीच प्रदेश के कई स्थानों में बारिश होने के आसार है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। वहीं रविवार को भी राज्य के अधिकांश जिलों में झमाझम बारिश होने की संभावना है, अगर बात करें राजधानी रायपुर की तो यहां भी सुबह से ही बादल छाएं हुए है, जिससे बारिश की संभावना है।

### कहां-कहां होगी बारिश?

मौसम विभाग के मुताबिक आज राजधानी रायपुर, बिलासपुर, बेमेतरा, दुर्ग, कोरिया, कबीरधाम, बालोद, राजनांदगांव, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## संक्षिप्त खबरें

### जिले में 30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक लगेगा मेगा स्वास्थ्य शिविर

**जिला उत्तर बस्तर कांकेर में /नवप्रदेश।** सेवा संकल्प अभियान के तहत कांकेर जिले के विभिन्न विकासखंडों में 30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक मेगा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराना है। शिविरों की थीम ÷सभी के लिए स्वस्थ जीवन÷ रखी गई है। शिविरों में चिकित्सा सेवा, टीकाकरण एवं दवाई वितरण सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 सितंबर को कांकेर विकासखंड के ग्राम मोदे के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में, 01 अक्टूबर को चारामा विकासखंड अंतर्गत ग्राम हल्बा के मेलाभाठा स्थल, 02 अक्टूबर को कांकेर जिला मुख्यालय के जनकपुर वार्ड स्थित मेलाभाठा रंगमंच, 03 अक्टूबर को कोयलीबेड़ा जनपद पंचायत परिसर, 04 अक्टूबर को भानुप्रतापपुर के ग्राम तारांदुल स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर तथा 05 अक्टूबर को दुर्गूकोंदल के ग्राम कोड़ेकुर्से स्थित दुर्गा मंच में शिविर आयोजित होगा। इसी क्रम में 06 अक्टूबर को नरहरपुर विकासखंड के ग्राम मांडाभर्री स्थित पंचायत भवन परिसर, 07 अक्टूबर को अंतागढ़ के ग्राम आमाबेड़ा स्थित बाजार स्थल दुर्गा चौक तथा 10 अक्टूबर को कोयलीबेड़ा के ग्राम माहला स्थित प्राथमिक शाला खेल मैदान में मेगा स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। जिला प्रशासन ने लोगों से निर्धारित तिथि एवं स्थल पर पहुंचकर शिविर में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

### नरहरपुर में रक्तदान शिविर आयोजित 28 युवाओं ने किया रक्तदान

**उत्तर बस्तर कांकेर/ नवप्रदेश।** सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ÷सेवा संकल्प अभियान-सेवा मेरा योगदान÷ के तहत उत्तर बस्तर कांकेर जिले में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नरहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के 28 युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, इनमें एक रक्तदाता नरहपुर निवासी श्रीमती मौसमी साहा भी शामिल है। रक्तदान शिविर के अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सीएमओ डॉ. आरसी ठाकुर, बीएमओ डॉ. प्रशांत सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

भानुप्रतापपुर में 20 सितम्बर को रक्तदान शिविर आयोजन- भानुप्रतापपुर के एसएसबी में रविवार 20 सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक युवाओं को रक्तदान कर भागीदारी करने की अपील की गई है।

### मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण

**बीजापुर/ नवप्रदेश।** जिले के युवाओं को सेंट्रल लाईब्रेरी बीजापुर में डेस्कटॉप पब्लिशिंग (कम्प्यूटर) का निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिले के इच्छुक युवा जो कम से कम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण हैं तथा जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के भीतर है। वे 21 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय जिला कौशल विकास प्राधिकरण बीजापुर कक्ष क्रमांक डी-19 जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय बीजापुर में संपर्क कर सकते हैं। एवं मो. नम्बर 9301792157 एवं 6264442626 में संपर्क कर अपना नाम, जन्मतिथि, मोबाईल नम्बर, पता, कोर्स का नाम एवं शैक्षणिक योग्यता लिख कर व्हाट्सएप या एसएमएस द्वारा भी आवेदन कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण लगभग 05 माह का है तथा पूर्णतः निःशुल्क है। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

### गुण्डम के पास अनियंत्रित होकर पलटी यात्री बस, 12 यात्री घायल

**बीजापुर/ नवप्रदेश।** चेरला से बीजापुर आ रही बाबा ट्रेवल्स की यात्री बस रविवार को गुण्डम के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बस में सवार 12 यात्रियों को चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों और सुरक्षा बलों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। तर्रेम थाना प्रभारी दीपक ठाकुर ने बताया कि हादसा रविवार सुबह करीब 11 बजे के बीच हुआ। चेरला से यात्रियों को लेकर बीजापुर की ओर आ रही बस गुण्डम के पास अचानक अनियंत्रित हो गई और पलट गई। दुर्घटना में बस में सवार 12 यात्रियों को चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही सीआरपीएफऔर तर्रेम थाना के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे। जवानों ने दुर्घटनाग्रस्त बस से घायल यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें उपचार के लिए बासागुड़ा अस्पताल पहुंचाया। घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए जवानों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया। प्राथमिक उपचार के बाद चार घायल यात्रियों का इलाज बासागुड़ा में ही जारी है, जबकि आठ यात्रियों को चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल भेज दिया है। सभी घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। फिलहाल किसी यात्री के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।50 यात्री सवार थे बस में 3 लोगों को गंभीर चोट आई है

### आत्मसमर्पण के बाद नई राह, पुनर्वास के लिए 40 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

**बीजापुर/ नवप्रदेश।** हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास को गति देने के लिए बीजापुर जिले में शासन की पुनर्वास नीति के तहत महत्वपूर्ण पहल की गई है। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति 2025 के प्रावधानों के तहत कलेक्टर श्री विश्वदीप ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 40 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि के आहरण एवं संवितरण की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि का उद्देश्य आत्मसमर्पण के बाद नई जिंदगी शुरू करने वाले व्यक्तियों को आर्थिक संबल देना और उन्हें स्थायी रूप से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करना है। शासन की पुनर्वास नीति के तहत लच्छु कोरसा, रंगा पुनेम, दोबा माड़वी, फगनी पोयाम, सूरज मुन्नी, हिड़में कड़ती, बुधरी कुंजाम एवं सलमी चम्पिया को इस पहल का लाभ मिलेगा।

# जंगल की अनिश्चितता से अपने आशियाने तक सुदु कड़ती की नई शुरुआत

**बीजापुर/ नवप्रदेश।** कभी नक्सली संगठन से जुड़कर जंगलों में अनिश्चित और भयपूर्ण जीवन जीने वाले ग्राम पंचायत फूलगट्टा निवासी सुदु कड़ती ने आज हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और सम्मान की राह अपना ली है। वर्ष 2022 में आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटे सुदु कड़ती अब अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मिले पक्के मकान में सुरक्षित जीवन बिता रहे हैं।

शासन के सहयोग से बदली जिंदगी

आत्मसमर्पण के बाद शासन द्वारा उन्हें आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ा गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत उनका पक्का आवास स्वीकृत हुआ। आवास निर्माण पूरा होने के बाद उनके परिवार को सुरक्षित और स्थायी आशियाना मिला।

#### अब बच्चों को डर नहीं, बेहतर भविष्य देना चाहता हूं

अपने अनुभव साझा करते हुए सुदु कड़ती बताते हैं कि जंगल में रहते हुए हर दिन डर और अनिश्चितता के बीच गुजरता था। अपनों से दूर रहने का दर्द भी हमेशा बना रहता था।

#### जंगल के जीवन से सामान्य जिंदगी की ओर

नक्सली गतिविधियों के प्रभाव और सीमित संसाधनों के बीच सुदु कड़ती नक्सली संगठन से जुड़ गए थे। जंगलों में रहते हुए उनका जीवन भय, असुरक्षा और अपनों से दूरी के बीच गुजरता था। समय के साथ उन्होंने महसूस किया कि हिंसा से जीवन की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। सामान्य और सुरक्षित जीवन की इच्छा ने उन्हें आत्मसमर्पण का निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। वर्ष 2022 में आत्मसमर्पण कर उन्होंने हथियार छोड़ने और समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

दुर्गा स्व-सहायता समूह से जुड़कर सब्जी उत्पादन, धान कृषि और बकरी पालन को बनाया आजीविका का आधार

# समूह से जुड़ाव ने बदली मीनाक्षी की जिंदगी, आज बनीं लखपति दीदी

**बीजापुर/ नवप्रदेश।** ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए स्व-सहायता समूह केवल बचत और ऋण का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का मजबूत आधार बन रहे हैं। ग्राम बोरजे की श्रीमती मीनाक्षी अंगनपल्ली की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है। मेहनत, समूह से मिले सहयोग और विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाकर मीनाक्षी ने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया और आज वे लखपति दीदी के रूप में गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

#### वर्ष 2016 में शुरू हुआ बदलाव का सफर

मीनाक्षी अंगनपल्ली का परिवार एक समय सीमित आय के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा था। परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए उन्हें लगातार मेहनत करनी पड़ती थी, लेकिन आय के सीमित साधनों के कारण

आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा था।

इसी बीच वर्ष 2016 में मीनाक्षी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ीं और 20 जून 2016 को दुर्गा स्व-सहायता समूह की सदस्य बनीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत, वित्तीय अनुशासन, ऋण प्रबंधन और आजीविका गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण और समूह के सहयोग से उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने अपनी आजीविका को विस्तार देने का निर्णय लिया।

समूह की आर्थिक मदद बनी आगे बढ़ने की सीढ़ी

स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद मीनाक्षी को आरएफ से ?10,000 तथा सीआईएफ से ?50,000 की सहायता प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने लगभग ?60,000 का ऋण प्राप्त कर अपनी आजीविका गतिविधियों को मजबूत किया। उन्होंने इस राशि का उपयोग सब्जी उत्पादन, धान कृषि कार्य और बकरी पालन जैसी गतिविधियों को शुरू करने एवं आगे बढ़ाने में किया। अलग-अलग आजीविका गतिविधियों को अपनाने से उनकी आय के साधन बढ़े और किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम हुई।

#### 250 बैंगन पौधों से बढ़ा सब्जी उत्पादन

आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए मीनाक्षी ने उद्यानिकी विभाग की योजना का भी लाभ लिया। योजना के अंतर्गत उन्हें बैंगन के 250 पौधे प्राप्त हुए। उन्होंने इन पौधों का बेहतर उपयोग करते हुए बैंगन के साथ गोभी, टमाटर और मिर्च जैसी विभिन्न सब्जियों का उत्पादन भी किया।

कृषि कार्य में मेहनत के साथ बेहतर योजना और उत्पादन पर ध्यान देने से सब्जियों की पैदावार बढ़ी। उत्पादन बढ़ने के साथ बाजार से प्राप्त आय में भी वृद्धि हुई और धीरे-धीरे उनकी आजीविका गतिविधियां मजबूत होती चली गईं।

#### परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ कर रहीं बचत

लगातार मेहनत और आजीविका गतिविधियों के बेहतर प्रबंधन का परिणाम है कि आज मीनाक्षी अंगनपल्ली की वार्षिक आय लगभग ?1,10,000 से ?1,20,000 तक पहुंच गई है। अब वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पहले की तुलना में बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं।

### गोंडवाना भवन में नवोदय चयन परीक्षा की नि:शुल्क कोचिंग का शुभारंभ

**अंतागढ़ / आमाबेड़ा / नवप्रदेश।** शिक्षा के क्षेत्र में आदिवासी अंचल के बच्चों के लिए एक नई आशा की किरण जगी है। आज आमाबेड़ा परगना तहसील स्थित गोंडवाना भवन में सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अंतागढ़ के मार्गदर्शन एवं आदिवासी कर्मचारी प्रकोष्ठ आमाबेड़ा की सराहनीय पहल से जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग का विधिवत शुभारंभ किया गया।

निःशुल्क कोचिंग को लेकर क्षेत्र के पालकों में शिक्षा के प्रति अलग ही उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। आमाबेड़ा परगना क्षेत्र के आसपास सहित दूर-दराज से पालक अपने बच्चों को लेकर पहुंच रहे हैं। पहले ही दिन 60 बच्चों का पंजीयन हुआ है और लगातार पालक आकर कर्मचारी प्रकोष्ठ से पंजीयन करा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अंतागढ़ के ब्लॉक अध्यक्ष श्री संतराम सलाम रहे,जिनके मार्गदर्शन में यह कोचिंग संचालित हो रही है। अतिथि के रूप में सर्व आदिवासी समाज के ब्लॉक उपाध्यक्ष श्री हीरालाल मांझी, आमाबेड़ा परगना गोंडवाना समाज अध्यक्ष श्री बीजू नुरूटी, जनपद सदस्य श्री मंगलू हिड़को, आमाबेड़ा तहसील सर्व समाज अध्यक्ष श्री मनाऊ गोटा, युवा प्रभाग अध्यक्ष श्री मानकु नुरूटी सहित कार्यक्रम में क्षेत्र के शिक्षाविद्, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में अभिभावकगण व बच्चें उपस्थित थे।

**कोचिंग पहल का उद्देश्य:**आदिवासी कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी श्री सुकदू पोटाई ने बताया कि सर्व आदिवासी समाज के मार्गदर्शन व दिशानिर्देश में, आदिवासी कर्मचारी प्रकोष्ठ आमाबेड़ा के पदाधिकारियों के निर्णय एवं क्षेत्र के पालकों के सर्व प्रस्ताव से यह कोचिंग शुरू की गई है।

# डिजिटल व्यवस्था से मोहन जुमार को मिला आय प्रमाण-पत्र

#### सेवा सेतु ने आसान की सरकारी सेवाओं तक पहुंच

**बीजापुर / नवप्रदेश।** शासन द्वारा संचालित सेवा सेतु के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था के जरिए आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान होने से नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। इसी क्रम में ग्राम तोयनार, तहसील बीजापुर निवासी मोहन जुमार, पिता पोचौया जुमार को सेवा सेतु के माध्यम से आय प्रमाण-पत्र जारी किया गया। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवेदन संदर्भ क्र मा ं क 0706012618008452 के तहत उन्हें आय प्रमाण-पत्र प्राप्त

हुआ। प्रमाण-पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उनकी वार्षिक आय 82 हजार रुपये प्रमाणित की गई है।

सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन से लेकर प्रमाण-पत्र जारी होने तक की प्रक्रिया व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से पूरी होने से हितग्राही को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा हुई। डिजिटल माध्यम से सेवाओं की उपलब्धता से ग्रामीण नागरिकों के समय, श्रम और अनावश्यक आवागमन में कमी आ रही है।जिला प्रशासन की इस डिजिटल पहल के तहत सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से आय, जाति, निवास, विवाह पंजीयन सहित विभिन्न आवश्यक शासकीय सेवाएं नागरिकों तक पहुंचाई जा रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ने के साथ ही नागरिकों के लिए शासकीय सेवाएं अधिक सरल, सहज और सुविधाजनक बन रही हैं।

### सेवा सेतु ने आसान की सरकारी सेवाओं की राह जोयल मोडियम को मिला जाति प्रमाण-पत्र

#### डिजिटल व्यवस्था से ग्रामीणों को घर के नजदीक मिल रही शासकीय सेवाएं, अनावश्यक भागदौड़ से राहत

**बीजापुर / नवप्रदेश।** जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा संचालित सेवा सेतु के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था के जरिए प्रमाण-पत्रों और अन्य आवश्यक सेवाओं की प्रक्रिया सुगम होने से ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर लगाने और अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है।

इसी क्रम में मुरदण्डा, विकासखंड उसूर निवासी जोयल मोडियम, पिता हिरमा मोडियम को सेवा सेतु के माध्यम से जाति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। उनका जाति प्रमाण-पत्र क्रमांक

0704012618014554 है। सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से पूरी होने के बाद उन्हें आवश्यक प्रमाण-पत्र आसानी से प्राप्त हुआ। प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने में सेवा सेतु मैनेजर श्री शंकर मोडियम की भूमिका रही। डिजिटल माध्यम से प्रक्रिया पूरी होने से हितग्राही को समय की बचत के साथ शासकीय सेवा का लाभ सहज रूप से मिल सका।

जिला प्रशासन की डिजिटल पहल के तहत सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से जाति, आय, निवास, विवाह पंजीयन सहित विभिन्न शासकीय सेवाएं नागरिकों तक पहुंचाई जा रही ह ैं। विशेषकर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यह व्यवस्था नागरिकों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

प्रेस क्लब नारायणपुर का ऐतिहासिक शपथ ग्रहण

# 80 से अधिक पत्रकारों को वन मंत्री ने दिलायी निष्पक्ष पत्रकारिता की शपथ

#### न्यू प्रेस क्लब की मांग पर नारायणपुर को मिलेगा नया पत्रकार भवन

**नारायणपुर /नवप्रदेश।** नारायणपुर न्यू प्रेस क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में शनिवार को पत्रकारों के लिए बड़ी सौगात की घोषणा हुई। समारोह के मुख्य अतिथि एवं छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री केदार कश्यप ने न्यू प्रेस क्लब की मांग पर मंच से ही नारायणपुर में नए पत्रकार भवन के निर्माण की घोषणा की। मंत्री की घोषणा के बाद समारोह स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा,मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि विषम परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण नक्सली क्षेत्र में नारायणपुर के पत्रकार जिस साहस, जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ अपनी भूमिका निभा रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं और कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाज और शासन के बीच संवाद कायम रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि वे हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहेंगे।

मंत्री केदार कश्यप ने न्यू प्रेस क्लब की मांगों और पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए दो दिवंगत पत्रकार साथियों के परिवारों को यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों और उनके परिवारों के हितों से जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाएगा।

#### नारायणपुर की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

समारोह के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न क्षेत्रों में नारायणपुर जिले का नाम गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि नारायणपुर की पहचान केवल भौगोलिक या प्रशासनिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की प्रतिभाएं शिक्षा, खेल, साहित्य, कला, समाजसेवा और अन्य क्षेत्रों में जिले का नाम रोशन कर रही हैं।

#### अध्यक्ष ने कहा—एकजुटता के साथ जनहित की पत्रकारिता हमारा संकल्प

न्यू प्रेस क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष सुनील सिंह राठौर ने कहा कि पत्रकारों की एकजुटता, निष्पक्षता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता ही क्लब की प्राथमिकता होगी। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आह्वान करते हुए कहा कि हम आपसी समन्वय और .भाईचारे के साथ पत्रकारिता की गरिमा को और मजबूत करें तथा शासन–प्रशासन से अपेक्षा है कि पत्रकारों की समस्याओं और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता के साथ सहयोग प्रदान किया जाए।

#### शपथ से पहले गूंजी पत्रकारिता की आवाज

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं राज्य गीत प्रस्तुत किया गया। न्यू प्रेस क्लब के महासचिव डॉ. अभिषेक बेनर्जी ने स्वागत भाषण देते हुए नारायणपुर में पत्रकारिता की चुनौतियों और न्यू प्रेस क्लब की स्थापना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित एवं भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र नारायणपुर में पत्रकारिता केवल खबर लिखने का कार्य नहीं, बल्कि कई बार विपरीत परिस्थितियों के बीच सच्चाई को समाज तक पहुंचाने का साहसिक दायित्व है। न्यू प्रेस क्लब की स्थापना पत्रकारों के बीच एकता, गरिमा, सुरक्षा, सहयोग और पत्रकारिता के मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है।

#### जन्मदिन पर मिली दोहरी खुशी, मंत्री ने दी बधाई

नवनियुक्त अध्यक्ष के लिए समारोह का दिन दोहरी खुशी लेकर आया। आज ही उनका जन्मदिन भी था और इसी अवसर पर उन्होंने न्यू प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद की शपथ ली। मंत्री केदार कश्यप ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की बधाई दी।

'कठिन परिस्थितियों में भी पत्रकारिता की मशाल जलाए रखना बड़ी जिम्मेदारी'समारोह में मंत्री केदार कश्यप ने पत्रकारों के लिए अपने संबोधन में कहा कि नारायणपुर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में पत्रकारिता करना सामान्य परिस्थितियों में काम करने जैसा नहीं है।

# एक ही मंच पर 900 से अधिक शासकीय सेवाएं, घर और गांव के नजदीक मिल रही सुविधाएं

**अम्बिकापुर/नवप्रदेश।** नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन की 'सेवा सेतु' पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक मंच पर लाते हुए अब प्रदेशवासियों को 900 से अधिक शासकीय सेवाओं का लाभ ऑनलाइन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डिजिटल सुशासन को प्राथमिकता देते हुए सेवाओं की पहुंच शहरों के साथ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बढ़ाई जा रही है। सेवा सेतु का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से राहत देना और सेवाओं को उनके घर अथवा नजदीकी केंद्र तक पहुंचाना है। अम्बिकापुर निवासी सुश्री डॉली गंधर का अनुभव सेवा सेतु की उपयोगिता को सामने लाता है। उनके आधार कार्ड में नाम संबंधी त्रुटि के कारण बैंक खाता खुलवाने में परेशानी आ रही थी। बैंक खाता नहीं होने से छात्रवृत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया भी प्रभावित थी। डॉली ने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया। आवश्यक प्रक्रिया के बाद आधार कार्ड में नाम संबंधी त्रुटि का निराकरण किया गया। अब उनके लिए बैंक खाता खुलवाने और छात्रवृत्ति से संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाना आसान हो गया है। उन्होंने समस्या के समाधान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। यह उदाहरण बताता है कि किसी दस्तावेज में छोटी सी त्रुटि भी नागरिक के लिए बैंकिंग, शिक्षा और अन्य शासकीय सुविधाओं तक पहुंच में बाधा बन सकती है। ऐसे मामलों में सेवा सेतु केंद्र समाधान तक पहुंचने का सरल माध्यम बन रहे हैं।सेवा सेतु की खासियत इसका ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तार है। ग्राम पंचायत स्तर पर भी विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। इनमें विवाह प्रमाण पत्र, भवन अनुज्ञा, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई व्यवस्था और नाम परिवर्तन जैसी सेवाएं शामिल हैं। पंचायत सचिवों, सेवा सेतु केंद्र संचालकों और संबंधित कर्मचारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय स्तर पर सेवा वितरण को मजबूत किया जा रहा है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को छोटी-छोटी सेवाओं के लिए जिला या तहसील मुख्यालय जाने की जरूरत कम होगी और समय व आने-जाने के खर्च की बचत होगी।ऑनलाइन आवेदन और ट्रैकिंग व्यवस्था नागरिकों को अपने आवेदन की प्रगति जानने की सुविधा देती है। डिजिटल माध्यम से सेवा वितरण में मैनुअल प्रक्रिया कम करने, जवाबदेही बढ़ाने और कागज रहित व्यवस्था को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

### एक मंच पर अनेक सेवाएं

सेवा सेतु के माध्यम से आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, भू-अभिलेख एवं राजस्व संबंधी सेवाएं, नाम संशोधन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा श्रम विभाग से जुड़ी सेवाओं सहित अनेक सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। नागरिक ऑनलाइन आवेदन करने के साथ उसकी स्थिति भी देख सकते हैं। डिजिटल प्रमाण पत्रों में त्तक्र आधारित सत्यापन, अलर्ट जैसी सुविधाएं सेवा प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने में सहायक हैं।

## न्यूज गैलरी

### चक्रधर समारोहः अनुराग ने बिखेरी सुरों की मिठास, छत्तीसगढ़ी लोकगीतों पर झूमे दर्शक

**रायगढ़/नवप्रदेश।** 41 वें चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ की माटी से जुड़े लोकप्रिय गायक, संगीतकार एवं अभिनेता अनुराग शर्मा ने अपनी सुरीली आवाज से लोकसंगीत की मनमोहक छटा बिखेरी। छत्तीसगढ़ी बोली, लोकधुन और माटी की खुशबू से सजे एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति ने समारोह के मंच को जीवंत कर दिया। अनुराग शर्मा के मधुर स्वरों के साथ दर्शक भी सुर और ताल में डूबे नजर आए। उनकी मधुर आवाज, भावपूर्ण गायन और छत्तीसगढ़ी लोकधुनों की मिठास ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के साथ कई सुपरहिट हिंदी गाने भी गाए। उनके गीतों पर दर्शक तालियों के साथ झूमते हुए नजर आए। अनुराग शर्मा छत्तीसगढ़ी कला और संगीत जगत के बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार हैं। गायन के साथ उन्होंने संगीत और अभिनय के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। अब तक उनकी 500 से अधिक लाइव प्रस्तुतियां हो चुकी हैं और उनके 1000 से अधिक गीत रिकॉर्ड किए जा चुके हैं। फिल्म एवं एल्बम के लिए उन्हें 11 बार बेस्ट प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। अनुराग शर्मा ने छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत को देश के साथ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी पहचान दिलाई है। उन्होंने अमेरिका के शिकागो में छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत की प्रस्तुति देकर अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

### सूर्यप्रकाश स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट में कमलपुर और पुरुषोत्तमपुर ने दर्ज की जीत

**रामानुजगंज/नवप्रदेश।** रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में स्वर्गीय सूर्यप्रकाश नेताम की स्मृति में लगभग 15 वर्षों से आयोजित किए जा रहे सूर्यप्रकाश स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन इस वर्ष दिन-हिन सेवा समिति के तत्वावधान में विधानसभा स्तरीय स्तर पर किया जा रहा है। टूर्नामेंट के मुकाबले विधानसभा क्षेत्र के पांच मंडलों के अलग-अलग मैदानों में खेले जा रहे हैं। प्रतियोगिता के चौथे दिन तांबेश्वरनगर आरागाही स्टेडियम में दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रथम चरण में कमालपुर और जमावंतपुर के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें कमालपुर की टीम ने 1-0 से जीत दर्ज की। वहीं दूसरे चरण में पुरुषोत्तमपुर और टाटिया टोला के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें पुरुषोत्तमपुर ने 3-0 से शानदार जीत हासिल की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामानुजगंज निवासी दिलीप केसरी एवं भाजपा स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राकेश गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर टूर्नामेंट समिति के विधानसभा स्तरीय उपाध्यक्ष दिवाकर मुखर्जी, दयाल विश्वास, संजित गुप्ता, संतोष यादव, वासुदेव राय, लखन राय, श्रवण यादव, सूजित राय एवं कमल मंडल सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

### गद्दी और क्षेत्र के अधिकार को लेकर किन्नर समाज में विवाद

**कोरबा/नवप्रदेश।** कोतवाली थाना क्षेत्र में किन्नर समाज के बीच गद्दी और बधाई मांगने के क्षेत्र को लेकर चल रहा विवाद अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ किन्नर कल्याण संगठन के बैनर तले बड़ी संख्या में किन्नर समाज के सदस्य एसपी कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर मामले में FIR दर्ज करने, निष्पक्ष जांच तथा उचित कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता रानू किन्नर के अनुसार, वह करीब 20 वर्षों से अपने गुरु स्वर्गीय मालती किन्नर के साथ कोरबा क्षेत्र में बधाई मांगने का कार्य करती आ रही हैं। उनका कहना है कि मालती किन्नर के निधन के बाद उनकी गद्दी और कोरबा क्षेत्र में बधाई मांगने के अधिकार को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है। शिकायत में रानू किन्नर ने आरोप लगाया है कि पिछले करीब 15 दिनों से शीतल नायक किन्नर, जम्मू और उनकी चेला शैली राय जम्मू से कोरबा आकर क्षेत्र में कथित तौर पर बधाई मांगने का कार्य कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने इसे कथित जबरन वसूली बताते हुए पुलिस से हस्तक्षेप की मांग की है। इसी विवाद के बीच रानू किन्नर की शैली राय से मुलाकात होने की बात कही गई है। शिकायत के मुताबिक, इस दौरान विवाद बढ़ गया और शैली राय द्वारा कथित तौर पर रानू किन्नर के बाल पकड़कर उन्हें कोरबा छोड़कर किसी दूसरे शहर चले जाने के लिए कहा गया। रानू किन्नर ने विरोध करने पर मारपीट तथा अपने लोगों के माध्यम से जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। विवाद को लेकर किन्नर समाज के सदस्यों के साथ रायगढ़ की पूर्व महापौर मधु बाई किन्नर भी कोरबा पहुंचीं। बताया गया कि वह समाज के सदस्यों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर मामले को लेकर ज्ञापन देने में शामिल हुईं। उनके कोरबा पहुंचने से मामला स्थानीय स्तर से आगे बढ़कर किन्नर समाज के व्यापक प्रतिनिधित्व के साथ पुलिस प्रशासन के समक्ष उठाया गया। संगठन के सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की गंभीरता से जांच करने और शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

### डेली नीड्स और बिरयानी सेंटर में शराब की ब्रिक्री

# शराब ब्रिक्री को लेकर आबकारी विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

**जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश।** जिले के बम्हनीडीह थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पोड़ी शंकर चौक स्थित डेली निड्स और बिरयानी सेंटर में इन दिनों बड़ी तादाद में शराब की ब्रिक्री की जा रही है ग्रामीणो का आरोप है की डेली निड्स और बिरयानी सेंटर की आड़ से शराब की तस्करी करने वाले को आबकारी विभाग से पुरा संरक्षण मिल रहा है तभी तो वह खुले आम शराब की ब्रिक्री कर रहा है बताया जा रहा है की पोड़ी शंकर के कुछ युवक बम्हनीडीह के शराब दुकान में काम करते हैं वहीं कर्मचारी बम्हनीडीह शराब दुकान से शराब की तस्करी कर पोड़ी शंकर स्थिति डेली निड्स और बिरयानी सेंटर के नाम से दुकान तक शराब पहुंचा कर दे रहे हैं। पोड़ी शंकर चौक स्थित डेली निड्स की दुकान में अवैध रूप से शराब बिक्री होने की खबर प्रकाशित की गई थी जिसके बाद आबकारी विभाग जांजगीर-चांपा की टिम ने डेली निड्स और

बिरयानी सेंटर की दुकान पहुंच कर दुकान संचालक के खिलाफ 34/1 क की छोटी सी कार्रवाई कर औपचारिकता पुरी कर ली है जब की डेली निड्स और बिरयानी सेंटर संचालक रोजाना सैकड़ों लीटर शराब की बिक्री करता है पर आबकारी विभाग की गई इस छोटी सी कार्रवाई ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिये है ग्रामीणों का आरोप है की जब आबकारी विभाग दुकान में कार्रवाई करने पहुंची थी उस वक्त भी काफी अधिक मात्रा में शराब दुकान में उपलब्ध थी पर आबकारी विभाग ने छोटी सी कार्रवाई कर शराब तस्कर को छोड़ दिया है। शराब की लथ से नयी पीढ़ी के युवा तेजी से नशे की लत का शिकार हो रहे हैं. नशाखोरी का शिकार हो चुके युवा अपने साथ ही अपने परिवार के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं. नशे की लत पड़कर अपनी सेहत, शोहरत, पैसा और प्रतिष्ठा तक दांव पर लगाने को तैयार हैं. नशे की लत का शिकार होने वाले सर्वाधिक युवा हैं, जिनकी उम्र 18-35 साल है. कई युवाओं की इन बुरी आदतों के चलते उनका परिवार बर्बादी की कगार पर आ गयी है. पोडीशंकर में धड़ल्ले से शराब और गांजा का कारोबार हो रहा है. नशा के आदी युवाओं के पास जब नशे के लिए पैसा नहीं रहेगा तो वह अपराध की दुनिया में कदम रखेंगे और सड़कों पर, लूट, चोरी लड़ाई और अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देंगे पर इन सब से आबकारी विभाग को कोई सरोकार नहीं है ।

**कार्रवाई की जाएगी**

पिछले सप्ताह पोडीशंकर में 34/1 क की कार्रवाई की गई है और आगे भी कार्रवाई की जाएगी।
**योगेश्वर द्विवेदी**, जिला आबकारी अधिकारी जांजगीर-चांपा

# अमगांव में शासकीय भवन तोड़ने पर प्रशासन ने दी सफाई

**कोरबा/नवप्रदेश।** हरदीबाजार तहसील अंतर्गत ग्राम अमगांव में एसईसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि पर स्थित शासकीय भवनों को कथित रूप से जबरन एवं बलपूर्वक तोड़े जाने संबंधी प्रकाशित समाचार पर जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इसका खंडन किया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी संचालित शासकीय संस्था को बिना प्रशासनिक समन्वय के जबरन हटाकर भवन नहीं तोड़ा गया है।जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अमगांव में खदान क्षेत्र के समीप स्थित पटवारी कार्यालय, आंगनबाड़ी भवन और छात्रावास पहले से ही जर्जर स्थिति में थे। खदान क्षेत्र के नजदीक होने के कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन संस्थानों को भवनों को हटाने की कार्रवाई से पहले ही वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरित किया जा चुका था।प्रशासन के मुताबिक, पटवारी कार्यालय को करीब दो माह पहले तहसील कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। वहीं छात्रावास और आंगनबाड़ी केंद्र को भी अन्य उपयुक्त स्थानों पर स्थानांतरित किया जा चुका था। जिला प्रशासन ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन भी खदान क्षेत्र के नजदीक होने के कारण सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाना आवश्यक था। इस संबंध में संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा पत्र के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया गया था।इसके बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को भी भवनों के विध्वंस की कार्रवाई से करीब दो दिन पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया था। प्रशासन के अनुसार, वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाएं वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से संचालित की जा रही हैं।प्रशासन का कहना है कि खदान क्षेत्र के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था और भवनों की जर्जर स्थिति को देखते हुए संबंधित शासकीय संस्थानों को पहले ही वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट किया जा चुका था। इसके बाद एसईसीएल द्वारा जिला प्रशासन के समन्वय एवं सहयोग से निष्प्रयोज्य एवं जर्जर शासकीय भवनों को हटाने की कार्रवाई की गई।

## सेवा संकल्प अभियान में 2 लाख से अधिक सहभागिता

**अम्बिकापुर/नवप्रदेश।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिलेभर के शैक्षणिक संस्थानों में 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, आश्रम शाला, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, पालकों, नवसाक्षरों एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। चित्रकला प्रतियोगिता में जिले के 2,165 विद्यालयों के 54,125 विद्यार्थियों

ने सहभागिता की। भाषण प्रतियोगिता में भी 2,165 विद्यालयों के 21,650 विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में 75,775 विद्यार्थियों और निबंध लेखन में 65,225 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। एक लाख आठ हजार 250 लोगों ने किया सामूहिक पुस्तक वाचन सामूहिक पुस्तक वाचन में जिलेभर में एक लाख आठ हजार 250 लोगों ने सहभागिता की। इसमें विद्यार्थियों के साथ पालक, नवसाक्षर एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्य भी शामिल रहे।

## कुदुरमाल एनीकट में डूबने से ग्रामीण की मौत

**कोरबा/नवप्रदेश।** उरगा थाना क्षेत्र के कुदुरमाल एनिकट में शनिवार को मछली पकड़ने गए एक दंपती के साथ हादसा हो गया। गहरे पानी में डूबने से धर्म धनुवार (40) की मौत हो गई। पति को डूबता देख पत्नी ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और पानी की अधिक गहराई के कारण वह सफल नहीं हो सकी। घटना के बाद पत्नी किसी तरह गांव पहुंची और परिजनों व ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। जानकारी के अनुसार कुदुरमाल ग्राम पंचायत के परसाभवना गांव निवासी धर्म धनुवार शनिवार सुबह अपनी पत्नी के साथ एनिकट में मछली पकड़ने गया था। दोनों मछली पकड़ रहे थे, इसी दौरान धर्म अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। पत्नी ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण वह पति तक नहीं पहुंच सकी। देखते ही देखते धर्म गहरे पानी में समा गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण एनिकट पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने पुलिस टीम को मौके पर भेजा। साथ ही नगर सेना की [illegible] टीम को सूचना दी गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाश अभियान शुरू किया। पानी की गहराई और तेज बहाव के बावजूद टीम ने शनिवार देर शाम तक धर्म की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह [illegible] की टीम ने दोबारा एनिकट में तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद टीम ने धर्म धनुवार का शव पानी से बरामद कर लिया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

## जाल बिछाकर जंगली सूअर के शिकार की कोशिश, दो आरोपी गिरफ्तार

**रामानुजगंज/नवप्रदेश।** रामानुजगंज वन परिक्षेत्र के कनकपुर गांव में जंगली सुअर का शिकार करने के आरोप में वन विभाग की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी जंगल में जाल बिछाकर जंगली सुअर के फंसने का इंतजार कर रहे थे। बताया गया कि उनका उद्देश्य सुअर का शिकार कर उसके मांस का सेवन करना था। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर दबिश

दी और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। टीम ने उनके कब्जे से शिकार में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री भी बरामद की। वन विभाग ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया।

## पीजी कॉलेज में गूंजा नशामुक्त युवा, विकसित भारत का संकल्प

**अम्बिकापुर/नवप्रदेश।** सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा मेरा योगदान' की भावना को आगे बढ़ाते हुए राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प के साथ राष्ट्रीय संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माय भारत-राष्ट्रीय सेवा योजना के सौ सप्ताह के नशामुक्त युवा अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय सेवा

योजना के स्वयंसेवकों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेटों ने सहभागिता की। युवाओं ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सामूहिक वंदे मातरम् गायन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्य अतिथि गुप्ता ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, कार्यक्षमता और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, रचनात्मक गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को यह संदेश दिया गया कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

**अभियान** कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विद्यार्थियों के साथ प्रेरक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया

# 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में रोपे फलदार-छायादार पौधे

**अम्बिकापुर/नवप्रदेश।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अम्बिकापुर के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग एवं उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ द्वारा गोद ग्राम डिगिमा में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। 19 सितंबर को विकासखंड अम्बिकापुर के ग्राम डिगिमा स्थित शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, आदिवासी पारा परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण, सेवा संकल्प शपथ एवं विद्यार्थियों के साथ प्रेरक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अम्बिकापुर

द्वारा सामाजिक सरोकार, ग्रामीण सहभागिता एवं संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत उन्नत भारत अभियान एवं 'एक ग्राम गोद लें' योजना के अंतर्गत ग्राम डिगिमा को गोद लिया गया है। इसी क्रम में ग्रामीण विकास, शैक्षणिक संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, आदिवासी पारा डिगिमा परिसर में पौधरोपण किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं ने श्रमदान करते हुए पौधरोपण के लिए गड्ढे तैयार किए तथा फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। पौधरोपण के बाद पौधों में जल सिंचन भी किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' एवं उन्नत भारत अभियान के संदेशों से संबंधित चार्ट और तख्तियां प्रदर्शित कीं। शाला के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा एवं संरक्षण की जिम्मेदारी भी दी गई, ताकि रोपे गए पौधे भविष्य में वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्राथमिक शाला के बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया। बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने, स्वच्छता बनाए रखने, हाथ धोने की अच्छी आदत अपनाने तथा आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने के संबंध में सरल एवं उपयोगी जानकारी दी गई।

### सामूहिक रूप से सेवा संकल्प की शपथ

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्राथमिक शाला परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से सेवा संकल्प शपथ ली गई। इस दौरान समाज सेवा, सार्वजनिक स्वच्छता, जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों की सहायता, राष्ट्रीय एकता तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया गया।

# सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की मंत्री तोखन साहू ने की समीक्षा

**मुंगेली/नवप्रदेश।** जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के उद्देश्य से आज विश्राम भवन मुंगेली में संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, कैबिनेट मंत्री एवं मुंगेली जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अभियान की तैयारियों और आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। मंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, नेतृत्व एवं समर्पण को जनभागीदारी के माध्यम से समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत होने वाली सभी गतिविधियों को व्यापक एवं प्रभावी रूप से आयोजित किया जाए और अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ा जाए। प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी के माध्यम से सेवा, समर्पण और विकास की भावना को मजबूत करने का अवसर है। अभियान के संबंध में प्रत्येक नागरिक को योजनाओं की जानकारी हो।

उन्होंने कहा कि योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि

सेवा संकल्प अभियान के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विभागों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए ग्रामीण स्तर तक जनभागीदारी को सक्रिय करना जरूरी है। उन्होंने मैदानी स्तर पर कार्यरत अमले, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गोकुल रावटे ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की तिथिवार कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक पुन्नूलाल मोहले, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत गोकुल रावटे, जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, शैलेश पाठक, राजीव श्रीवास, उमाशंकर साहू, सोम वैष्णव, सुनील पाठक, मुकेश भारद्वाज सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थें।

## न्यूज गैलरी

### सेवा संकल्प अभियान दाऊपारा मुक्तिधाम में स्वच्छता अभियान

**मुंगेली/नवप्रदेश।** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा दाऊपारा स्थित मुक्तिधाम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुक्तिधाम परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं सुव्यवस्था का संदेश दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य और सामाजिक मूल्य है। सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यकर्ताओं ने नागरिकों से अपील किया कि वे अपने आसपास के स्थानों को स्वच्छ रखें, कचरा निर्धारित स्थान पर डालें और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। इस स्वच्छता अभियान में मंडल प्रभारी पवन पांडेय, वरिष्ठ नेता मोहन भोजवानी, जिला मीडिया प्रभारी रामशरण यादव, मंडल अध्यक्ष सौरभ बाजपेयी, महामंत्री मन्नूलाल श्रीवास्तव, महावीर सिंह, विजय यादव, पार्षद रोशन सोनी, निमेष देवांगन, एल्डरमेन राजहंस तम्बोली, प्रवीण सोनी, संदीप ठाकुर,रवि साहू, वासु पांडे, शंकरलाल देवांगन, विक्रांत देवांगन, संतोष लखवानी, वासुदेव देवांगन, दिनेश बुनकर, हीरालाल साहू, अजय चन्द्राकर, विनोद श्रीवास, आदर्श गुप्ता, योगेश ताम्रकार, रविन्द्र केशरवानी, पवन मिश्रा सहित मुक्तिधाम सेवा समिति के प्रवीण जैन एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। जिला मीडिया प्रभारी रामशरण यादव ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा, स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

### जिला शिक्षा अधिकारी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**मुंगेली/नवप्रदेश।** जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. मोहन लाल पटेल ने 18 सितम्बर को पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई ड्राइंग का अवलोकन कर बच्चों की रचनात्मकता की प्रशंसा की। निरीक्षण के क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी ने शाला परिसर का भ्रमण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक प्रगति को परखा। इसके पश्चात, उन्होंने विद्यालयीन स्टाफ की एक आवश्यक बैठक लेकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, साथ ही परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सफाई कर्मियों को सख्त हिदायत दिये। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में संचालित अन्य विविध गतिविधियों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला मिशन समन्वयक अशोक सोनी एवं विद्यालय की प्राचार्य लीला श्रीवास्तव, सीएसी नेमीचंद भास्कर एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

### फैंसी ड्रेस से नृत्य प्रस्तुतियों तक बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

**अम्बिकापुर/नवप्रदेश।** गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर स्थानीय चांदनी चौक स्थित कोणार्क वासुदेव विहार कॉलोनी में रहवासियों द्वारा भव्य एवं उत्साहपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक, सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शानदार प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को भक्तिमय और आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छोटे-छोटे बच्चों की मनमोहक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के साथ हुआ। इसमें 7 वर्ष तक के नौनिहालों ने आकर्षक और विविध वेशभूषा में सज-धजकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद आयोजित रंगारंग नृत्य कार्यक्रम में न्यास गौड़, आशी, प्रियांशी, पूर्वी, नव्या, आरना, विधि, लवी, जोया एवं रिद्धि ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिलाओं की ऊर्जावान भागीदारी रही खास संस्कृतिक संध्या में कॉलोनी की महिलाओं की भी बेहद सक्रिय और ऊर्जावान सहभागिता देखने को मिली। महिलाओं द्वारा प्रस्तुत विशेष डांस परफॉर्मेंस अत्यंत मनोरंजक और आकर्षक रहे, जिस पर दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। पूरी कॉलोनी के निवासियों के इस सामूहिक प्रयास और आपसी मेल-जोल से गणेशोत्सव का यह पर्व हर्षोल्लास एवं अमिट स्मृतियों के साथ संपन्न हुआ। मंच संचालन और मार्गदर्शन कार्यक्रम में मंच संचालन का कुशल दायित्व प्रियंका शर्मा एवं सुनीता अग्रवाल ने निभाया। संपूर्ण आयोजन श्रीमती मीना शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन एवं अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना को किया नमन, कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

# कला के जरिए पीढ़ियों को जोड़ रहा चक्रधर समारोह: मंत्री नेताम

**रायगढ़/नवप्रदेश।** 41वें चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद महाराजा चक्रधर सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री नेताम ने कहा कि चक्रधर समारोह कला के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाला ऐसा मंच है, जहां कला प्रेमी, कलाकार और कला साधक एक साथ आते हैं। उन्होंने रायगढ़ के उन कला प्रेमियों और श्रोताओं को नमन किया, जो पूरी रात बैठकर विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि कला के प्रति रायगढ़ की यह

निरंतर रुचि और समर्पण समारोह की विशेष पहचान है। मंत्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने कलाकारों को उनकी प्रस्तुतियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलाकारों की साधना और कला प्रेमियों की सहभागिता से ही ऐसे आयोजन निरंतर आगे बढ़ते हैं। प्रभारी मंत्री ने कला प्रेमियों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, अरुणधर दीवान, श्रीकांत सोमावार, सुभाष पाण्डेय, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, कलाकार और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहे।

**संगीत और कला के माध्यम से रायगढ़ घराने की पहचान**

प्रभारी मंत्री नेताम ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत और कला के माध्यम से रायगढ़ घराने की पहचान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया। विशेष रूप से कथक नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान ने रायगढ़ को देश और दुनिया में अलग पहचान दिलाई। उनकी कला साधना से प्रेरित होकर चक्रधर समारोह आज भी कला की इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

# ग्रामीणों को विधिक साक्षरता के महत्व की जानकारी दी

**मुंगेली/नवप्रदेश।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गिरिजा देवी मेरावी के मार्गदर्शन में जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों तक विधिक जागरूकता पहुंचाने के उद्देश्य से 60 दिवसीय मेगा ड्राइव चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम जमुनाही में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली सतीश कुमार खाखा, न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी दीपक कुमार शर्मा तथा व्यवहार न्यायालय लोरमी के न्यायिक मजिस्ट्रेट देवेन्द्र कुमार दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच चंद्रमणी साहू, सचिव ओम प्रकाश मरावी, उपसरपंच, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

शिविर में ग्रामीणों को विधिक साक्षरता के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कानूनी अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक सहायता की जानकारी होना आवश्यक है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को कानूनी जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं को संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समन्वय से निराकृत कराने और पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि 23 अक्टूबर से पूर्व जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाने हैं। पैरा लीगल वालंटियर्स द्वारा गांव में घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएंगी तथा आवश्यकता अनुसार आवेदन तैयार करने में सहयोग किया जाएगा। शिविर में ग्रामीणों को थाना स्तर पर शिकायत एवं प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा उपलब्ध वैधानिक उपायों की जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी घटना के संबंध में शिकायत करते समय उसकी पावती लेना महत्वपूर्ण है। यदि थाना स्तर पर आवश्यक कार्रवाई नहीं होती है तो नियमानुसार वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष शिकायत की जा सकती है।

## अवैध साल लकड़ी की तस्करी करते वाहन जब्त

**रामानुजगंज/नवप्रदेश।** वन विभाग ने पलगी के जंगल में अवैध रूप से साल लकड़ी का परिवहन करते एक महिंद्रा वीरो वाहन को जब्त किया है। वाहन में साल प्रजाति के 5 लट्ठे लोड थे, जिनकी कुल मात्रा 2.299 घनमीटर और अनुमानित कीमत 1 लाख 71 हजार 448 रुपये बताई गई है।

कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। वन विभाग के अनुसार, 20 सितंबर को वनमंडलाधिकारी बलरामपुर आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देशन तथा उपवनमंडलाधिकारी

अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन में वनपरिक्षेत्राधिकारी रामानुजगंज डॉ. दिलरुबा ए. बानो के नेतृत्व में टीम ने सर्किल बगरा के बीट पलगी में कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि कक्ष क्रमांक 794 के जंगल में अवैध रूप से काटी गई साल लकड़ी को वाहन में लोड किया जा रहा है। बताया गया कि आरोपी ने महिंद्रा वीरो वाहन को खीरा लोड करने के बहाने जंगल में बुलाया था। इसके बाद वाहन में खीरे की जगह अवैध रूप से काटी गई साल की इमारती लकड़ी लोड कराई जा रही थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। टीम को देखकर आरोपी जंगल का फायदा उठाकर भाग निकला, लेकिन वाहन को जब्त कर लिया गया।

## रसूलपुर हत्याकांड में आरोपी मोईन मियां गिरफ्तार

**अम्बिकापुर/नवप्रदेश।** शहर के रसूलपुर इलाके में 16 सितंबर को हुए वसीरुद्दीन सिद्दीकी हत्याकांड में पुलिस ने पांचवें आरोपी मोईन मियां (65) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मोईन मियां मृतक के दामाद मो. नाजिम शबा का पिता है और झारखंड के पलामू जिले का निवासी है।

वर्तमान में वह अम्बिकापुर के सरना पारा क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने पूछताछ के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।पुलिस के मुताबिक, 16 सितंबर की सुबह करीब

10.15 बजे तीन आरोपी किराए का मकान देखने के बहाने वसीरुद्दीन के घर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान उन्होंने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल वसीरुद्दीन की उपचार के दौरान मौत हो गई।जांच में पुलिस को मृतक की बेटी सादिया शारीन सिद्दीकी और उसके पति मो. नाजिम शबा के बीच चल रहे तलाक के मामले से जुड़ी रंजिश का पता चला। पुलिस के अनुसार, तलाक का केस वापस नहीं लेने को लेकर सादिया और उसके मायके पक्ष को धमकी दिए जाने की शिकायत भी सामने आई थी। मरणासन्न कथन और गवाहों के बयान के आधार पर पुलिस ने मोईन मियां की भूमिका की जांच की। पुलिस का दावा है कि उसने हत्या की साजिश में भूमिका निभाई और कथित तौर पर हत्या के लिए पांच लाख रुपये की व्यवस्था की। हालांकि, इन आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

## पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए व्याख्याता वर्मा का चयन

**मुंगेली/नवप्रदेश।** पीएम श्री योजना के तहत संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा के वाणिज्य व्याख्याता राहुल वर्मा का पांच दिवसीय राष्ट्रीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयन हुआ है। कार्यशाला राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की क्षेत्रीय इकाई क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित की जा रही है। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ शिक्षण में डिजिटल तकनीक के उपयोग और अनुभव आधारित शिक्षण पद्धति पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। देशभर से चयनित शिक्षकों को विषयों को अधिक व्यावहारिक और विधार्थियों के अनुकूल तरीके से पढ़ाने की तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। विधार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान और व्यावहारिक कौशल विकसित करने वाली शिक्षण गतिविधियों पर भी प्रशिक्षण होगा।

## भादवी बीज पर रामदेव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, भजन-कीर्तन से गूंजा नगर

**मुंगेली/नवप्रदेश।** बाबा रामदेव का जन्मोत्सव नगर के रामदेव मंदिर में भादवा सुदी एकम से चंद्रदर्शन 12 सितंबर से 21 सितंबर तक मनाया जा रहा है।

19 सितम्बर संगीतमय सुंदर कांड पाठ राम रसिया मानस मंडल के अमन सोनी द्वारा किया गया। 21 को भादो सुदी दशम को सुबह बाबा रामदेव मंदिर में ध्वजारोहण, आरती के पश्चात् भव्य शोभायात्रा सुबह 9.15 बजे से नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए मंदिर परिसर आएगी उसके पश्चात प्रसादी वितरण किया जाएगा रात्रि 7:00

महाआरती की जाएगी रात्रि 9 बजे से रामदेव मंदिर प्रांगण में भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक प्रसन्न चोपड़ा द्वारा भजन भक्ति संगीत की प्रस्तुति की जाएगी। भादो मेला कार्यक्रम का आकर्षण प्रतिदिन ड्रा में तीन भाग्यशाली विजेता बनाया जाता है जिसको लेकर बच्चों को महिलाओं में खास उत्साह देखा जा रहा है। दस दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बाबा के भक्त दुर्गालाल गोयल, प्रेमचंद लुनिया, जगदीश पारख, रवि पुराणिक, चंपालाल सुथार, कन्हैयालाल कोटडिया, अशोक सोनी, बद्रीलाल सोलंकी, नरेंद्र खत्री, बसंत शर्मा की मार्गदर्शन में समिति के सदस्य दिनेश गोयल, गिरीश सुथार, अमन सोनी, विनोद शर्मा, तुषार खत्री, सुनील जोशी, ललित शर्मा, राकेश जोशी, जालम सिंह राजपुरोहित, हरीश सोनी, यशपाल जोशी, देवेश शर्मा, लोकेश गोयल, अमित तिवर, धीरज सोलंकी, प्रदीप सोलंकी,संदीप लूनिया, श्रेणीक पारख लगे हुए है।

## पेज 1 का शेष...

**ओपनिंग मैच में भारतीय महिला...**

टीम ने उज्बेकिस्तानी डिफेंस को पूरी तरह तहस-नहस करते हुए पहले हाफ में ही 8 गोल दाग दिए थे। लालरेमसियामी के शुरुआती गोल के ठीक बाद इशीका ने सर्कल के बाएं छोर से शानदार फिनिशिंग करते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। इसके तुरंत बाद बलजीत कौर ने स्कोर 4-0 कर दिया और फिर नेहा ने एक और बेहतरीन मैदानी गोल दागा। दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर को शानदार तरीके से बॉटम राइट कॉर्नर में गोल में बदलकर अपनी ताकत दिखाई। इसके बाद नवनीत कौर ने भी मैदानी गोल दागा और हाफ टाइम तक भारत ने 8-0 की आरामदायक बढ़त हासिल कर ली थी। मैच के आखिरी दो क्वार्टर में उज्बेकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ गईं, जब भारतीय टीम ने 11 और गोल दागे।

**भारत की बेटियों ने रचा...**

के विनोद की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 1898.0 अंक हासिल किए। चीन ने इस स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की ओर से एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्शा के विनोद ने 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में हिस्सा लिया। तीनों निशानेबाजों ने मिलकर 1898.0 अंक जुटाए और भारत को सिल्वर मेडल दिलाया। भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। जापान की टीम ने 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

चीन ने वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड- चीन की टीम ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और 1904.2 अंक हासिल करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही चीन ने नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 1902 अंक था, जो चीन ने 2025 एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में बनाया था। इस बार चीन ने अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

**भारत ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश...**

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर और शैफाली वर्मा के बीच चौथे विकेट के लिए 55 गेंदों में 94 रन की साझेदारी बनी। इससे पहले शैफाली ने स्मृति मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 36 गेंदों में 72 रन की पार्टनरशिप बनाई। शानदार फॉर्म में चल रही ओपनिंग बैटर शैफाली वर्मा ने एक बार फिर सेंचुरी लगाई। उन्होंने 49 गेंदों में अपना सैकड़ा पूरा किया। इसमें 9 छक्के और 3 चौके लगाए। उनके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 40 और स्मृति मंधाना ने 37 रन बनाए।

बांग्लादेश टीम को शुरुआत में ही झटके

बांग्लादेश को शुरुआती झटके क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा ने दिए। दोनों ने एक-एक विकेट लेकर बांग्लादेश को दबाव में ला दिया। भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा और नंदिनी शर्मा बांग्लादेश के बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन गईं।

**कुम्हारी में अवैध गुटखा...**

की कीमत लाखों रुपये में बताई जा रही है। हालांकि, सामान की वास्तविक कीमत और उससे जुड़े टैक्स की देनदारी के संबंध में अभी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

**अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट...**

है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है।

**मॉस्को पर 1,000 से ज्यादा...**

यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि राजधानी की ओर बढ़ रहे 450 ड्रोन नष्ट किए गए।

सोब्यानिन ने हमले को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि ड्रोन हमलों के कारण मॉस्को ऑयल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा है। मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत, 20 घायल- रूसी अधिकारियों के अनुसार, हमले में मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं।

**पूर्व प्रधानमंत्री इमरान...**

न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीआईएमएस के डॉक्टर की अगुआई में टीम ने इमरान खान का पूरा मेडिकल चेकअप किया। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच शामिल थी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेट कप्तान रहे इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं।

**शराबबंदी करके क्या...**

को महाराष्ट्र पॉइजन्स रूल्स, 1972 के नियम 18ए और 18बी रद्द करने का फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की। इन नियमों के तहत मेथनॉल खरीदने और रखने को नियंत्रित किया गया था। गैर-दवा निर्माताओं को बिक्री से पहले मेथनॉल में रंग और कड़वा पदार्थ मिलाना जरूरी था। सुप्रीम कोर्ट ने भावनगर, गुजरात और सागर, मध्य प्रदेश की हालिया घटनाओं का भी जिक्र किया। इनमें जहरीली शराब से करीब 13 और 15 लोगों की मौत हुई थी।

**बिश्नोई गैंग के नाम...**

फोन कर आरोपी ने खुद को बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया। रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने कहा कि फोन कॉल की जांच की जा रही है। मामला सिविल लाइन थाना इलाके का है।

कॉल की जानकारी जुटा रही पुलिस

पुलिस की टीम धमकी देने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और कॉल से जुड़ी तकनीकी जानकारी जुटा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फोन किस जगह से किया गया और इसके पीछे कौन लोग हैं? पुलिस कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और बाकी टैक्टिकल सबूतों की जांच कर रही है। साथ ही परिवार से भी घटना को लेकर जानकारी ली जा रही है।

**चंद्रशेखरन का कार्यकाल...**

मंजूरी दी थी। ट्रस्ट्स ने कहा- उनके नॉमिनी डायरेक्टर नोएल टाटा के विरोध के बाद भी यह प्रस्ताव पास होना अवैध है। बता दें कि टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस में 66% हिस्सेदारी है, इसलिए ट्रस्ट की आपत्ति का कंपनी के कंट्रोल और लीडरशिप पर असर पड़ सकता है। 17 सितंबर की मीटिंग में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के री-अपॉइंटमेंट के खिलाफ वोट दिया था।

# भारत-जापान युद्धाभ्यास में दिखी हवाई ताकत, सुखोई-30 और राफेल के साथ एफ-2 ने भरी उड़ान

**नई दिल्ली।** भारत के आसमान में इन दिनों भारत और जापान के लड़ाकू विमानों की गूंज सुनाई दे रही है। दोनों देशों की वायुसेनाएं संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' के तहत युद्ध जैसी परिस्थितियों में अपनी हवाई युद्धक क्षमताओं को परख रही हैं। अभ्यास अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस दौरान दोनों देशों के लड़ाकू विमानों ने एयर स्ट्राइक से जुड़े कई अभियानों का अभ्यास किया है।

अभ्यास में भारतीय वायुसेना के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस, सुखोई-30 एमकेआई और राफेल जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। वहीं जापानी वायुसेना ने अपने एफ-2ए लड़ाकू विमान के साथ शिरकत की। इस चौदह दिवसीय अभ्यास में भाग लेने वाले वायु सैनिक उन्नत परिचालन मिशनों को अंजाम दिया गया। जोधपुर में दोनों सेनाओं के बीच व्यापक पेशेवर संवाद हुए। इस युद्धाभ्यास में मिशन योजना सम्मेलन, विषय विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, इंजीनियरिंग व अंतरिक्ष सुरक्षा के पहलुओं पर भी वार्ता हुई। इससे दोनों वायु सेनाओं के बीच गहन परिचालन तालमेल को बढ़ावा मिला है।

जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के एफ-2 लड़ाकू विमानों की मौजूदगी इस संयुक्त अभ्यास का खास आकर्षण रही। दरअसल 'वीर गार्जियन 2026' इसी महीने 9 सितंबर से शुरू हुआ था और 22 सितंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के साथ दोनों वायुसेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल और आपसी समझ को बढ़ाना है। यह 'वीर गार्जियन' का दूसरा संस्करण है। इससे पहले 2023 में 'वीर गार्जियन 23' का आयोजन जापान में हुआ था। उस अभ्यास में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पहली बार जापान में इस संयुक्त हवाई अभ्यास में हिस्सा लिया था। वहीं, 'वीर गार्जियन 2026' जापान एयर सेल्फडिफेंस फोर्स के लड़ाकू विमानों का भारत में पहला संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास है। अभ्यास के दौरान दोनों देशों के वायु योद्धा अलग-अलग हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही, वे एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं और युद्धक तौर-तरीकों को समझ रहे हैं। संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर समन्वय विकसित करना भी अभ्यास का अहम हिस्सा है। 'वीर गार्जियन 2026' के जरिए दोनों देशों की वायुसेनाओं को वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अपनी क्षमताओं को परखने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर मिल रहा है।

## अमेरिका से बातचीत के लिए पहले माननी होंगी शर्तें

### कोई दूसरा रास्ता नहीं : मोहसिन रेजाई

■ **अमेरिका से बातचीत के लिए पहले माननी होंगी शर्तें, कोई दूसरा रास्ता नहीं : मोहसिन रेजाई**

**नई दिल्ली।** ईरान के सुरक्षा परिषद सचिव मोहसिन रेजाई अमेरिका के सामने सात शर्तें रखी हैं। उनका कहना है कि? अमेरिका को ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत शुरू करने से पहले इन शर्तों को मानना अनि?वार्य है। मोहसि?न रेजाई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत शुरू करने के लिए सात शर्तें रखी हैं। तेहरान का संदेश साफ है कि अगर वॉशिंगटन अपने ही पैदा किए हुए मुश्किल हालात से बाहर निकलना चाहता है और इस मामले में और ज्यादा फंसने से बचना चाहता है, तो उसके पास ईरान के अधिकारों और उसकी शर्तों को मानने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

ईरान की मेहर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने शनिवार को विदेशी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के मकसद से दोबारा बातचीत शुरू करने के लिए अपनी शर्तें मध्यस्थों तक पहुंचा दी हैं। रेजाई ने कहा, ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का आकलन और उनकी गणना गलत थी और यह युद्ध नेतन्याहू ने शुरू करवाया। युद्ध खत्म करने के लिए हमारी शर्तें मानना वॉशिंगटन के हित में है। ट्रंप की धमकियों का कोई नतीजा नहीं निकलेगा। हम निर्णायक युद्ध के लिए तैयार हैं। समाचार एजेंसी अल जजीरा के हवाले से बताया, रेजाई ने कहा कि हमें अमेरिकी सेना की कमजोरियों की जानकारी है और अब हम उसके हवाई हमलों का मुकाबला करने के लिए पहले से कहीं बेहतर तरीके से तैयार हैं। वाशिंगटन के समझौते से पीछे हटने के बाद हमने यह नतीजा निकाला कि हमें अमेरिका को लेकर अपनी रणनीति बदलने की जरूरत है।

## 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य

**नई दिल्ली।** घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को सरकारी सब्सिडी के साथ निर्धारित कीमत पर रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग जारी रखने के लिए 1 अक्टूबर 2026 से बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा करना अनिवार्य होगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर पात्र परिवारों तक ही पहुंचे। साथ ही घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए किए जाने वाले गलत उपयोग को रोकना भी इसका उद्देश्य है।

सरकार ने कहा कि एलपीजी कनेक्शन को आधार से प्रमाणित उपभोक्ताओं से जोड़ने से डुप्लीकेट और अपात्र कनेक्शन हटाने में मदद मिलेगी। इससे सब्सिडी सही लाभार्थियों तक पहुंचाने की व्यवस्था भी बेहतर होगी। हालांकि, जो उपभोक्ता पहले ही बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर चुके हैं, उन्हें दोबारा यह प्रक्रिया नहीं करनी होगी। वे पहले की तरह अपने एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग कर सकेंगे। जिन उपभोक्ताओं का आधार प्रमाणीकरण अभी तक नहीं हुआ है, उन्हें सब्सिडी वाला सिलेंडर लेने के लिए पहले यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उपभोक्ताओं के लिए बीएए पूरा करने के कई विकल्प उपलब्ध होंगे। एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी के समय डिलीवरी कर्मचारी के मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण किया जा सकेगा। इसके अलावा, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के शोरूम और तेल विपणन कंपनियों के मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

इंडेन के ग्राहक इंडियनआयल वन , भारत गैस के उपभोक्ता हेलो बीपीसीएल और एचपी गैस के ग्राहक एचपी पे के जरिए प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। जो उपभोक्ता बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण नहीं कराना चाहते हैं, उन्हें एलपीजी की आपूर्ति जारी रहेगी, लेकिन उन्हें सरकारी सब्सिडी नहीं मिलेगी और सिलेंडर बाजार मूल्य पर लेना होगा। ऐसे उपभोक्ताओं को अपनी तेल विपणन कंपनी के डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी प्राथमिकता दर्ज करानी होगी। इसके लिए वेब पोर्टल, मोबाइल एप्लिकेशन, व्हाट्सऐप चैटबॉट, आईवीआरएस या अन्य उपलब्ध माध्यमों का इस्तेमाल किया जा सकेगा। स्थानीय उपलब्धता के आधार पर उन्हें 5 किलो या 10 किलो के सिलेंडर दिए जाएंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 19 सितंबर तक देश में 27.43 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ता बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर चुके हैं। यह कुल उपभोक्ताओं का करीब 90 प्रतिशत है। सरकार ने बताया कि तेल विपणन कंपनियां अक्टूबर 2023 से देशभर में इसके लिए जागरूकता अभियान चला रही हैं। इसके तहत उपभोक्ताओं को एसएमएस और व्हाट्सऐप संदेश भेजने, डिस्ट्रीब्यूटर और डिलीवरी कर्मचारियों के जरिए संपर्क करने, विशेष नामांकन शिविर आयोजित करने और आईवीआरएस से रिमाइंडर देने जैसे कदम उठाए गए हैं। डिजिटल और पारंपरिक मीडिया के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सरकार के अनुसार, सितंबर 2026 में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर अप्रत्यक्ष सब्सिडी करीब 210 रुपए थी। सरकार ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों पर बढ़ते वित्तीय बोझ के बीच इस योजना को जारी रखने के लिए सब्सिडी केवल वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना जरूरी है।

## उत्तर कोरिया ने दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल

**जापान अलर्ट; पीएम कार्यालय ने जारी किया बयान**

**नई दिल्ली।** उत्तर कोरिया ने रविवार को एक बार फिर ईस्ट सी की ओर 'संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल' दागी। दक्षिण कोरिया और जापान ने इसकी पुष्टि की है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया ने संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है और इससे जुड़ी अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मिसाइल समुद्र में गिर गई। जापानी मीडिया ने बताया कि इसका संभावित गिरने का स्थान जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने भी कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी समुद्र की ओर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल दागा। शुरुआती तौर पर मिसाइल की सटीक दूरी, ऊंचाई और उड़ान पथ की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने प्रक्षेपण के बाद एक बयान जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे साझा किया गया। बयान के अनुसार, अधिकारियों से उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित अतिरिक्त प्रक्षेपणों के लिए तैयार रहने को कहा गया। संबंधित अधिकारियों को सूचना जुटाने और उसका विश्लेषण करने के साथ-साथ विमान और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आपात स्थिति के लिए तैयार रहने और जनता को समय पर उचित जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बाद की रिपोर्टों में दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने इसे कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल बताया और कहा कि प्रक्षेपण उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के वॉनसान क्षेत्र से हुआ था।

## एफटीए लागू होने के बाद भारत के निर्यात में तेजी

### वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में बढ़ी रफ्तार

**नई दिल्ली।** वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले साझेदार देशों को भारत के निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है। सिंगापुर और श्रीलंका को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़ा है, जबकि आसियान देशों को निर्यात में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि व्यापार समझौते वास्तव में परिणाम देने लगे हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। तंजानिया के समाचार पत्र 'द गार्जियन' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, आंकड़े बताते हैं कि भारत का बढ़ता व्यापार समझौतों का नेटवर्क अब बातचीत के जरिए मिले बाजार पहुंच के लाभ को वास्तविक निर्यात वृद्धि में तेजी से बदल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात अब तक के सर्वोच्च स्तर 863.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिसमें 441.8 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 421.3 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एफटीए साझेदार देशों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत केवल अपने निर्यात की मात्रा नहीं बढ़ा रहा है, बल्कि बाजार में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने के लिए तरजीही व्यापार व्यवस्थाओं का भी तेजी से इस्तेमाल कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 के दौरान सिंगापुर को भारत का निर्यात सालाना आधार पर 101.2 प्रतिशत बढ़कर 6.52 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 3.24 अरब डॉलर था। श्रीलंका को निर्यात में इससे भी अधिक वृद्धि दर्ज की गई। यह 123.8 प्रतिशत बढ़कर 2.35 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.05 अरब डॉलर था।

## गोलमाल 5 की रिलीज डेट लॉक्ड : अजय-अक्षय करेंगे धमाल

### बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों से मिलेगी चुनौती

गोलमाल गैंग एक बार फिर कॉमेडी, अफरा-तफरी और लोगों को हंसाने के लिए तैयार है. फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने अपनी लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म, गोलमाल 5 की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें पिछली फिल्मों के कई कलाकार वापसी कर रहे हैं और साथ ही एक नया चेहरा भी शामिल हो रहा है.

अजय देवगन एक बार फिर इस फ्रेंचाइजी की अगुवाई करेंगे, साथ ही अरशद वारसी, कुणाल खेमू, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर भी वापसी कर रहे हैं. शरमन जोशी, जो पहली गोलमाल फिल्म का हिस्सा थे, लंबे अंतराल के बाद इस फ्रेंचाइज में लौट रहे हैं. अक्षय कुमार भी कलाकारों में एक अहम नाम हैं और पहली बार इस फ्रेंचाइजी में नजर आएंगे. रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म के टीजर के साथ यह जानकारी साझा की. घोषणा के साथ ही यह पुष्टि हो गई कि गोलमाल 5 आगामी 8 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. तारीख साझा करते हुए फिल्म निर्माता ने लिखा, हंसी, मस्ती, आनंद, खुशी और परिवार... बस और कुछ नहीं. 8 जनवरी 2027. फिल्म निर्माताओं ने एक संदेश के साथ फिल्म की घोषणा की, जिसमें फ्रेंचाइजी की खास कॉमेडी की वापसी का संकेत दिया गया था. उन्होंने लिखा, 2027 मस्ती, हंसी और ढेर सारी गोलमाल के साथ शुरू होने वाला है. पागलपन के लिए तैयार हो जाइए. नया साल. नया पागलपन. वही गोलमाल. शर्मन जोशी लगभग 20 साल बाद इसमें वापसी कर रहे हैं. वे 2006 में रिलीज हुई फिल्म गोलमाल- फन अनलिमिटेड में लक्ष्मण के किरदार में नजर आए थे. इसके बाद आई तीन सीक्वल फिल्मों में वे शामिल नहीं थे. पांचवें पार्ट के साथ अक्षय कुमार भी गोलमाल यूनिवर्स में एंट्री करेंगे. रोहित शेट्टी ने अक्षय के जन्मदिन (सितंबर 2026) के मौके उनकी कास्टिंग की पुष्टि की थी. फिल्म निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है. हालांकि, खबरों के मुताबिक अक्षय इस कॉमेडी फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं. उनकी भूमिका और गोपाल व बाकी गैंग से उनका क्या संबंध होगा, इस बारे में अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है.

## सरकार की पहलों के कारण बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत हुई : डॉ. एल. मुरुगन

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने बताया कि सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप बेरोजगारी दर 6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि देश में स्टार्टअप्स की संख्या, जो 2014 में लगभग 400 थी, बढ़कर 2.5 लाख से अधिक हो गई है और यह भी उल्लेख किया कि स्टार्टअप संस्थापकों में एक महत्वपूर्ण संख्या 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं की है।

## वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 780.78 अरब डॉलर पर स्थिर : आरबीआई

**मुंबई ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 780.78 अरब डॉलर पर स्थिर रहा। इससे पहले 4 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 785.71 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जिसमें 44.90 अरब डॉलर की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

उससे पहले 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भंडार 11.47 अरब डॉलर बढ़कर 740.80 अरब डॉलर हो गया था। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) हैं। 4 सितंबर को समाप्त सप्ताह में इनका स्तर 648.17 अरब डॉलर रहा। उस सप्ताह एफसीए में 47.498 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह स्तर मार्च के अंत की तुलना में 95.886 अरब डॉलर और एक वर्ष पहले के मुकाबले 63.692 अरब डॉलर अधिक था। 4 सितंबर तक भारत का स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) 113.816 अरब डॉलर रहा। हालांकि सप्ताह के दौरान इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया, फिर भी यह एक वर्ष पहले के मुकाबले 23.517 अरब डॉलर अधिक था। हालांकि मार्च के अंत की तुलना में यह 1.580 अरब डॉलर कम रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) होल्डिंग 4 सितंबर तक 18.806 अरब डॉलर रही। यह मार्च के अंत की तुलना में 184 मिलियन डॉलर और एक वर्ष पहले की तुलना में 64 मिलियन डॉलर अधिक थी।

वहीं आईएमएफ के साथ भारत की रिजर्व पोजीशन 4.916 अरब डॉलर रही। यह मार्च के अंत की तुलना में 108 मिलियन डॉलर और पिछले वर्ष के समान स्तर से 168 मिलियन डॉलर अधिक थी। कुल मिलाकर, 4 सितंबर तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च के अंत की तुलना में 94.599 अरब डॉलर बढ़ चुका था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इसमें 87.438 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई।

### साइबर सुरक्षा मजबूत करने के लिए 8 बैंकों में पायलट

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया डिजिटल पेमेंट इंटेलिजेंस कॉरपोरेशन (आईडीपीआईसी) फिलहाल 8 बैंकों के साथ पायलट आधार पर संचालित हो रहा है और आरबीआई इसके व्यापक क्रियान्वयन की प्रक्रिया को तेज करने पर काम कर रहा है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान आईएएनएस से बातचीत में मुर्मू ने कहा, यह पहले से ही 8 बैंकों में पायलट आधार पर चल रहा है। हम इसे तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार और आरबीआई पिछले कुछ समय से डिजिटल भुगतान प्रणाली की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों को साइबर वित्तीय धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। आरबीआई के परामर्श से स्थापित किए जा रहे आईडीपीआईसी का उद्देश्य ऐसा तंत्र विकसित करना है, जिसके जरिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बीच रियल-टाइम फ्रॉड इंटेलिजेंस और चेतावनियां साझा की जा सकें।


## आम सूचना

**विषय : औद्योगिक क्षेत्र सिरगिट्टी सेक्टर-बी, भूखण्ड क्रमांक 112-बी के संबंध में आम सूचना ।**

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि औद्योगिक क्षेत्र सिरगिट्टी सेक्टर बी, जिला---बिलासपुर (छ.ग.) में स्थित भूखण्ड क्रमाक 112-बी, कुल रकबा 37,215 वर्गफुट, जो मैसर्स श्री इंजीनियरिंग सर्विसेस प्रोप्राईटर श्रीमती शिल्पा वरवंडकर पति श्री शशी वरवंडकर निवासी पलाट नंबर 03, सहकारी पथ, चौबे कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) को मैन्युफैक्चरिंग आफसर्विस डीजल इंजन, डीजल जनरेटिंग सेट, हैवी अर्थ मूवींग मशीन कार्य हेतु सीएसआईडीसी लिमिटेड द्वारा पट्टे पर आवंटित किया गया है।

इकाई मेंसर्स श्री इंजीनियरिंग सर्विसेस के मूल स्वामी प्रोप्राईटर श्रीमती शिल्पा वरवंडकर की मृत्यु दिनांक 31.10.2025 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री सिदार्थ वरखंडकर के द्वारा सी.एस.आई.डी.सी. लि0 शाखा कार्यालय तिफरा बिलासपुर (छ0ग0) में दिनांक 16.02.2026 को आवेदन प्रस्तुत कर उक्त भूमि को रक्त अंतरण नियम अंतर्गत हस्तातरण करनें हेतु निवेदन किया गया है। प्राप्त आवेदन ग्राह्य करते हुये रक्त अंतरण की कार्यवाही किया जाना है।

अतः इस सूचना के माध्यम से मेंसर्स श्री इंजीनियरिंग सर्विसेस, भूखण्ड क्रमांक 112 बी, औद्योगिक क्षेत्र सिरगिट्टी सेक्टर-बी, जिला-बिलासपुर (छ0ग0) के समस्त हितबद्ध व्यक्तियों, फर्म, वित्तीय संस्था आदि को सूचित किया जाता है कि किसी को उक्त रक्त अतरण के अंतर्गत स्वामित्व परिवर्तन / हस्तातरण हेतु कोई दावा/आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर कार्यालयीन समय पर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष स्वयं अथवा विधिक रूप से अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति दर्ज करवा सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् आपत्ति अवैधानिक होगी एवं अमान्य की जावेगी।

**मुख्य महाप्रबंधक**
**सीएसआईडीसी लि.**
**उद्योग भवन, रिंग रोड नं. 1**
**तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.)**

**OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA**

**e-Procurement Tender Notice Main**

**Portal: http://eproc.cgstate.gov.in**

NIT No: 379486, 367996, 379429/2026 Korba Dated 15.09.2026

| Sr No. | System Tender No. | Name of Work/ Description of Work | Probable Amount of Contract (In Lacs) |
|---|---|---|---|
| 1. | 199466 (1st Call) | Construction of CC Road from Balhi Ramayan Kewat Ghar to Government Middle School Balgikhar under Ward no. 67 (DMF) | 16.94 |
| 2. | 199467 (1st Call) | Construction of RCC drain and cement concrete Road at sarai para basti kohdiya ward no 18 & Various Places (DMF) | 25.42 |
| 3 | 199468 (1st Call) | Ward no. 49 Rajiv Nagar Cc road Construction work from Naseem khan's house to Ramesh Rathore's house and near Satnam Chowk (DMF) | 12.71 |

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 15.09.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

**Executive Engineer**
**Municipal Corporation**
**Korba (C.G.)**

# गणेशोत्सव में बदली यातायात व्यवस्था

**27 सितंबर तक सुबह 5 से रात 2 बजे तक प्रतिबंध, स्टेशन-तेलघानीनाका क्षेत्र में हल्के मालवाहकों पर भी रोक**

**रायपुर। नवप्रदेश।** गणेशोत्सव के दौरान शहर में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। गणेश प्रतिमाओं के दर्शन और झांकियां देखने के लिए शाम से देर रात तक बड़ी संख्या में लोगों के घरों से निकलने के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ गया है।

इसे देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने मोटरयान अधिनियम की धारा 115 के तहत मध्यम एवं भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश और आवागमन पर लगाया गया प्रतिबंध 27 सितंबर तक बढ़ा दिया है। रिंग रोड-1 और रिंग रोड-2 की सीमा से शहर की ओर आने वाले 19 प्रवेश मार्गों पर मध्यम एवं भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन सुबह 5 बजे से रात 2 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस के मुताबिक यह व्यवस्था गणेशोत्सव के दौरान लोगों के सुरक्षित आवागमन और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए की गई है। पुलिस के अनुसार गणेशोत्सव के दौरान इन मार्गों पर शाम से रात तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और दर्शकों की आवाजाही हो रही है। ऐसे में मालवाहक वाहनों की आवाजाही नियंत्रित कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने का प्रयास किया गया है। 28 सितंबर से संबंधित क्षेत्रों में वाहनों के लिए पहले से लागू प्रतिबंधित आदेश फिर यथावत प्रभावशील रहेंगे।

### *6 मार्गों पर हल्के मालवाहकों पर भी रोक*

*गणेशोत्सव को देखते हुए तेलघानीनाका और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में हल्के मालवाहक वाहनों के प्रतिबंध का समय भी बढ़ाया गया है। पिकअप, टाटा एस, ऑटो ट्रेलर सहित अन्य हल्के मालवाहक वाहनों पर अब शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक प्रतिबंध रहेगा। यह व्यवस्था भी 27 सितंबर तक लागू रहेगी। पहले इन वाहनों के लिए शाम 5 से रात 7 बजे तक प्रतिबंध था।*

### इन मार्गों पर लागू रहेगा प्रतिबंध

- अग्रसेन चौक से भैंसथान मार्ग होते हुए तेलघानीनाका चौक
- राठौर चौक से तेलघानीनाका चौक
- फाफाडीह चौक से स्टेशन चौक होते हुए तेलघानीनाका चौक
- चुनाभट्ठी से गुढ़ियारी अंडरब्रिज, नर्मदापारा होकर स्टेशन चौक निकास गेट
- कर्मा चौक रामनगर से रामनगर ब्रिज व अंडरब्रिज होकर तेलघानीनाका चौक
- नहरपारा संजय गांधी चौक से स्टेशन गुरुद्वारा की ओर
- 28 सितंबर से पुराने नियम रहेंगे लागू.

# स्वागत में जुटी भीड़ में घुसे चोर 3 श्रद्धालुओं के पर्स कर दिए पार

**नगर घड़ी चौक पर वारदात, सूचना मिलते ही पुलिस ने तीन संदेहियों को पकड़ा**

**रायपुर। नवप्रदेश।** नगर घड़ी चौक पर शनिवार शाम कबीर पंथ के गुरु हजूर उदित मुनि साहेब के स्वागत के लिए जुटी श्रद्धालुओं की भीड़ में चोरों ने तीन लोगों के पर्स पार कर दिए। वारदात शाम करीब चार बजे की है। भीड़ में चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और कुछ घंटे बाद तीन संदेहियों को पकड़ लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक विदेश प्रवास से दामाखेड़ा लौट रहे पंथ हजूर उदित मुनि साहेब के स्वागत के लिए समाज की ओर से नगर घड़ी चौक पर कार्यक्रम रखा गया था। शाम करीब चार बजे माना एयरपोर्ट से करीब 200 वाहनों का काफिला चौक पहुंचा। पहले से मौजूद श्रद्धालुओं की भीड़ में स्वागत को लेकर गहमागहमी शुरू हो गई। इसी दौरान चोरों ने भीड़ का फायदा उठाते हुए कई लोगों की जेब और पर्स पर हाथ साफकर दिया। साहू समाज युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत साहू ने पुलिस को बताया कि उनके पर्स में 30 हजार 200 रुपए थे, जो चोरी हो गए। इसी तरह रोबिन साहू की जेब से 5 हजार रुपए नकद और शिवानंद साहू का 30 हजार रुपए तथा एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड से भरा पर्स चोरी हुआ। काफिला रवाना होने के बाद श्रद्धालुओं को पर्स चोरी होने का पता चला। इसके बाद सिकिलाईन थाने में सूचना दी गई।

## न्यूज गैलरी

### मेरे सपनों का भारत: छात्राओं ने रखे विचार

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** मेरे सपनों का भारत ऐसा हो जहाँ देश आत्मनिर्भर भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र हो और खुशहाल राष्ट्र की स्थापना हो। यह विचार व्यक्त की शासकीय कन्या स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम विद्यालय बेमेतरा की कक्षा 11वीं की प्रतिभावान छात्रा कुमारी रिया श्रीवास्तव ने। रिया ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब हम विदेशी निर्भरता को खत्म कर स्वदेशी को अपनाएंगे। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है - अपनी तकनीक, अपने उत्पाद, अपने किसान और अपने युवाओं की ताकत पर देश को खड़ा करना। 11वीं की छात्रा वर्षा भारती ने कहा मेरे सपनों का भारत ऐसा हो जहां हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, हर बच्चा आगे बढ़े, देश स्वच्छ हो और हर क्षेत्र में प्रगति और विकास हो। स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि आदत बननी चाहिए।

### डीएवी स्कूल प्राचार्य के सुपुत्र पीयूष डीयू छात्र संघ चुनाव में जीते

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह सांध्य कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव 2026 के नतीजों में पीयूष जायसवाल ने छात्रसंघ चुनाव में संयुक्त सचिव (जॉइंट सेक्रेटरी) पद पर जीत दर्ज की है। बेमेतरा के डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के प्राचार्य पीएल जायसवाल के सुपुत्र देश के सबसे कम उम्र के खगोल वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता है7 चुनाव परिणामों के अनुसार पीयूष ने किसी भी बड़े राजनैतिक दामन थामे बिना पूरी तरह स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 674 वोटों के विशाल अंतर से करारी शिकस्त दी। उनके भीतर छिपे लेखक, कवि और एक शानदार वक्ता के असाधारण गुणों ने दिल्ली के प्रबुद्ध प्रोफेसरों और छात्रों को पहले ही दिन से प्रभावित कर लिया था, जिसने इस ऐतिहासिक चुनावी जीत की सबसे मजबूत नींव रखी। पीयूष ने अपनी असाधारण बौद्धिक क्षमता के बल पर खगोल भौतिकी और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उच्च शैक्षणिक योग्यता पीएचडी पूर्ण कर ली है।

### आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** पुलिस ने आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी के कब्जे से 36 पौवा देशी मसाला शराब (6,480द्वद्य) जुमला कीमती करीबन 3,600/- रूपये को जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी ताराचंद बांधे निवासी रवेली पर वैधानिक कार्यवाही की गई।

### आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोढ़े में वर्चुअल मूल्यांकन संपन्न

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** बेमेतरा जिले में गुणवत्तापूर्ण एवं जन-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में बेमेतरा विकासखण्ड सेक्टर छिरहा अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोढ़े में वर्चुअल ह्रक्रस् मूल्यांकन संपन्न हुआ। यह मूल्यांकन स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों की सुरक्षा, रिकॉर्ड एवं दस्तावेजीकरण, संक्रमण नियंत्रण, उपलब्ध संसाधनों तथा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किए जा रहे कार्यों का आकलन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। इस वर्चुअल ह्रक्रस् मूल्यांकन के दौरान ह्रक्रस् मूल्यांकन कर्ता मो.मैनुद्दीन शेख एवं जयप्रदा गुंडापुनेनी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोढ़े की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं गुणवत्ता मानकों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, सेवा प्रदायगी, रिकॉर्ड संधारण, दवाइयों एवं उपकरणों की उपलब्धता, संक्रमण नियंत्रण, स्वच्छता, मरीजों की सुविधा तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला स्तर से जिला क्रस्ह्रष्ट॥ समन्वयक हिना वर्मा एवं राहुल राय की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन ने प्रक्रिया को महत्वपूर्ण बनाया। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से जुड़े सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक भी उपस्थित रहे।

**चार करोड़ से अधिक नकदी समेत मोबाइल और अन्य सामग्री जब्त**

# करोड़ों की ठगी मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के दो और आरोपी हुए गिरफ्तार

**वॉश एंड वॉश/ब्लैक करेंसी स्कैम में अब तक 11 आरोपी पकड़ाए**

**रायपुर। नवप्रदेश।** तेलीबांधा थाना क्षेत्र में वॉश एंड वॉश और ब्लैक करेंसी के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी के मामले में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इससे मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार नौ आरोपियों के कब्जे से चार करोड़ रुपए से अधिक नकदी समेत 20 मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, नोट के आकार के काले कागज, कांच की प्लेट और अन्य सामग्री जब्त की थी। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 4 करोड़ 2 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक तेलीबांधा थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 330/26, धारा 318(4), 61(2) बीएनएस के मामले की वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में लगातार जांच की जा रही है। पूर्व में कनिज फातमा उर्फ भावना पांडेय, दीपिका पॉलीवाल, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव उर्फ योगी, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव उर्फ कैप्टन उर्फ शेट्टी उर्फ रेड्डी, मनोज कुमार श्रीवास्तव उर्फ बड़े सर, विवेक सिंह, शुभम पांडेय, योगेंद्र चौहान और बालमुकुंद दीक्षित को गिरफ्तार किया गया था।

### मोबाइल की जांच से मिले अहम सुराग

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान पुलिस ने गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, उनके आपसी संपर्क और ठगी में उनकी भूमिका के संबंध में जानकारी जुटाई। आरोपियों के मोबाइल फोन और उनमें मौजूद डिजिटल सामग्री का तकनीकी परीक्षण भी किया गया। इसी जांच में रामायण सिंह उर्फअभिषेक सिंह और दीपक सिंह की मामले में संलिप्तता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस के हाथ लगी। डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई। लगातार निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के बाद दोनों को लोकेट कर गिरफ्तार किया गया। दोनों से मामले में उनकी भूमिका और गिरोह से जुड़े अन्य तथ्यों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

### *मुंबई के पालघर जिले के रहने वाले*

*गिरफ्तार आरोपियों में रामायण सिंह उर्फअभिषेक सिंह (39) निवासी रुस्तमजी ग्लोबल सिटी, विरार वेस्ट, जिला पालघर, मुंबई और दीपक सिंह (46) निवासी रोज गार्डन बिल्डिंग, मीरा रोड, थाना काशीमीरा, जिला पालघर, मुंबई शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच जारी है।*

# किसान फसल चक्र पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** कृषि विज्ञान केंद्र, बेमेतरा के सभागार में भगवान बलराम जयंती सह किसान दिवस के अवसर पर दलहन-तिलहन एवं प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बलराम की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह, अधिष्ठाता, रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय, विशिष्ट अतिथि श्री विरेन्द्र सिंह राठी, प्रकोष्ठ संयोजक किसान मोर्चा एवं डॉ. श्यामलाल साहू, सहायक संचालक कृषि रहे। वरिष्ठ वैज्ञानिक तोषण कुमार ठाकुर ने किसानों को फसल चक्र अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि अनाज के बाद दलहन-तिलहन, कम गहराई की जड़ वाली फसल के बाद अधिक गहराई वाली फसल लेने से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और कीट-रोग का प्रकोप कम होता है।

उन्होंने स्वस्थ मृदा और स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि फसल विविधीकरण के लिए अरहर, सोयाबीन, उड़द, मूंग, चना, सरसों, अलसी जैसी फसलों को अनिवार्य रूप से शामिल करना होगा। श्री विरेन्द्र राठी ने शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। सहायक संचालक डॉ. श्यामलाल साहू ने अपील की कि आगामी रबी में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर अधिक से अधिक क्षेत्र में दलहन-तिलहन की खेती करें। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी की जानकारी भी दी।

# तीन बार राम का नाम सहस्त्र नाम के बराबर :- शंकराचार्य

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** ग्राम सलधा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का चातुर्मास चल रहा है। सर्व प्रथम ग्रामवासी साजा और मुंबई के भक्त गणों के द्वारा पादुका पूजन किया गया। दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज ने सलधा शिवलिंग स्थापित करने वाले भक्तों के नाम की घोषणा की। शंकराचार्य ने कहा कि शिवलिंग में सभी देवी देवता विराजमान रहते हैं। शिवलिंग की आराधना पूजा सभी को करनी चाहिए।

गर्भ में जब जीव उलटा लटका रहता है तो कुंडलिनी शक्ति जागृत रहती है और उसे पिछले 1000 जन्मों की याद रहती है। उसे जन्म जन्मांतर के भोग व संबंधी याद आते हैं हजार जन्म के संबंधी जब सहायता नहीं करते तब ये गर्भ का जीव संकल्प करता है कि अब मैं शिव की आराधना करुंगा। शिव सार हैं संसार में इसलिए सभी को शिव की पूजा उपासना करनी चाहिए। स्वामी जी ने आगे बताया कि जब सतकोटि रामायण बना तो सब मांगने आये 100 करोड़ श्लोकों को शिव जी बांटने लगे 33 करोड़ 33 लाख 33 हजार 33 सौ तैंतीस 10 अक्षर दानव, मानव व देवो को दिया और 2 अक्षर शिव ने रख लिये ये अक्षर हैं राम।

पार्वती जी ने देवर्षि नारद जी से दीक्षा ली। सहस्त्र नाम का नित्य पाठ करने लगी पाठ के बाद भोजन करतीं थीं एक दिन शिव जी ने जल्दी भोजन मांगा तब पार्वती बोली थोड़ा रुको शिव जी बोले रुक नहीं सकता तो पार्वती जी बोली कि सहस्त्र नाम पाठ का नियम है तब शिव ने 3 बार राम नाम लिया और कहा कि इससे सहस्त्र नाम पाठ का फल मिलता है और फिर पार्वती जी ने शिव जी को भोजन दिया इससे स्पष्ट होता है कि शिव जी सारग्राही हैं।

# 5 साल से अधूरी पानी टंकी, योजना पर सवाल

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** बेमेतरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बाराडेरा के आश्रित ग्राम मुगेली ग्रामीणों को भीषण पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है की जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी का निर्माण बीते 5 साल से अधूरा है। इसके विपरीत गांव में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है।

इस प्रशासनिक सुस्ती का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। लोग पानी के लिए पूरी तरह बोर पंप पर निर्भर हैं। बूंद-बूंद पानी के लिए महिलाओं और बच्चों को सुबह-शाम धूप में लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है, जिससे उनकी पूरी दिनचर्या प्रभावित हो गई है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत बाराडेरा के आश्रित ग्राम मुगेली में धीमी गति से चल रही है। ग्रामीणों को घर-घर शुध्द पेयजल पहुँचाने के दावे के साथ लाखों रुपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण शुरू किया गया था। लेकिन विडंबना देखिए कि पिछले 5 साल से यह निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। ठेकेदार और संबंधित विभाग की घोर लापरवाही के कारण ढ़ाचा तो खड़ा कर दिया गया है, मगर इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। नतीजतन, सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना फिलहार औचित्यहीन साबित हो रही है।

ग्राम पंचायत बाराडेरा के आश्रित ग्राम मुगेली की आबादी लगभग 1000 है जो अलग-अलग वार्डों में निवास करती है। यहां सार्वजनिक पंप में से सिर्फत्तीन पंप जलापूर्ति हो रही है। जो अलगङ्कअलग दिशाओं में होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलस्तर निचे चले जाने के कारण कई हैंडपंप पहले ही दम तोड़ चुके हैं। जो बोर पंप चालू हैं, उन पर पुरे गांव का दबाव है। लगातार चलते रहने के कारण इन पंपों के भी खराब होने का खतरा हमेशा बना रहता है। यदि कोई पंप खराब हो जाए, तो गांव में स्थिति और भयावह हो जाती है।

### सिर पर पानी का बोझ

गांव में पेयजल के लिए बोर के अलावा कोई दूसरा विकल्प न होने के कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को पीने और निस्तारी के पानी के लिए अपने घरों से आधा किलोमीटर दूर स्थित सार्वजनिक बोर पंप तक जाना पड़ता है। धूप और गर्मी के इस मौसम में सिर, साइकिल पर पानी के बर्तन लादकर लाना ग्रामीणों की मजबूरी बन चूका है।

## पुलिस ने दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आम नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा बीटीआई ग्राउंड बेमेतरा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। पुलिस ने अपील की कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी अथवा ऑनलाइन अपराध का शिकार होने पर घबराएं नहीं, तत्काल इसकी सूचना संबंधित पुलिस थाना/साइबर सेल को दें तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

### 33 वाहन चालको पर कार्यवाही

यातायात पुलिस बेमेतरा द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 16 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 4 हजार 8 सौ रुपये का समन शुल्क लिया गया।

### बेमेतरा जिले में आज से तिमाही परीक्षा शुरू

**बेमेतरा/नवप्रदेश।** जिले के शासकीय विद्यालयों में आज से तिमाही परीक्षा प्रारंभ हो गई है। इस बार परीक्षा के प्रश्न पत्रों को लेकर व्यवस्था में बदलाव किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से स्कूलों को जिसमे प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों को प्रिंटेड प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने के बजाय प्रश्न पत्र की पीडीएफ संस्था प्रमुखों को भेजी गई है। प्राप्त पीडीएफके आधार पर अब स्कूलों को अपनी वित्तीय व्यवस्था के अनुरूप प्रश्न पत्र प्रिंट कराना होगा। जिन विद्यालयों में प्रिंटिंग की व्यवस्था है, वहां पीडीएफ से प्रश्न पत्र प्रिंट कराए जाएंगे।

# एटीएम में प्लास्टिक की पट्टी लगाकर रकम फंसाने की कोशिश

**राजेंद्रनगर के यूको बैंक एटीएम में वारदात, पांच दिन बाद पुलिस को दी गई सूचना**

**रायपुर।नवप्रदेश।** राजेंद्रनगर स्थित यूको बैंक के एटीएम में मशीन से छेड़छाड़ कर ग्राहकों की रकम फंसाने का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने एटीएम के कैश डिस्पेंसर में नीले रंग की प्लास्टिक की पट्टी लगा दी थी। आशंका है कि ग्राहक के रुपए निकलने पर वे पट्टी में फंस जाएं और तकनीकी खराबी समझकर ग्राहक बिना रकम लिए वहां से चला जाए। बाद में आरोपी फंसी रकम निकालकर ले जा सकता था। पुलिस के मुताबिक घटना 12 सितंबर की सुबह करीब 10.10 से 10.25 बजे के बीच की है, जबकि बैंक की ओर से 18 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई गई। यूको बैंक के ब्रांच मैनेजर नीलेश पोद्दार की सूचना पर राजेंद्रनगर पुलिस ने जांच शुरू की है। एटीएम मशीन में प्लास्टिक की पट्टी फंसी देखकर बैंक अधिकारियों को इसकी जानकारी हुई। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि घटना के तत्काल बाद सूचना नहीं मिलने के कारण आरोपी तक पहुंचने में समय लग रहा है। जांच में सामने आया था कि आरोपी पट्टी लगाने के बाद एटीएम के आसपास ही मौजूद रहते थे। ग्राहक के रुपए मशीन में फंसने के बाद उसके बाहर निकलते ही आरोपी एटीएम में जाकर रकम निकाल लेते थे। हालांकि मौजूदा मामले को लेकर पुलिस ने फिलहाल किसी सक्रिय गिरोह के शामिल होने की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों के मुताबिक यूको बैंक के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ या ग्राहक की रकम गायब होने की शिकायत अभी सामने नहीं आई है।

### 2025 में सामने आया था ऐसा ही गिरोह

पुलिस के अनुसार वर्ष 2025 में एटीएम के कैश डिस्पेंसर में इसी तरह पट्टी लगाकर ग्राहकों की रकम फंसाने की कई घटनाएं सामने आई थीं। कबीरनगर, आमानाका, सरस्वती नगर और खमतराई थाना क्षेत्रों में लगातार घटनाओं के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तरप्रदेश के एक गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को पकड़ा था।

# भारतीय शास्त्रीय कला की विरासत से रूबरू हुए सीजीआईटी के विद्यार्थी

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सीजीआईटी) में शनिवार को स्पिक मैके के तत्वावधान और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना मौमाला नायक ने कत्थक की मनोहारी प्रस्तुति देकर विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया। उनकी प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों ने कत्थक की विभिन्न मुद्राओं, भाव-भंगिमाओं और अभिव्यक्ति शैली को करीब से समझा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में भारतीय शास्त्रीय कलाओं के प्रति रुचि विकसित करना और उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना रहा। प्रस्तुति के दौरान मौमाला नायक ने कत्थक की परंपरा, इसकी विशिष्ट शैली और भारतीय संस्कृति में इसके महत्व के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। नृत्य के विभिन्न भावों और मुद्राओं के माध्यम से उन्होंने शास्त्रीय कला की बारीकियों को प्रस्तुत किया। स्पिक मैके की ओर से देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और लोक-सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में सीजीआईटी में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से उन्हें भारतीय कला और संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में सीजीआईटी के प्राचार्य डॉ. एसके सिंघई, डॉ. सीमा चौहान, डॉ. जीके अग्रवाल, डॉ. केके सक्सेना सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में एनएसएस अधिकारी मनेश मंडावी, इंद्राणी बोरकर, बाबा मार्तण्ड प्रसाद और एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कत्थक की प्रस्तुति को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और भारतीय संस्कृति से जुड़ाव बढ़ाने वाला बताया।

### संस्कृति से जुड़ने का मिला अवसर

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में भारतीय शास्त्रीय कलाओं के प्रति रुचि विकसित करना और विद्यार्थियों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना रहा। आयोजन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को भारतीय शास्त्रीय नृत्य की परंपरा, उसकी विविध शैलियों और सांस्कृतिक महत्व को करीब से समझने का अवसर मिला। स्पिक मैके की ओर से देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और लोक-सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सीजीआईटी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने कत्थक नृत्य की प्रस्तुति को ध्यानपूर्वक देखा और इसकी विभिन्न मुद्राओं, भाव-भंगिमाओं तथा अभिव्यक्ति शैली को समझा।

## न्यूज गैलरी

### 'नारायणो ब्रह्मा' फिल्म फाइनल में चयनित

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** साई प्रताप द्वारा निर्देशित शॉर्ट फिल्म 'नारायणो ब्रह्मा' का राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के फाइनल राउंड में चयन फिल्म के कलाकार नारायणा के किरदार में शुभम गोस्वामी श्रुति के किरदार में झोशिता पेदादा, गुरु के किरदार में यशोदा नेहरू अदापा, माँ के किरदार में के. अक्षिका, साई दीप्तिका पटनायक दीपू के किरदार में एवं मेघना एवं संचिता तिवारी दोस्त के किरदार में अपना योगदान दिया!

पटकथा एवं संवाद- संकल्प महंत, छायांकन निर्देशक - चक्रदीप एवं अश्विन टैडी संगीत- श्रीयांश साहू श्रृंगार कलाकार (नारायणा) - संध्या मरुवदा, फिल्म संपादक - रोहित उइके एवं ए. सम्मुख राव, संध्या मरुवदा एवं जॉय सैमुअल द्वारा निर्मित, कहानी एवं निर्देशन- साईं प्रताप मरूवदा सत्य साईं सेवा संगठन, भारत के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित सत्य साईं नेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में देशभर से कुल 33 शॉर्ट फिल्में प्राप्त हुईं, जिनमें से केवल 10 फिल्मों का चयन फाइनल राउंड के लिए हुआ है।

### 'ब्रह्म आलोक' पत्रिका के 14वें प्रवेशांक का विमोचन

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** समाज सेवा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय कान्यकुब्ज ब्राह्मण विकास मंच छत्तीसगढ़ द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'ब्रह्म आलोक' के 14वें प्रवेशांक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति रही। मंच के प्रदेश संगठन सचिव सुदेश दुबे 'साथी' ने बताया कि कान्यकुब्ज ब्राह्मण विकास मंच पिछले 13 वर्षों से मासिक पत्रिका 'ब्रह्म आलोक' का नियमित प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका के माध्यम से समाज की गतिविधियों, सांस्कृतिक परंपराओं, साहित्यिक रचनाओं और सामाजिक सरोकारों को मंच प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि पत्रिका समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और संस्कारों से परिचित कराने का कार्य भी कर रही है।

विमोचन कार्यक्रम में मंच के प्रदेशाध्यक्ष बी.के. पांडेय, रायपुर कान्यकुब्ज सभा के पूर्व अध्यक्ष अरुण शुक्ल, अखिल भारतीय कान्यकुब्ज सभा रायपुर के सह सचिव रज्जन अग्निहोत्री, आदित्य त्रिपाठी, कमलेश मिश्र, दिनेश बाजपेयी तथा सुदेश दुबे 'साथी' सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने 'ब्रह्म आलोक' के नियमित प्रकाशन की सराहना करते हुए इसे समाज को एक सूत्र में जोड़ने और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया।

### ग्रामीण रामनरेश की मौत का मामला, पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश कर दिया

# हंसपुर बॉक्साइट: आरोपियों को नहीं मिली राहत एसडीएम करुण समेत तीन की जमानत खारिज

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** कुसमी क्षेत्र के हंसपुर में बॉक्साइट परिवहन को लेकर हुए विवाद और ग्रामीण रामनरेश की मौत के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस राकेश मोहन पांडेय के सिंगल बेंच ने कुसमी के तत्कालीन एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन आरोपियों की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। सिंगल बेंच में तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई हुई। पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दिया है चार्जशीट रामनरेशन की हत्या और ग्रामीणों के साथ मारपीट के आरोप में थाना कोरंधा में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अलावा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं में पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। तीनों आरोपियों को 16 फरवरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दिया है। अभियोजन के अनुसार 15 फरवरी की रात करीब 9 बजे ग्राम हंसपुर के पास बॉक्साइट से लदे एक ट्रक को कुछ ग्रामीणों ने रोक लिया था। इस घटना के बाद मौके पर विवाद हुआ और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। अभियोजन का आरोप है कि इस दौरान कुसमी के तत्कालीन एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन लोगों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट की। इस घटना में कई लोग घायल हुए थे। घायलों में रामनरेश भी शामिल था। उपचार के दौरान अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव के चलते उसकी मौत हो गई। घटना के बाद थाना कोरंधा के तत्कालीन थाना प्रभारी अमर सिंह कोमरे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 115(2) और 3(5) के तहत पुलिस ने अपराध दर्ज किया था। जांच के दौरान अन्य धाराएं भी जोड़ी गई। जिसमें धारा 109(1), 115, 296 और 238 के साथ स्ष्ट, स्ज्ञ अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1) (आर), 3(1) (एस) और 3 (2) (वी) शामिल है। जांच पूरी करने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दिया है। ट्रायल कोर्ट में कुछ अभियोजन गवाहों के बयान भी दर्ज हो चुके हैं। जमानत के लिए हाई कोर्ट पहुंचे आरोपियों की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ताओं दलील देते हुए कहा, याचिकाकर्ता लंबे समय से जेल में हैं और पुलिस की जांच पूरी हो चुकी है। ऐसे में उन्हें नियमित जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने जमानत देने से इंकार करते हुए तीनों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

## आध्यात्मिक मूल्यों से ही बनेगा श्रेष्ठ समाज : राठी

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रशासनिक प्रभाग एवं समाज सेवा प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में इंदौर से शुरू हुए 'श्रेष्ठ समाज की स्थापना में आध्यात्मिकता का महत्व' अभियान का समापन रविवार को राजयोग भवन में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जबलपुर हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीडी राठी ने की। मुख्य अतिथि कलेक्टर संजय अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रवीण झा रहे। समापन समारोह से पहले जन-जागरण रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से आध्यात्मिकता, सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और श्रेष्ठ समाज निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अभियान के उद्देश्य और अब तक की गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। न्यायमूर्ति बीडी राठी ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए केवल आर्थिक और भौतिक विकास पर्याप्त नहीं है। समाज में आत्मबल, पवित्रता, सत्यता, प्रेम, ईमानदारी और श्रेष्ठ संकल्प जैसे मूल्यों की स्थापना जरूरी है। उन्होंने युवाओं में आत्मविश्वास और आत्मबल बढ़ाने पर जोर देते हुए महामना मदन मोहन मालवीय, स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के जीवन प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ विचारों को सुनना ही पर्याप्त नहीं, उन्हें व्यवहार में उतारना जरूरी है। आत्म-परिचय और परमात्म-परिचय से आत्मबल और वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत होती है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि श्रेष्ठ समाज का निर्माण किसी एक व्यक्ति या संस्था के प्रयास से नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के सकारात्मक योगदान से संभव है। समाज की शुरुआत घर और परिवार से होती है। बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए अभिभावकों को अपने आचरण पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि बच्चे बातों से ज्यादा व्यवहार से सीखते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक है, जब उससे विनम्रता आए और धन का उपयोग मानव सेवा एवं समाज कल्याण में हो।

## डोंगरगढ़ में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

**दपूमरे/ नागपुर मंडल/नवप्रदेश।** स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत रेलवे पूर्व माध्यमिक एवं मिश्रित हाई स्कूल, डोंगरगढ़ में दिनांक 19 सितम्बर 2026 को निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, रचनात्मकता तथा पर्यावरण संरक्षण की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में कुल 29 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें 20 विद्यार्थियों ने निबंध लेखन तथा 9 विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं के प्रतीक रामटेके ने प्रथम, कक्षा 10वीं की नव्या साखरवाड़े ने द्वितीय तथा कक्षा 8वीं के आयुष रामटेके ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं, चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं के अविनाश पॉल ने प्रथम, कक्षा 10वीं की सावित्री बनसोड़ ने द्वितीय तथा कक्षा 10वीं की प्राची भास्कर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों एवं चित्रों के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को विद्यालय में ÷वेस्ट से बेस्ट÷ (Waste to Best) कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसके माध्यम से अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुएँ बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस गतिविधि का उद्देश्य पुनः उपयोग, रचनात्मकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित करना है।

## रमन विवि के छात्र ने ऑप्टिकल ट्रेनिंग में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया

### रिपब्लिक डे कैंप के लिए विश्वविद्यालय के तीन कैडेट्स का चयन

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। दिल्ली में आयोजित थल सैनिक कैंप में विश्वविद्यालय के बीसीए के छात्र देवक सिंह ने ऑप्टिकल ट्रेनिंग में पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके साथ ही रिपब्लिक डे कैंप के लिए विश्वविद्यालय के तीन कैडेट्स का चयन हुआ है। दिल्ली में 30 अगस्त से 10 सितंबर तक आयोजित थल सैनिक कैंप में देशभर के कैडेट्स ने विभिन्न सैन्य प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं में भाग लिया। देवक सिंह ने ऑप्टिकल ट्रेनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय रैंक हासिल की। उन्होंने मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया। उनकी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण है। इसी क्रम में आगामी रिपब्लिक डे कैंप में डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के तीन एनसीसी कैडेट्स का चयन हुआ है।

आशीष तिग्गा का चयन ड्रिल, इंद्रजीत दिवाकर का डांस तथा प्रांजल पटेल का इंस्ट्रूमेंट गिटार के लिए हुआ है। तीनों चयनित कैडेट्स दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य आयोजन में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने यह उपलब्धियां लेफ्टिनेंट संदीप सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में हासिल की हैं। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने सभी कैडेट्स को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार घोष ने कहा एनसीसी कैडेट्स की राष्ट्रीय स्तर पर मिली उपलब्धियां विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय हैं। देवक सिंह का अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है ।रिपब्लिक डे कैंप में तीन कैडेट्स का चयन भी विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व्यवस्था को दर्शाता है। हमें अपने विद्यार्थियों पर गर्व है। कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के अवसर प्रदान करता है। एनसीसी कैडेट्स ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

### कला : विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध परंपराओं से जोड़ने के उद्देश्य से स्पिक मैके का आयोजन

# आधारशिला विद्या मंदिर में भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी की प्रस्तुतियों से सजे सांस्कृतिक मंच

**बिलासपुर/नवप्रदेश।** भारतीय शास्त्रीय कला, संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने और विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध परंपराओं से जोड़ने के उद्देश्य से स्पिक मैके (युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए सोसायटी) के तत्वावधान में आधारशिला विद्या मंदिर न्यू सैनिक स्कूल, दो दिवसीय शास्त्रीय नृत्य समारोह का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के सभागार में आयोजित इस सांस्कृतिक समारोह में देश की प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्यांगनाओं ने क्रमशः भरतनाट्यम एवं कुचिपुड़ी की मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय कला की विविधता, गहराई और आध्यात्मिक सौंदर्य से परिचित कराया। प्रस्तुतियों के साथ कलाकारों ने विद्यार्थियों को नृत्य की विभिन्न मुद्राओं, भाव-भंगिमाओं, ताल, लय तथा नाट्यशास्त्र के विविध पक्षों की जानकारी भी दी। भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुति कार्यक्रम के प्रथम दिन बेंगलुरु की प्रतिष्ठित भरतनाट्यम कलाकार शिवरंजनी हरीश ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित कलाकार ने अपनी सधी हुई पदचाप, मुद्राओं, भाव-भंगिमाओं और लयबद्ध नृत्य के माध्यम से भरतनाट्यम की शास्त्रीय गरिमा को जीवंत किया। शिवरंजनी हरीश को भरतनाट्यम के क्षेत्र में 36 वर्षों की साधना एवं 26 वर्षों के शिक्षण अनुभव का गौरव प्राप्त है। वे कर्नाटक कलाश्री एवं गुरु किरण सुब्रह्मण्यम की वरिष्ठ शिष्या हैं। वे दूरदर्शन द्वारा एवं सम्मानित कलाकार हैं तथा सूचीबद्ध कलाकार के रूप में देश-विदेश में भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उन्हें 'कर्नाटक नृत्यश्री' एवं 'युवा प्रतिभा' जैसे सम्मानों से भी नवाजा गया है। उन्होंने बीजिंग, शंघाई एवं हांग्जो सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया है। अपने दीर्घकालीन कला-साधना एवं शिक्षण के माध्यम से वे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने तथा शास्त्रीय नृत्य के प्रति युवा पीढ़ी में रुचि जागृत करने में योगदान दे रही हैं।

कुचिपुड़ी की लय, गति और भावाभिव्यक्ति समारोह के दूसरे दिन *दिल्ली की प्रतिष्ठित कुचिपुड़ी नृत्यांगना टी. रेड्डी लक्ष्मी ने अपनी ऊर्जावान एवं प्रभावशाली प्रस्तुति से सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों और दर्शकों को अभिभूत कर दिया। टी. रेड्डी लक्ष्मी जी ने पद्मश्री गुरु जयरामा राव एवं वनश्री राव के मार्गदर्शन में दो दशकों से अधिक समय तक कुचिपुड़ी नृत्य का गहन एवं अनुशासित प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

उनकी प्रस्तुतियों में कुचिपुड़ी की विशिष्ट गतिशीलता, लय, ताल, अभिनय एवं भावाभिव्यक्ति का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।प्रस्तुति के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को कुचिपुड़ी की तकनीकी विशेषताओं के साथ-साथ इसके सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पक्षों से भी परिचित कराया।

# विलुप्त हो रहीं देसी मछलियां: गंगरेल बांध में अब चीतल-कुबड़ी नहीं दे रही दिखाई

**धमतरी/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ की नदियों, तालाबों और प्राकृतिक जलाशयों में मिलने वाली देशी प्रजाति की मछलियों के अस्तित्व पर गहरा संकट मंडरा रहा है। प्रदेश की पारंपरिक जल प्रणालियों में पाई जाने वाली कई अनूठी मछलियां अब धीरे-धीरे विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और स्थानीय ग्रामीण बाजारों में इन देशी मछलियों का एक खास स्थान रहा है, जहाँ इन्हें, इनके अजूठे पारंपरिक नामों से पहचाना जाता है। इतिहास किताबें खोजें

**छत्तीसगढ़ की पारंपरिक मछली प्रजातियों का समृद्ध संसार:** छत्तीसगढ़ के विभिन्न बदी-बेसिनों जैसे महानदी, इंद्रावती और हसदेव में 9त्त से अधिक प्रकार की देशी और सजावटी (ऑर्नामेंटल) मछलियों की प्रजातियां दर्ज हैं। हालांकि, प्राकृतिक आवासों के विनाश और जल प्रदूषण के कारण इनकी संख्या लगातार घट रही है। स्थानीय और पारंपरिक प्रजातियों का समृद्ध संसारराज्य के जल निकायों में प्रसिद्ध स्थानीय प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें कोतरी, खोखसी, टेंगना, बांबी, मोंगरी, सिंधी, चिन्हारी, सारंगी, डडवा, डेसरा, बोधस, इडुम, पढ़ेना, चंदेनी, लुड़वा, मेंदो, सोडहा, गिवना, केवई, विंगरी, तेलबया और माइनर कार्प शामिल हैं।

### विलुप्ति से बचाने उठा रहे कदम

मत्स्य पालन विभाग के उपसंचालक एमएस कमल ने बताया कि छग में विलुप्त हो रही देशी मछलियों और जलीय जैव विविधता को बचाने मत्स्य पालन विभाग, वन विभाग, स्थानीय कृषि केंद्रों द्वारा संयुक्त रूप से कई बड़े कदम और संरक्षण के उपाय किए जा रहे हैं जिसमें 16 जून से 15 अगस्त तक मछली पकड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध, बस्तर की विशिष्ट बोध मछली को विलुप्त से बचाने वन्यप्राणी संरक्षण सलाहकार समिति और स्थानीय निकायों ने इसे राज्य मछली घोषित करने का प्रस्ताव दिया है। ग्रामीणों में जागरूकता, देशी बीज़ों का संरक्षण, कृत्रिम प्रजनन तथा बीजों को वापस नदियों में छोड़ा जाना, आक्रामक विदेशी प्रजातियों पर नियंत्रण, स्थानीय समुदायों को शामिल कर इनके संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

### संकट में देशी मछलियों का अस्तित्व

देशी प्रजाति की मछली पूरी तरह से विलुप्त नहीं: मत्स्य विभाग के संचालक एनएस नाग का दावा है कि, छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली देशी प्रजाति की कोई भी मछली पूरी तरह से विलुप्त नहीं हुई है। धान के खेतों, डबरी, गड्ढों के कीचड़ में पनपने वाली मछली देशी मांगूर, सिंधी, डरई, कोतरी की प्रजाति संकटग्रस्त है। इनके संरक्षण के लिए शासन आवश्यक कदम उठा रहा है।

### प्रदेश में मछलियों का समृद्ध संसार

इसके अलावा, स्वदेशी प्रमुख प्रजातियों में बोराई, करोथ, बटा, कुरसा, चितला, पटोला, मुरेल तथा कैटफिश वर्ग की बचरा, पंगाज, पब्दा, रीता जैसी मछलियां प्रमुख हैं। प्रदेश के जलस्रोतों में भोला, टिक्टो बार्ब, सरना बार्ब, चंदानामा, खसखसी और रसबोरा जैसी छोटी और सुंदर सजावटी स्वदेशी प्रजातियां भी पाई जाती हैं।

### खेतों और तालाबों की संकटग्रस्त मछली

बारिश के दिनों में खेतों और छोटे डबरों, कीचड़ में स्वत: पनपने वाली औषधि गुणों से भरपूर कई प्रजातियां रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्याधिक छिड़काव से तेजी से गायब हो रही हैं जिसमें देशी मोंगरी, सिंघी, केवई, पबदा शामिल हैं। अन्य स्थानीय लुप्तप्राय छोटी प्रजातियों में बांबी, रीता कोटिया, पंगाज है।

### देशी मांगुर समेत कई प्रजातियां संकट में

प्राकृतिक आवासों से देशी मांगुर विलुप्त, संरक्षण का प्रयास : कृषि विज्ञान केंद्र धमतरी के विषयवस्तु विशेषज्ञ मछली पालन मनीषा खापर्डे ने बताया कि डबरी, तालाबों में प्राकृतिक रूप से मिलने वाली देशी मांगुर विलुप्त हो चुकी है। हालांकि देशी मांगुर के संरक्षण के लिए कोंडागांव में बिडिंग कराई जा रही है लेकिन सीमित मात्रा में। इसके अलावा सिंघी, पाबदा, सरना, तोर-तोर, बाघ और आऊ मछली विलुप्त होने की कगार पर है। उन्होंने देशी मछलियों के विलुप्त होने की बड़ी वजह मछलियों के प्रजनन काल के समय मछली पकड़ने के प्रतिबंध को कड़ाई से पालन नहीं करने को बताया। इसके अलावा जल में प्रदूषण, प्राकृतिक आवास नदी, जलाशय से साफहोना, मछली पालन में -कतला, रोहा, कामनकार, मृगाल, तेलपिया को ही प्रोत्साहित करना बड़ा कारण है।

## न्यूज गैलरी

### महिला किरायेदार की तोड़फोड़ का वीडियो वायरल : शिवलिंग और स्कूटी को पहुंचाया नुकसान, आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर/नवप्रदेश।** राजधानी रायपुर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र से एक महिला किरायेदार द्वारा कथित तौर पर तोड़फोड़ किए जाने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में महिला एक शिवलिंग को नुकसान पहुंचाते और स्कूटी को गिराते हुए नजर आ रही है। घटना के सामने आने के बाद इलाके में माहौल गरमा गया। मामले में पुलिस ने महिला आरोपी पूजा बुन्देला के खिलाफप्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि मकान मालकिन गौरी बंजारे ने घटना को लेकर पुलिस से शिकायत की थी। आरोप है कि शिकायत के बावजूद शुरुआत में पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद देर रात बजरंग दल के कार्यकर्ता राजेंद्र नगर थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं के दबाव और मामले के तूल पकड़ने के बाद पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना से जुड़ा वीडियो सामने आने के बाद मामला और चर्चा में आ गया है। वीडियो में महिला द्वारा कथित तौर पर शिवलिंग और स्कूटी को नुकसान पहुंचाते हुए देखा जा सकता है। हालांकि, घटना के पीछे की पूरी वजह और विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई, इसे लेकर पुलिस की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला ने धर्म विशेष के एक पुरुष से शादी की है। पुलिस अब घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

**परेशानी:** सालभर से अधूरा पड़ा शेड निर्माण, बिजली विभाग की वजह से रुका काम

# खुले सरिए बने मवेशियों और स्कूली बच्चों के लिए खतरा

**राजिम/नवप्रदेश।** ग्राम सिंधौरी के गौठान में शेड निर्माण की उम्मीद अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। पिछले वर्ष नवरात्रि के समय ग्रामीणों की मांग पर शुरू हुआ निर्माण कार्य करीब एक साल बाद भी पूरा नहीं हो सका है। काम केवल कालम खड़े करने और गड्ढे भरने तक पहुंचा और इसके बाद ऐसा रुका कि अब तक दोबारा शुरू नहीं हुआ।

सबसे गंभीर स्थिति निर्माण स्थल पर निकले खुले सरियों की है। ये सरिए लंबे समय से खुले पड़े हैं और गौठान में आने-जाने वाले मवेशियों के लिए खतरा बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मवेशियों के पैर सरियों में चुभने से चोटिल हो चुके हैं। मवेशी घायल हो रहे हैं और इसका खामियाजा उनके पालकों को भुगतना पड़ रहा है।

**काम अधूरा, खतरा पूरा:** ग्रामीणों का कहना है कि शेड निर्माण इसलिए कराया जा रहा था ताकि गौठान में मवेशियों को सुरक्षित जगह मिल सके, लेकिन अधूरा निर्माण अब सुरक्षा के बजाय दुर्घटना का कारण बन रहा है। निर्माण स्थल के पास ही स्कूल भी है। छोटे बच्चे खेलते हुए वहां पहुंच जाते हैं। ऐसे में खुले सरिए और अधूरे गड्ढे बच्चों के लिए भी खतरा बने हुए हैं।

### बिजली तार हटाने के लिए राशि देने की बात

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ समय पहले गांव में हुई बैठक के दौरान जब सरपंच से शेड निर्माण के रुके होने का कारण पूछा गया था, तब उन्होंने बताया था कि ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार को हटाने के लिए बिजली विभाग को राशि दे दी गई है। सरपंच के अनुसार बिजली तार हटाए जाने के बाद ही शेड निर्माण का काम आगे शुरू हो पाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिजली तार हटाने के लिए राशि विभाग को दी जा चुकी है तो अब तक तार हटाने की कार्रवाई क्यों नहीं हुई और निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने में इतनी देरी क्यों हो रही है, यह समझ से परे है। एक ओर शेड अधूरा पड़ा है, वहीं दूसरी ओर खुले सरिए लगातार खतरा बने हुए हैं।

### ग्रामीण पूछ रहे—आखिर कब पूरा होगा काम?

दसरू निषाद, राजू वर्मा, लाला वर्मा सहित ग्रामीणों का कहना है कि एक छोटे से शेड का निर्माण एक साल बाद भी पूरा नहीं होना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों को यह भी स्पष्ट नहीं है कि बिजली तार हटाने की कार्रवाई कब होगी और उसके बाद निर्माण कार्य कब शुरू किया जाएगा। सरपंच से मामले की जानकारी लेने फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। ग्रामीणों ने संबंधित बिजली विभाग, ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों से बिजली तार हटाने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर शेड निर्माण शुरू कराने तथा तब तक खुले सरियों को सुरक्षित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने से बेहतर है कि खतरे को अभी दूर किया जाए।

# ट्रेन और अज्ञात ट्रक की चपेट में आकर 14 मवेशियों की मौत

**भानुप्रतापपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर क्षेत्र में रात से सुबह के बीच हुए दो अलग-अलग हादसों में कुल 14 मवेशियों की जान चली गई। पहली घटना भैंसाकन्हार के पास हुई, जहां रेलवे ट्रैक पार करते समय 10 मवेशी ट्रेन की चपेट में आ गए। वहीं दूसरी घटना सुबह करीब 5 बजे भानुप्रतापपुर के मुख्य चौक पर हुई, जहां तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने चार मवेशियों को कुचल दिया। दोनों घटनाओं के बाद क्षेत्र में पशुओं की सुरक्षा और सड़क-रेलवे ट्रैक के आसपास उनकी आवाजाही को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

**भैंसाकन्हार में ट्रेन की चपेट में आए 10 मवेशी:** भैंसाकन्हार के पास देर रात रेलवे ट्रैक पर मवेशियों का झुंड ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में 10 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि मृत मवेशी स्थानीय पशुपालक रमेश उइके के थे। घटना की सूचना मिलने पर भानुप्रतापपुर एसडीएम गंगाधर वाहिले अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

### गांव के समीप रेलवे लाइन पर दोनों तरफ लंबा मोड़

पशुपालक रमेश उइके ने रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि गांव के समीप रेलवे लाइन पर दोनों तरफ लंबा मोड़ है। ऐसे में ट्रेन नजदीक आने तक दिखाई नहीं देती। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार ट्रेन चालक द्वारा हॉर्न नहीं बजाए जाने के कारण ट्रैक के आसपास मौजूद लोगों और मवेशियों को ट्रेन के आने की जानकारी समय पर नहीं मिल पाती।

### मुख्य चौक में ट्रक ने चार मवेशियों को कुचला

दूसरा हादसा भानुप्रतापपुर के मुख्य चौक में सुबह करीब 5 बजे हुआ। यहां सड़क पर मौजूद चार मवेशी अज्ञात ट्रक की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। एक ही रात और सुबह के दौरान हुई इन दो घटनाओं में 14 मवेशियों की मौत ने क्षेत्र में आवारा और खुले में घूमने वाले पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। साथ ही रेलवे ट्रैक और व्यस्त सड़कों के आसपास मवेशियों की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जरूरत भी सामने आई है।

# वन कर्मचारी संघ की बैठक में कर्मचारी हितों पर मंथन, ठेका पद्धति का विरोध

- नवीन स्थानांतरण नीति एवं ठेका पद्धति के विरोध में सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय

**खैरागढ़/नवप्रदेश।** वन कर्मचारी संघ जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की जिला स्तरीय बैठक आज आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, वन कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों तथा प्रांतीय स्तर से प्राप्त निर्देशों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में रिक्त हुए जिला पद पर महामंत्री के रूप में श्री प्रमोद कुमार धोटे तथा कार्यवाहक जिला अध्यक्ष के रूप में श्री रूपेंद्र कुमार साहू को सर्वसम्मति से दायित्व सौंपा गया। जिले के विभिन्न ब्लॉकों में आयोजित बैठकों में लिए गए प्रस्तावों के अनुरूप सभी ब्लॉक पदाधिकारियों ने अपने-अपने ब्लॉक की समस्याओं, मांगों एवं संगठनात्मक विषयों को जिला बैठक में रखा। जिला पदाधिकारियों द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

संरक्षक श्री लाल हर्ष बहादुर सिंह द्वारा संगठन के ऐतिहासिक संघर्षों एवं संघर्षों के माध्यम से प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी देते हुए वर्तमान परिस्थितियों में संगठन को और अधिक मजबूत एवं एकजुट करने पर विशेष जोर दिया गया। जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक देवांगन द्वारा प्रांत से प्राप्त निर्देशों एवं वन कर्मचारियों के हित-अधिकारों के लिए प्रांतीय स्तर पर उठाई जा रही मांगों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

बैठक में वन कर्मचारियों के हित एवं अधिकारों के लिए प्रांत द्वारा उठाई जा रही मांगों का पुरजोर समर्थन करने का संकल्प लिया गया। बैठक में अनावश्यक नवीन स्थानांतरण नीति एवं ठेका पद्धति सहित विभिन्न कार्यप्रणालियों से कर्मचारियों में व्याप्त असंतोष पर रोष व्यक्त किया गया। इनके विरोध में प्रांतीय बैठक में लिए गए निर्णय एवं प्रांतीय आह्वान के तहत आगामी आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के समर्थन में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी एवं वन कर्मचारी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# खेत में पूजा करने गए 15 साल के छात्र पर गिरी आकाशीय बिजली, मौके पर ही मौत

**बलौदाबाजार/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के ग्राम सेमरिया में रविवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक हादसा हो गया। खेत में पूजा करने गए 15 वर्षीय छात्र की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

**आकाशीय बिजली की चपेट में आया छात्र:** मिली जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र की पहचान योनेश कन्नौजे, पिता राजूराम कन्नौजे के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि, छात्र दोपहर करीब 1:30 बजे खेत में पूजा करने गया था। इसी दौरान मौसम अचानक बदला और करीब 2:30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से वह उसकी चपेट में आ गया।

**पलारी पुलिस ने शुरू की जांच:** आकाशीय बिजली गिरने के बाद परिजन और ग्रामीण आनन-फानन में छात्र को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

**महुदा गांव की घटना:** वहीं शनिवार को छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में अचानक मौसम के तेवर बदले। बालौदा क्षेत्र में अचानक बिजली चमकने और बूंदों की बौछारों के बीच आसमान में तेज गड़गड़ाहट हुई बिजी गिरी। इस आकाशीय बिजली की चपेट में आकर महुदा गांव में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि, मौसम बिगड़ने के वक्त ये सभी बाड़ी में काम कर रहे थे। भीगने से बचने के लिए वहीं मौजूद झोपड़ी में दुपे थे।

**इतिहास किताबें खोजें मृतकों के नाम:** मृतकों में, नरेश खैरवार पिता रामू खैरवार उम्र 24 वर्ष पता महुदा थाना बलौदा। दूसरा रामभरोश पटेल, पिता कंश राम पटेल, उम्र 32 वर्ष। तीसरा तुलसी राम पटेल, पिता बेदराम पटेल, उम्र 51 वर्ष।घायलों में, अंजू पटेल, पति रामभरोश पटेल, उम्र 26 वर्ष, दुलारा बाई पटेल, पति तुलसी पटेल उम्र 46 वर्ष और बैशाखू, पिता रामू खैरवार, उम्र 32 वर्ष बताए गए हैं।

**तीन घायलों का उपचार जारी:** इसी बीच अचानक तेज गड़गड़ाहट के साथ आसमान से बिजली गिरी, जिसकी चपेट में ये सभी लोग आ गए। बिजली की चपेट में आकर तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं तीन घायलों को जांजगीर हास्पिटल उपचार के लिए भेजा गया। वहां इनका इलाज चल रहा है।

# प्रदेश में जगह-जगह आकर्षक रूप में विराजे विघ्नहर्ता भगवान गणेश

सिंध गणेश उत्सव समिति, मुंगेली

श्री शंकर सेवा समिति गणेश उत्सव, मुंगेली

महादेव गणेश उत्सव समिति पढ़ाव चौक, मुंगेली

सर्व धर्म समभाव गणेश उत्सव समिति कॉलोनी मुंगेली

बढ़ाई पारा, रायपुर

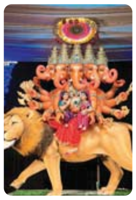
राम सागर पारा, रायपुर

पहाड़ी चौक, गुढ़ियारी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे*, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com